@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 343 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में 'स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह' में स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 15 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से देश में स्वच्छ भारत अभियान ने सफलता की नई ऊंचाइयाँ प्राप्त करते हुए दुनिया के सामने स्वच्छता एवं जनभागीदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्वच्छ भारत अभियान से पहले गांवों और गलियों में गन्दगी की स्थिति रहती थी तथा झाड़ू लगाकर सफाई करने वाले लोगों को अपेक्षित सम्मान नहीं मिलता था। अब स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने और स्वच्छता कर्मियों के योगदान को सम्मान देने की आवश्यकता को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए प्रत्येक नागरिक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। मुख्यमंत्री जी आज वाराणसी में 'स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह' में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने स्वच्छता मित्रों को सम्मानित करते हुए उन पर पुष्प वर्षा की तथा उन्हें भोजन परोसा। कार्यक्रम में 600 से अधिक स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया गया, जिनमें से मुख्यमंत्री जी ने 11 स्वच्छता कर्मियों को मंच पर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वच्छता कर्मियों के मानदेय में कटौती पर सख्ती से रोक लगाने का निर्णय लिया है। किसी भी स्वच्छता कर्मी का मानदेय काटने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छता कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता कर्मियों के लिए न्यूनतम 16,000 रुपये मानदेय सुनिश्चित किया गया है। उन्हें ई0एस0आई0 के अन्तर्गत उपचार के लिए अस्पताल की सुविधा मिलेगी और सुरक्षा बीमा का कवर भी प्रदान किया जाएगा। किसी दुर्घटना अथवा दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सहायता प्राप्त हो सकेगी। इसके साथ ही उनके पी0एफ0 की व्यवस्था भी की गई है, जिससे भविष्य के लिए उनकी अपनी बचत तैयार हो सके। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 60 से 65 वर्ष की आयु में कार्य करने में सक्षम न रहने की स्थिति में स्वच्छता कर्मियों के पास अपनी पूंजी होनी चाहिए, ताकि वे केवल अपने बच्चों पर आश्रित न रहें और अपने उपचार, दवा, भोजन तथा अन्य आवश्यकताओं का खर्च स्वयं उठा सकें। सरकार इन व्यवस्थाओं के माध्यम से स्वच्छता कर्मियों के जीवन को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि विभिन्न नगर निगमों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, तो स्वच्छता मित्रों का सम्मान अवश्य किया जाए, क्योंकि वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सबसे पहले काम पर पहुंचकर दूसरों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराते हैं। उनका सम्मान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके परिश्रम के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक होना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं को समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने की भावना को मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में काशी का व्यापक कायाकल्प हुआ है।

शेष पृष्ठ 3 पर

एशियन गेम्सः 21 स्वर्ण समेत 85 पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से मिले पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एशियन गेम्स 2026 के भारतीय दल से मुलाकात की। इस दौरान भारतीय हॉकी टीम ने पीएम मोदी को 'हॉकी स्टिक' और 'जर्सी' भेंट की। कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय ओलंपिक संघ अध्यक्ष पीटी उषा भी उपस्थित रहीं। पीएम मोदी ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम से भी मुलाकात की। इस कार्यक्रम में पीएम ने भारतीय रेसलर्स, तीरंदाजों समेत अन्य पदक विजेताओं और उनके सहयोगी स्टाफ को भी बधाई दी।भारत ने एशियन गेम्स 2026 में 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 85 मेडल जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। मेडल टैली में चीन 341 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि जापान ने 260 मेडल के साथ दूसरे और साउथ कोरिया 150 मेडल के साथ तीसरे पायदान पर रहा।

एक ओर भारतीय पुरुष और हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किए, तो दूसरी तरफ पुरुष और महिला हॉकी टीम ने भी गोल्ड मेडल जीते। भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने भी देश के लिए पहला स्थान हासिल किया। भारत ने सॉफ्ट टेनिस और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) जैसे नए खेलों में पहली बार पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई। निशानेबाजी में महिला ट्रैप स्पर्धा का पहला गोल्ड मेडल भी भारत के खाते में आया, जो एक बड़ी उपलब्धि रही।

'पूरे देश का गौरव बढ़ता है'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खिलाड़ियों के बीच आकर उन्हें भी ऊर्जा मिलती है। एक साथ इतने सारे मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मिलना अपने आप में खास अनुभव है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि जब जुनून जीत में बदलता है, तो सिर्फ मेडल ही नहीं मिलते, बल्कि चेहरे पर भी चमक आती है। इससे पूरे देश का गौरव बढ़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एशियन गेम्स में भारत की सफलता देश की बदलती सोच को भी दिखाती है। यह इस बात का उदाहरण है कि आज देश के युवा हर क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहते हैं। युवाओं के दृढ़ संकल्प से बड़ी कोई चुनौती नहीं है और उनकी क्षमता से बाहर कोई लक्ष्य नहीं है।

'कसारी-मसारी की पहचान को मिटाएगी योगी सरकार'

• अतीक का गढ़ 'कृष्ण पुरी' के नाम से जाना जाएगा, सीएम का एलान

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर पद्म लोक आवास योजना के लिए भूमि पूजन किया। सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब यह क्षेत्र कसारी मसारी के नाम से नहीं बल्कि कृष्ण पुरी के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में अब कोई भी माफियागिरी का दुस्साहस नहीं करेगा। अगर करेगा तो मिट्टी में मिला दिया जाएगा और वह अपनी बाप-दादा की संपत्ति भी गंवाएगा।

उन्होंने कहा कि एक साल में यहां करीब 1200 परिवार यानी 6500 लोगों का निवास इस 10 बीघे के कैंपस में होगा। उनके लिए यहां अलग से टाउनशिप बनेगी। मार्केट भी बनेगा। स्पोर्ट्स पार्क और जिम की सुविधा भी मिलेगी। उनकी जो भी जरूरत होगी वह प्रयागराज विकास प्राधिकरण यहां पर मुहैया कराएगा। पहले की सरकारों ने यूपी में पहचान का संकट खड़ा हो गया था। पहले लोग यूपी का नाम सुनने के बाद 100 मीटर दूर भागते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। यूपी वालों का नाम सुनकर लोग पास आते हैं।

महाकुंभ के चलते सड़कें चौड़ी हुई हैं। पहले कसारी मसारी और चकिया इलाके में कोई घुसने का प्रयास नहीं करता था। सामान्य व्यक्ति की तो बात दूर है पुलिस की गाड़ी तक नहीं आती थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। कहा कि अब कोई भी माफियागिरी नहीं करेगा। करेगा तो बाप और दादा की संपत्ति भी गंवाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लद्दाख में 3,350 करोड़ रुपये की पांच विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

• लद्दाख में कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लद्दाख में लगभग 3,350 करोड़ रुपये की पांच प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। वर्चुअल भागीदारी के माध्यम से क्षेत्र के विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, प्रधानमंत्री ने यात्रा को सुगम बनाने, बिजली और पानी की उपलब्धता में सुधार एवं प्राचीन विरासत को संरक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने जांस्कर में ताजा बर्फबारी के बीच तिरंगा लहराने वाले नागरिकों के उत्साह का उल्लेख किया, साथ ही इन चुनौतीपूर्ण कार्यों को संपन्न करने वाले इंजीनियरों, मजदूरों, स्थानीय श्रमिकों और बीआरओ कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं इन परियोजनाओं के लिए लद्दाख के सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं। लेह में कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डे के टर्मिनल की पहली आधारशिला रखने को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने 650 करोड़ रुपये के सुविधा केंद्र का उद्घाटन करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह सुविधा केंद्र उड़ान क्षमता को तीन गुना कर देगा और वार्षिक यात्री हैंडलिंग क्षमता 10 लाख से बढ़कर 35 लाख हो जाएगी। उन्होंने रेखांकित किया कि यह टर्मिनल भारत का पहला टर्मिनल है जिसमें विषम जलवायु के अनुरूप सौर ऊर्जा के उपयोग के साथ-साथ जियो थर्मल हीटिंग की सुविधा है, जो पारिस्थितिक देखभाल के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को संतुलित करते हुए स्थानीय पर्यटन में नई ऊर्जा का समावेश करता है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास स्थानीय पर्यावरण का पूरा ख्याल रखते हुए लद्दाख में आधुनिक अवसंरचना का विकास करना है।

ये परियोजनाएं यात्रा को सुगम बनाएंगी, बिजली अवसंरचना को बढ़ाएंगी

> "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार का जोर लद्दाख में समृद्धि की नई संभावनाएं विकसित करने पर भी है। आज लद्दाख में पर्यटन के अवसर भी बढ़ रहे हैं। यहाँ विंटर टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने और हमने जो वाइब्रेंट विलेज अभियान के तहत लद्दाख के 40 से ज्यादा सीमावर्ती गांवों को विकसित किया जा रहा है, और हम उसको पहला गांव कहते हैं।"

रक्षा मंत्रालयः 4106 करोड़ रुपये के रक्षा समझौते

• वायुसेना को संचार उपग्रह व नौसेना को मिलेगा वरुणास्त्र

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना के लिए समर्पित संचार उपग्रह जीसैट-7सी और नौसेना के लिए भारी वजन वाले टॉरपीडो वरुणास्त्र की खरीद के लिए 4 हज़ार एक सौ 6 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

जीसैट-7सी के लिए 2,563 करोड़ रुपये का अनुबंध बेंगलुरु स्थित न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ किया गया। स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित यह उपग्रह वायुसेना के संसाधनों की सुरक्षित, सुदृढ़ और निर्बाध संचार क्षमताओं को बढ़ाएगा। इससे उसकी परिचालन क्षमता मजबूत होगी।

वरुणास्त्र के लिए 1,543 करोड़ रुपये का अनुबंध हैदराबाद स्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ किया गया। वरुणास्त्र नौसेना के विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला द्वारा विकसित पोत से प्रक्षेपित की जाने वाली पनडुब्बी रोधी स्वदेशी टॉरपीडो है। यह उन्नत दिशा परिवर्तन क्षमताओं से लैस है और लंबी दूरी से दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है। इससे नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता बढ़ेगी।

इन अनुबंधों पर 15 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय के रक्षा अधिग्रहण विभाग के अपर सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) श्री ए. अंबारासु की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। दोनों अनुबंध घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षमताओं के विकास को आगे बढ़ाने और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। ये सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

1 नवंबर से फोन-स्क्रीन पर कॉलर का नाम दिखाना जरूरी

• जिस आईडी से सिम खरीदी वही नाम डिस्प्ले होगा • फर्जी कॉल पहचानने में मदद मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने टेलीकॉम ऑपरेटरों को 1 नवंबर, 2026 से अपने सभी सेवा क्षेत्रों में कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) सेवा लागू करने का निर्देश दिया है। इस सुविधा के तहत मोबाइल यूजर्स को इनकमिंग कॉल आने पर फोन नंबर के साथ कॉल करने वाले का नाम भी दिखाई देगा। सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, टेलीकॉम सेवा प्रदाता 4जी और उससे अधिक पीढ़ी की तकनीकों पर काम करने वाले वायरलेस टेरेस्ट्रियल नेटवर्क पर सीएनएपी सेवा का परीक्षण पहले ही कर चुके हैं। यह सुविधा पात्र यूजर्स को अपने आप उपलब्ध कराई जाएगी और इसके लिए ग्राहकों को अलग से अनुरोध करने की जरूरत नहीं होगी। 2जी, 3जी और पब्लिक स्विच्ड टेलीफोन नेटवर्क पर सीएनएपी लागू करने का निर्णय आगे की समीक्षा के बाद अलग से लिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत कॉल करने वाले का नाम कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन (सीएलआई) का हिस्सा होगा। फिलहाल इस सुविधा के तहत केवल फोन नंबर दिखाई देता है। अब कॉल रिसीव करने वाले के मोबाइल फोन पर सीएलआई में दो जानकारियां होंगी। इनमें पहली में कॉल करने वाले का फोन नंबर और दूसरी में उसका नाम दिखाई देगा। प्राप्तकर्ता की स्क्रीन पर दिखाई देने वाला नाम इस बात पर निर्भर करेगा कि कॉल करने वाले का नंबर फोन की कॉन्टैक्ट लिस्ट में सेव है या नहीं। यदि नंबर पहले से सेव है, तो सेव किया गया नाम ही दिखाई देता रहेगा। वहीं, यदि नंबर सेव नहीं है, तो घरेलू कॉल के मामले में कॉल करने वाले का नाम उस टेलीकॉम ऑपरेटर के सब्सक्राइबर डेटाबेस में दर्ज जानकारी के अनुसार दिखाई देगा, जिसके नेटवर्क से कॉल की गई है। अंतरराष्ट्रीय कॉल की पहचान केवल 'इंटरनेशनल कॉल' के रूप में होगी।

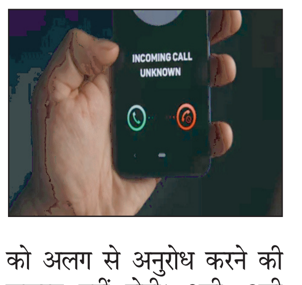

सरकार ने कहा कि यह व्यवस्था टेलीकम्युनिकेशंस (प्रिंसिपल टेलीकम्युनिकेशन सर्विसेज के प्रावधान के लिए प्राधिकरण) नियम, 2026 के नियम 48(1) के अनुरूप लागू की गई है।

एसआईआर को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और 'इंडिया' ब्लॉक के अन्य नेताओं द्वारा दायर एक याचिका पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी किया। इस याचिका में मतदाता सूची के 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि वह अगली सुनवाई में याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण की जांच करेगा। सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने निर्देश दिया कि इस याचिका को उन अन्य मामलों के साथ जोड़ दिया जाए, जो पहले से ही सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं और जिनमें विभिन्न राज्यों में एसआईआर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) प्रक्रिया की वैधता को चुनौती दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, 'हम नोटिस जारी कर रहे हैं और इसे पहले से लंबित मामलों के साथ जोड़ रहे हैं।

सीजेपी प्रदर्शन पर हाई कोर्ट सख्त

पुलिस को सभी वैध कदम उठाने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस के उस आश्वासन को दर्ज कर लिया, जिसमें कहा गया है कि शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) और उसके संस्थापक अभिजीत दिपके द्वारा प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए कानून के तहत सभी संभव कदम उठाए जाएंगे। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) नितीन वासुदेव साम्ब्रे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने केंद्र और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा के आश्वासन को रिकॉर्ड पर लिया। यह आश्वासन तब दिया गया जब एक याचिकाकर्ता ने आशंका जताई कि प्रस्तावित प्रदर्शन से कनॉट प्लेस में व्यावसायिक गतिविधियां बाधित हो सकती हैं। उच्च न्यायालय, कनॉट प्लेस के पालिका बाजार में सड़क किनारे सामान बेचने वाले अनिल कुमार गुप्ता की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि सीजेपी को सेंट्रल पार्क या ऐसी किसी भी जगह पर कोई आंदोलन, प्रदर्शन, मार्च या सभा आयोजित करने से रोका जाए, जिसे विरोध प्रदर्शन के लिए तय नहीं किया गया है।

'हम सब चाहते हैं सत्ता परिवर्तन हो'

प्रशांत भूषण के बयान पर भाजपा बोली- उनका मकसद लोकतंत्र को नष्ट करना

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजित दीपके की ओर से गुरुवार को बुलाए गए एक प्रेस कॉन्फ्रेस में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि वह चाहते हैं कि सत्ता परिवर्तन हो।

यह कॉन्फ्रेंस जंतर-मंतर को फिर से प्रदर्शन स्थल के रूप में बहाल करने और सीजेपी नेताओं आशुतोष रांका एवं सौरव दास तथा आशुतोष रांका की रिहाई की मांग को लेकर बुलाई गई थी।

सामाचार एजेंसी के अनुसार, प्रशांत भूषण ने कहा, 'जरूर सत्ता परिवर्तन होगा। हाँ...हम लोग चाहते हैं कि सत्ता परिवर्तन हो। इसमें क्या गलत है? वरिष्ठ अधिवक्ता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'भाजपा ने बार-बार आंदोलन किया कि सत्ता परिवर्तन हो...और कहते हैं कि ये लोग सत्ता परिवर्तन के लिए साजिश कर रहे हैं।'

सत्ता परिवर्तन हर नागरिक का अधिकार

प्रशांत भूषण ने कहा कि सत्ता परिवर्तन कराना हर नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने कहा, 'इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अंग्रेजों के समय जो देशद्रोह का कानून बना था, वह असंवैधानिक है...जब तक यह हिंसक नहीं होता...सिर्फ सरकार के खिलाफ असंतोष या विरोध की भावना पैदा करना हमारे संविधान में अपराध नहीं है।'

दिल्ली में सख्त पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त मांगी माफी

-यह मामला सीजेपी का विरोध प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से जुड़ा है

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में 9 अक्टूबर को लागू की गई सख्त पाबंदियों के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए यह माफीनामा पेश किया और अपने खिलाफ चल रही अवमानना की कार्यवाही को खत्म करने का अनुरोध किया है। यह मामला कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उस विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है, जिसमें पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही थी। सीजेपी का आरोप है कि मतदाता सूची के एसआईआर अभियान में भारी गड़बड़ियां हुई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने यह बिना शर्त माफीनामा दाखिल किया। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर के आदेश का मकसद दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखना था, क्योंकि 20 जुलाई को सीजेपी के चलो संसद मार्च के दौरान वहां अशांति फैल गई थी। इस आदेश के तहत केंद्र ने 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने, ट्रैफिक पर रोक लगाने और प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवा निलंबित करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि कुछ सेवाओं पर पूरी तरह से रोक न लगाई जाए और यह तय किया जाए कि दिल्ली के लोगों को कोई परेशानी न हो।
सुप्रीम कोर्ट को दिए अपने जवाब में, मोहन ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने राजधानी दिल्ली के हालात को देखते हुए एक दिन के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध पूरी तरह से कानून के मुताबिक ही प्रोसेस किया गया था। ये पाबंदियां केवल मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर थीं; ब्रॉडबैंड और वाईफाई कनेक्शन पर कोई रोक नहीं लगाई गई थी। इसके अलावा मोहन ने कोर्ट को बताया कि ये पाबंदियां 9 अक्टूबर की रात 10 बजे से 10 अक्टूबर की रात 10 बजे तक रायसीना हिल के चार किलोमीटर के दायरे में लागू थीं। अपने जवाब में मोहन ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि उनके खिलाफ चल रही अवमानना की कार्यवाही को खत्म किया जाए।
सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के कई अन्य नेताओं की याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में देशव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान में गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की दो सदस्यीय पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। याचिका में विपक्षी नेताओं ने एक स्वतंत्र समिति के गठन की मांग की है। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, और इसमें तकनीकी विशेषज्ञ तथा अन्य प्रतिष्ठित नागरिक भी शामिल होंगे। यह समिति एक तय समय-सीमा के अंदर एसआईआर के दौरान हटाए गए नामों और किए गए बदलावों का स्वतंत्र ऑडिट करेगी।

रूसी सेना में फिर शामिल हो रहे भारतीय : सुप्रीम कोर्ट में सरकार की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि कुछ भारतीय, जिन्हें पहले रूसी सेना से मुश्किल से निकाला गया था, वे अब अपनी मर्जी से फिर से उसी सेना में शामिल हुए हैं और उनका कोई अता-पता नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत एक स्थिति रिपोर्ट में गंभीर जानकारी सामने आई है।
एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि इसतरह के कई मामले सामने आए हैं जहां भारतीय व्यक्ति आर्थिक लाभ के प्रलोभन में रूसी सेना में शामिल होने के प्रस्ताव स्वीकार करते हैं। उनका मकसद अस्थायी वित्तीय लाभ प्राप्त करना और बाद में भारत सरकार से संपर्क कर सुरक्षित वापसी की उम्मीद करना होता है।
विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि रूस में टूरिस्ट, स्टूडेंट या वर्क वीजा पर गए कुछ भारतीय, कम समय के लिए मिलने वाले आर्थिक लाभों के लालच में रूसी सेना में शामिल होने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि कई भारतीयों ने दूतावास से संपर्क कर अपनी भारतीय नागरिकता स्वेच्छा से छोड़ने, रूसी पासपोर्ट लेने और फिर रूसी सेना में भर्ती होने की बात कही है, जो इस प्रलोभन की गंभीरता को दर्शाता है। सरकार लगातार अपने नागरिकों को संकटग्रस्त क्षेत्रों से निकालने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है, लेकिन कुछ व्यक्तियों का स्वेच्छा से इस खतरे को दोबारा मोल लेना एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है।

यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अकोइजम को पुलिस का समन

- जेएनयू में 11 छात्राओं की शिकायत पर एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से जुड़े एक यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कार्रवाई 11 अक्टूबर को जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के बाद की जा रही है, जिसमें सांसद का नाम शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मई में 11 छात्राओं ने अकोइजम के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई थीं। इन शिकायतों में आरोप है कि उन्होंने छात्राओं को अपने कैंपस स्थित आवास पर बुलाकर यौन उत्पीड़न का प्रयास किया और क्लासरूम में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। विश्वविद्यालय ने इन आरोपों की जांच के बाद उन्हें प्रोफेसर पद से बर्खास्त कर दिया था। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर चुप्पी साधने और अकोइजम के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने राहुल गांधी के पितृसत्ता को खत्म करने वाले बयान पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक बयानबाजी करार दिया। भाजपा की महिला सांसदों और अन्य नेताओं ने राष्ट्रपति और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष से मिलकर सांसद अकोइजम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनके इस्तीफे की मांग की है।

वायु प्रदूषण पर 13 हजार करोड़ खर्च, फिर भी 20 लाख मौतें और बढ़ता संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए 2019 से अब तक 13 हजार करोड़ से अधिक जारी किए हैं, लेकिन इस भारी-भरकम राशि का अधिकांश हिस्सा, करीब 68 प्रतिशत सिर्फ सड़कों की धूल हटाने पर खर्च हुआ है। इस बीच, एक रिपोर्ट इंडिया एयर पॉल्यूशन 2026 के अनुसार, 2023 में प्रदूषित हवा के कारण 20 लाख लोगों की मौत हुई, जो 2000 के मुकाबले 43 प्रतिशत अधिक है। यदि हवा तय मानकों के अनुरूप साफ हो जाए, तब भारतीयों की औसत जीवन प्रत्याशा 3.5 साल बढ़ सकती है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में भारत में पीएम 2.5 का औसत स्तर 48.9 रहा, जो डब्ल्यूएचओ की तय सीमा से दस गुना से भी अधिक है। बीते साल दुनिया के 143 देशों में भारत छठा सबसे प्रदूषित देश रहा। प्रदूषण की निगरानी व्यवस्था में भी गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। 2025 में 1,600 वायु गुणवत्ता जांच स्टेशनों के बावजूद, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत आने वाले 130 शहरों में से 28 में लगातार प्रदूषण मापने वाला एक भी स्टेशन नहीं था। वहीं, 40 शहरों में प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों की पहचान भी पूरी नहीं हुई है। परिणामस्वरूप, 2025 में देश के 229 में से 190 शहरों में पीएम10 का स्तर मानक से अधिक रहा, जिनमें गंगा के मैदानी इलाकों के 61 में से 60 शहर और दिल्ली-एनसीआर के सभी 14 शहर शामिल हैं।

आज मुख्यमंत्री योगी के दौरे से गाजियाबाद में ट्रैफिक बंद, शहर में बदलेगी व्यवस्था

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुक्रवार को गाजियाबाद दौरे के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। उनके आगमन को देखकर हापुड़ रोड और पुराने बस अड्डे चौराहे पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रखी जाएगी, जिससे शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने के दौरान एनएच-नौ पर भी कुछ समय के लिए यातायात रोका जाएगा। इन प्रमुख मार्गों पर यातायात बंद होने से अन्य वैकल्पिक रास्तों पर दबाव बढ़ने और भारी जाम की स्थिति पैदा होने की आशंका है। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के साथ-साथ यातायात प्रबंधन को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री का यह दौरा कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों को लेकर है। वह गाजियाबाद में निर्माणाधीन पुराने बस अड्डे का निरीक्षण करने, जहां चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया जाएगा। इसके उपरांत, सीएम डासना स्थित आईएमएस में भाजपा नेताओं के साथ अहम बैठक करने वाले है। जिसमें आगामी चुनावों की तैयारियों और पार्टी की रणनीति पर गहन मंथन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान संबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा।

फर्जी तांत्रिक बनकर बुजुर्ग के घर से चुराए 15 लाख के गहने, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में शाहदरा पुलिस ने जमीन में दफन पुश्तैनी सोना निकालने के बहाने बुजुर्ग से ठगी करने और उनके घर से करीब 15 लाख रुपए के सोने के गहने चोरी करने के आरोप में फर्जी तांत्रिक और उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी तहसीन उर्फ कृष्णा शर्मा उर्फ कृष्णा पंडित (48), मयूर विहार निवासी शोएब अली (40) और पश्चिम बंगाल के रहने वाले महाकादर खान (48) के रूप में हुई है। डीसीपी ने बताया कि सीमापुरी थाने में यह मामला पीड़ित गिरिजेश सिंह (79) की शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्हें एक तांत्रिक से मिलवाया गया और आरोपियों ने असली सोने का सिक्का दिखाकर उनका विश्वास जीता और फिर अनुष्ठान के नाम पर उनसे नकद एवं यूपीआई के जरिए करीब 39 हजार रुपए ठग लिए। डीसीपी ने बताया कि इसके बाद चार अगस्त की रात आरोपियों ने बुजुर्ग के घर पर मिट्टी के बर्तनों और नकली सोने के बिस्कुटों का इस्तेमाल कर अनुष्ठान करने का नाटक किया।

यह 'दमन' सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने का प्रमाण

-अंकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लेने पर भड़के खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी।
अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की गुहार लगा रहे उनके माता-पिता को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे मोदी सरकार की कायरता और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा करार दिया। खड़गे का यह बयान उस समय आया जब अंकिता के माता-पिता सिक्किम के नए राज्यपाल के रूप में दुष्यंत कुमार गौतम की नियुक्ति के विरोध में इंडिया गेट के पास शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि न्याय की गुहार लगाने वाले अंकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लिया गया, जबकि बीजेपी से जुड़े एक 'वीआईपी' को राज्यपाल का पद दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि यह ''दमन'' सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवालों से भागने का प्रमाण है। खड़गे ने कहा कि एक बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।
अंकिता के माता-पिता को उस समय हिरासत में लिया गया जब वे सिक्किम के राज्यपाल के तौर पर दुष्यंत कुमार गौतम की नियुक्ति के विरोध में इंडिया गेट के पास प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में जिस ''वीआईपी'' की भूमिका को लेकर सवाल उठते रहे हैं, वह गौतम ही हैं। 18 सितंबर 2022 में हुई इस हत्या के समय गौतम बीजेपी की उत्तराखंड इकाई के प्रभारी थे। इस हत्या मामले को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दल बीजेपी और उत्तराखंड सरकार पर लगातार निशाना साधते रहे हैं।

इकलौते विधायक के बाद भी चुनौती बन गए प्रशांत किशोर

–सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग

पटना, एजेंसी।
बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए पद संभालने के छह महीने के भीतर ही नई राजनीतिक चुनौती सामने आ गई है। यह चुनौती न तो प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से है और न ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से। बल्कि, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) अपने एक विधायक के दम पर मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। बीजेपी के गढ़ बांकीपुर में मिली जीत ने प्रशांत किशोर को सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर सवाल उठाने का एक नया मंच दे दिया है। उन्हे पद से हटाने की मांग भी कर दी।
बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत ने प्रशांत किशोर की चुनौती को और गंभीर बना दिया। यह सीट लगभग तीन दशकों से बीजेपी का गढ़ मानी जाती थी। उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 वोटों के अंतर से हराया। यह सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी के लिए यह पहला बड़ा चुनावी

परीक्षण था, और हार ने विपक्ष को उनके जमीनी राजनीतिक प्रभाव पर सवाल उठाने का मौका दिया। जीत के बाद प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री से बिहार के लिए एक काबिल और चरित्रवान मुख्यमंत्री चुनने की अपील की। प्रशांत किशोर की चुनौती अब केवल व्यक्तिगत हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह बिहार में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के भीतर मतभेदों का भी फायदा उठा रहे हैं। गठबंधन में बीजेपी, जेडीयू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। गठबंधन के भीतर असहमति का ताजा उदाहरण बिहार विधान परिषद चुनावों में देखने को मिला है। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले इन चुनावों में जन सुराज पार्टी के लिए समर्थन जुटाने की कोशिशों ने एनडीए के सहयोगी दलों के बीच तालमेल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ जन सुराज के उम्मीदवार अनुज कुमार सिंह का खुलकर समर्थन किया है। अनंत सिंह ने इसे नीरज कुमार के साथ अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्विता का परिणाम बताया है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका विरोध नीरज कुमार से है, न कि नीतीश कुमार या जेडीयू से।

विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक बुलाई और आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार न करने की चेतावनी दी, लेकिन मतभेद दूर नहीं हो सके। प्रशांत किशोर ने इस विवाद को और हवा देते हुए नीतीश कुमार को सार्वजनिक रूप से मतदाताओं से नीरज कुमार के समर्थन की अपील करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार ऐसा करते हैं, तो जन सुराज अपने उम्मीदवार को वापस ले लेगी। एनडीए की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं; उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा में भी नेतृत्व को लेकर बगावत सामने आई है, जहां पार्टी के चार में से तीन विधायक खुले तौर पर नेतृत्व को चुनौती दे रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने सम्राट चौधरी के सामने गठबंधन को एकजुट रखने की चुनौती बढ़ा दी है।

राहुल के आमंत्रण पर चाय पार्टी में शामिल नहीं होंगे दीपके

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अभिजीत दीपके को चाय पर आमंत्रित करने का प्रयास किया, जिससे सीजेपी के प्रति कांग्रेस के रुख में बदलाव का संकेत मिला। यह निमंत्रण सीजेपी के नेता आशुतोष रांका और सौरव दास को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के ठीक बाद दिया गया था। हालांकि, दीपके इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।
सीजेपी ने मई में सोशल मीडिया पर एक ट्रेंड के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और फिर जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शनों का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व का एक बड़ा हिस्सा अभी भी सीजेपी को आम आदमी पार्टी का एक हिस्सा या फ्रंट मानता है, और शुरुआत में सीजेपी पर संदेह व्यक्त किया गया था। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह कांग्रेस ने सीजेपी से संपर्क करने और उसके नेताओं को राहुल गांधी की हाई टी पर बुलाने का फैसला किया था। इस प्रयास में वकील

प्रशांत भूषण ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने और दीपके तक पहुंचने का आग्रह किया था। दीपके से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उस समय वे महाराष्ट्र में थे। वहीं, सौरव दास और आशुतोष रांका पहले से ही पुलिस हिरासत में थे। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि दीपके को निमंत्रण दिया गया था, लेकिन वे इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विशेष रूप से उत्साहित नहीं थे।
कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर एक बड़े प्रदर्शन की घोषणा की थी। इस प्रदर्शन से पहले ही दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के नेताओं अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत में ले लिया। पूरे शहर में भारी सुरक्षा घेराबंदी और पुलिस की सख्ती के चलते लगभग 7000 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिसकी वजह से नियोजित विरोध प्रदर्शन उस तरह से सफल नहीं हो पाया, जैसा कि योजना बनाई गई थी। कांग्रेस का आकलन था कि इस बार सीजेपी बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा करने में विफल रहा, जबकि जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए पिछले विरोध प्रदर्शनों में यह स्थिति नहीं थी। यह घटनाक्रम कांग्रेस के भीतर सीजेपी को लेकर बदलते दृष्टिकोण और उसके संभावित राजनीतिक भविष्य पर विचार-विमर्श को दर्शाता है।

राहुल गांधी का मकसद भारत के संविधान और लोकतंत्र को तबाह करना है : भंडारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर खुद की एक रिकॉर्डेड वीडियो पोस्ट कर कहा कि राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल नेहा बोरा साबित करती हैं कि राहुल का विरोध राजनीतिक नहीं है और उनका मकसद सत्ता परिवर्तन है। नेहा बोरा ने कहा है कि वह बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन से प्रेरित हैं और चाहती हैं कि भारत में भी वैसा ही हो।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी और उनका पूरा इकोसिस्टम पॉलिटिकल रिजीम चेंज करना चाहता है। नेहा बोरा जो राहुल गांधी के पूरे प्रोटेस्ट की पोस्टर गर्ल हैं, उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि वह बांग्लादेश के जेनजी मूवमेंट से प्रेरित हैं। जैसा बांग्लादेश में हुआ, वे वैसा ही भारत के अंदर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इससे ये साबित होता है कि राहुल गांधी का मकसद भारत के संविधान और लोकतंत्र को तबाह करना है। पूरा कांग्रेस इकोसिस्टम भारत के लोकतंत्र को बर्बाद करना चाहता है। बांग्लादेश की तरह सत्ता परिवर्तन करना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग भारत के संविधान में विश्वास करते हैं, उन्हें राहुल गांधी के इकोसिस्टम का विरोध करना चाहिए।
बता दें राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने के लिए सीजेपी के नेताओं को जेल भेजना कायरता का काम है। यह बयान तब आया था जब सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को बुधवार को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़

जेल भेज दिया गया था जबकि अजिंक्य शिंदे को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया था। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा था- शांतिपूर्ण विरोध में जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराना अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कायरता का काम है। छात्र, युवा, पत्रकार, इंडिया ब्लॉक, अलग-अलग बैनर के एक ही कारण हैं कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का है। हम इसे वापस लेंगे।

ठंड से पहले मौसम करेगा टॉर्चर, दिल्ली समेत 20 से ज्यादा राज्यों में चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
नई दिल्ली(ईएमएस)। गुलाबी ठंड की दस्तक से पहले ही देश के कई हिस्सों में मौसम ने करवट बदली है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के करीब 20 से ज्यादा राज्यों में बारिश की संभावना बनी हुई है। विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि दक्षिणी हिस्सों में मूसलाधार बारिश की आशंका जताई गई है। यह मौसमी बदलाव उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण हो रहा है, जिसके चलते तापमान में गिरावट से पहले अचानक मौसम में उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। इन मौसमी प्रणालियों के चलते जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की गई है, जिससे फसलों और सामान्य जनजीवन पर असर पड़ने की संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम में अचानक होने वाले इन बदलावों के प्रति सतर्क रहें।
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज दिनभर आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम तक कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के भी आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा हो सकता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि रात में भी दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। राजधानी में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
मध्य और पूर्वी भारत की बात करें तो, बिहार में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के कुछ इलाकों में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते 16 से 18 अक्टूबर के बीच राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। झारखंड में भी कई जगहों पर हल्की या छुटपुट बारिश दर्ज की जा सकती है, जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा।
दक्षिण भारत में, कोंकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। हालांकि, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हो चुकी हैं, और 15 से 19 अक्टूबर के दौरान दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बारिश का एक नया दौर देखने को मिल सकता है,

जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम में बड़ा बदलाव महसूस होगा और किसानों व आम जनता को सतर्क रहने की आवश्यकता होगी।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में 'स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह' में स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

आज काशी अपनी नई आभा, नई काया और नए स्वरूप के साथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आगे बढ़ रही है। काशी में आए परिवर्तन को बनाए रखना और उसे आगे बढ़ाना जनता तथा जनप्रतिनिधियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री जी काशी के लोकप्रिय सांसद होने के साथ देश के यशस्वी प्रधानमंत्री हैं। उनकी प्रेरणा से वाराणसी दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ0 नीलकण्ठ तिवारी द्वारा लगातार चौथे वर्ष वार्ड प्रवास एवं स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के माध्यम से जनप्रतिनिधि ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने, प्रत्येक वार्ड में पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं सुनने तथा उनके समाधान के लिए सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार स्वच्छता कर्मियों के हितों की रक्षा और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्हें सम्मान देना और उनके परिश्रम को पहचानना हम सभी का दायित्व है। स्वच्छता कर्मी अपने परिवार और बच्चों को छो?कर उस समय काम पर निकलते हैं, जब अधिकांश लोग सो रहे होते हैं। वे सर्दी, गर्मी, बरसात, आंधी-तूफान और पर्व-त्योहारों के दौरान भी स?कों तथा मोहल्लों की सफाई करते हैं। उनके परिश्रम से ही लोगों को स्वच्छ वातावरण मिलता है और सार्वजनिक जीवन सुचारु रूप से चल पाता है। स्वच्छता कर्मी किसी भव्य इमारत की नींव के पत्थर की तरह हैं। नींव का पत्थर दिखाई नहीं देता, लेकिन पूरी इमारत उसी पर आधारित होती है। इसी प्रकार स्वच्छता कर्मियों के योगदान के बिना स्वच्छ शहर और स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का दायित्व केवल विकास कार्य कराना ही नहीं, बल्कि जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझना, उनका समाधान कराना, सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमन्दों तक पहुंचाना और सार्वजनिक सम्पत्तियों का संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। सरकार बड़े-बड़े निर्माण कार्य करा सकती है, लेकिन उन निर्माणों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी जनता और जागरूक समाज की होती है। जनता जागरूक न हो तो बड़े से बड़े निर्माण को भी नष्ट होने में देर नहीं लगती। सरकारी सम्पत्तियां जनता के हित में बनाई जाती हैं, इसलिए उनकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि किसी सड़क, गली या निर्माण में टूट-फूट हो जाए तो समय पर मरम्मत कराने से उसकी उपयोगिता और आयु बढ़ती है तथा नागरिकों को सुविधा मिलती है। सार्वजनिक सम्पत्तियों के संरक्षण के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव होना चाहिए। 19 जुलाई से 02 अक्टूबर तक चलने वाला 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम स्वच्छता, जनजागरूकता और जनसंवाद की दिशा में एक अभिनव प्रयास है। बरसात के मौसम में जलभराव को लम्बे समय तक नहीं रहने देना, नियमित सफाई करना और लोगों को जागरूक रखना आवश्यक है। इससे डेंगू, कालाजार, मलेरिया और इन्सेफेलाइटिस जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद मिलती है। इसके लिए निरंतर जागरूकता और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों द्वारा इसी प्रकार जागरूकता के साथ कार्य किये जाने से विकास कार्यों के प्रति लोगों की सहभागिता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधि का तन्त्र प्रशासनिक तंत्र से भी अधिक व्यापक हो सकता है। बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और अन्य पदाधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक घर तक पहुंच बनाई जा सकती है। लोकप्रिय जनप्रतिनिधि वही है जिसकी पहुंच प्रत्येक घर तक हो और जो लोगों के सुख-दुख में सहभागी बने। जनप्रतिनिधियों को शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं के शिविर लगाकर जरूरतमन्दों को योजनाओं से जोड़ना चाहिए। कई बार निराश्रित महिलाओं, वृद्धजनों और गरीब परिवारों को पेंशन, राशन कार्ड, आवास तथा अन्य सुविधाओं की पात्रता होने के बावजूद योजनाओं की जानकारी नहीं होती। ऐसे में जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे लोगों को जागरूक करें और योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वार्ड प्रवास के दौरान आयोजित शिविरों में पात्र लाभार्थियों को पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम0 स्वनिधि, पीएम0 विश्वकर्मा, श्रम योजनाओं और स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया। स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविरों के माध्यम से भी लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। बिना जाति, मत, सम्प्रदाय, भाषा और क्षेत्र का भेदभाव किए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना चाहिए। यही सबका साथ, सबका विकास की भावना है। इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए वार्ड प्रवास अभियान को जनकल्याण का माध्यम बनाया गया। प्रशासन के प्रत्येक विभाग की अपनी सीमाएं हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि जनता और प्रशासन के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर सकते हैं। नगर निगम, विकास प्राधिकरण, स्थानीय प्रशासन, शासन के विभिन्न विभाग और स्वास्थ्य विभाग इस प्रकार के अभियानों में सहभागी बन सकते हैं।

विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने गुरुग्राम के एक कार्यक्रम में आंतरिक शांति को पाने का तरीका बताया

गुरुग्राम। बुधवार को गुरुग्राम के ह्र॥ कन्वेंशन सेंटर में विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु, सुप्रसिद्ध लेखक और ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाने वाले प्रमुख शिक्षक संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपने एक व्याख्यान में सैक?ों भाई-बहनों को संबोधित किया। एक बहुत ज्यादा जु?हुए संसार में शांति कैसे पाएं? (Find Peace in a Hyperconnected World) विषय पर एक खास कार्यक्रम में, साइंस ऑफ स्पिरिचुएलिटी (Science of Spirituality) के प्रमुख ने तेजी से जु?ती हुई दुनिया की लगातार होने वाली हलचल के बीच स्थायी शांति और आनंद पाने का तरीका बताया। कार्यक्रम की शुरुआत में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का फूलों के गुलदस्ते देकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उसके बाद उन्होंने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने इस बात पर चर्चा की कि आज की डिजिटल दुनिया में हमारे पास पहले से कहीं ज्यादा जानकारी, सुविधाएँ और एक-दूसरे से जु?ने के साधन हैं। आधुनिक तकनीक और डिजिटल टूल्स के आने से जगह और समय की सीमाएँ काफी कम हो गई हैं लेकिन क्या इनमें से किसी चीज ने हमें आंतरिक शांति के करीब पहुँचाया है? आगे संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के शहर गुरुग्राम में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। जैसे-जैसे हम ज्यादा टेक्नोलॉजी से जु?ते जा रहे हैं, हम ये सोचें कि क्या गैजेट्स के साथ हमारे ये सभी कनेक्शन हमें वह शांति दे रहे हैं जिसकी हम सभी को जरूरत है। बाहरी साधन होने के बावजूद, हम सभी शांति और संतोष की तलाश में हैं। जैसे कस्तूरी मृग अपने ही शरीर से निकलने वाली मीठी खुशबू की तलाश में हर तरफ भागता है, ठीक वैसे ही हम भी खुशी और शांति पाने के लिए सिर्फ बाहरी दुनिया पर ही ध्यान देते हैं। असल में, सारी शांति और संतुष्टि हमारे अंदर ही है। जब हम मुश्किल दौर से गुजरते हैं, तो हम उस परम शक्ति (ईश्वर) की मौजूदगी को पहचानते हैं और अपना ध्यान उसकी ओर लगाते हैं। गैजेट्स और टेक्नोलॉजी के साथ हमारा जु?ाव तो मजबूत हो रहा है, लेकिन अफसोस की बात है कि ईश्वर के साथ हमारा जु?ाव अभी तक मजबूत नहीं हुआ है। आधुनिक दुनिया के विरोधाभास पर बात करते हुए, जहाँ बातचीत कभी नहीं रुकती, संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने समझाया कि सच्ची शांति की शुरुआत तब होती है, जब हम खुद को सुनना सीखते हैं। आज की आधुनिक तकनीक ने हमें लोगों, समाचारों और जानकारी से जो?ा है, लेकिन फिर भी हम अकेलापन, तनाव और मानसिक थकान महसूस करते हैं। इसके विपरीत जब हम शांत होकर ध्यान-अभ्यास में बैठते हैं और अपने भीतर मौजूद ईश्वर की ज्योति और श्रुति से जु?ते हैं, तो हम अपने अंदर ही स्थायी शांति और आनंद का अनुभव कर सकते हैं, जो बाहर की दुनिया से मिलने वाली किसी भी चीज से अलग है। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने आगे कहा कि, ध्यान-अभ्यास हमें अपने आंतरिक स्वरूप से जु?ने और आधुनिक जीवन में पूरी तरह से शामिल रहते हुए आंतरिक शांति, स्पष्टता और जु?ाव की गहरी भावना का अनुभव करने में मदद करता है। ध्यान-अभ्यास हमें संतुलित जीवन जीने और जीवन के विभिन्न पहलुओं में सफलता पाने में भी मदद करता है, जिससे हम शांति और आनंद की स्थिति तक पहुँच सकते हैं। उन्होंने कहा कि ध्यान-अभ्यास के माध्यम से अपने आंतरिक आध्यात्मिक खजाने से जु?कर, हम स्थायी खुशी और शांतिपूर्ण जीवन जी सकते हैं। अंत में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने सभी भाई-बहनों को ध्यान-अभ्यास की एक छोटी सी बैठक में बिठाया, जिससे कि उन्हें इसके प्रत्यक्ष अनुभव हुए। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने उपस्थित भाई-बहनों के सवालों के जवाब भी दिए और जीवन के समाधान, शांति और ध्यान-अभ्यास पर अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम बहुत ही सुखद माहौल में संपन्न हुआ, जब संत राजिन्दर सिंह जी ने दर्शकों के बीच आकर उन्हें आशीर्वाद दिया और उनसे बातचीत की, जिससे सभी का मन और हृदय तृप्त हो गया। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज 'सावन कृपाल रूहानी मिशन' (जिसे 'साइंस ऑफ स्पिरिचुएलिटी' के नाम से भी जाना जाता है) नामक गैर-लाभकारी संस्था के प्रमुख हैं। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाना जाता है। वे ध्यान-अभ्यास पर आधारित सेमिनारों और पुस्तकों (जैसे 'डिटॉक्स द माइंड', 'मेडिटेशन एज मेडिकेशन फॉर द सोल', और 'इनर एंड आउटर पीस थ्रू मेडिटेशन'), डीवीडी, ऑडियोबुक, लेखों, टीवी, रेडियो और इंटरनेट प्रसारणों और सोशल मीडिया के माध्यम से ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाते हैं। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज द्वारा लिखित पुस्तकें और लेख विश्व की 55 से ज्यादा भाषाओं में उपलब्ध हैं। सावन कृपाल रूहानी मिशन के संपूर्ण विश्वभर में 3500 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, शिकागो, अमेरिका में स्थित है।

NAME CHANGE
I, NARESH KUMAR S/O PURAN BHAGAT R/O HOUSE NO-2/56,NEAR POST OFFICE, SHIVAJI NAGAR, FARRUKHNAGAR, GURGAON, HARYANA-122001 DECLARE THAT "NARESH SUDAN" NAME MENTION IN MY SON (RAHUL SUDAN) MATRICULATION CERTIFICATE. THAT "NARESH SUDAN" AND "NARESH KUMAR" IS SAME PERSON i.e.my self. In future I shall be known as "NARESH KUMAR" for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Molana Sharif Ahmad S/o Mohd Saddik R/o House No.30, Tain Block-1, Tain(152), Mewat, Haryana-122107 have changed my name to Shareef Ahmad.

NAME CHANGE
I hither to Known as Kashika Sodhi D/O Shalini Sodhi R/O R-259, Greater Kailash-1, New Delhi, South Delhi 110048 Have changed my name and be known as Kimaya Miglani.

NAME CHANGE
I, Alisha W/o Kuldeep Sharma, R/o Bhari Doja, Jahangarh urf Doja, Po: Dohja, Dist: Baghpat, Uttar Pradesh-250611, have changed my name and shall hereafter be known as Aashu.

NAME CHANGE
I,KM ANUSHKA SINGH/ANUSHKA SINGH D/O SUDHINDRA SINGH GHALOT R/O D-07,V S PLAZA,AVAS VIKAS COLONY,SECTOR-3,NEAR CENTRAL PARK,SIKANDRA,AGRA,UTTAR PRADESH-282007 HAVE CHANGED MY NAME TO ANUSHKA SINGH GAHLOUT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Dassy Rani W/O Dinesh Karan, B-10, Gidwani Road, Adarsh Nagar Azadpur PO: N.s Mandi, Dist North West Delhi Pin:110033 Have Changed My Name To Daizy Rani For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Seerat D/o Vishal Gulati R/o 322, Sector -13, Urban Estate, Thanesar, Kurukshetra, Haryana-136118, have changed my name to Seerat Gulati

NAME CHANGE
I, Raj Singh Mann, S/O Harnarayan Singh Mann, R/O H No- 600, Hamid Pur, North West Delhi, Delhi - 110036 have changed my name to Raj Singh Maan for all future purposes.

NAME CHANGE
I POONAM PAWAR W/O MAHESH KUMAR R/O 12, Pocket- 7, SECTOR-21, ROHINI, North West Delhi, Delhi - 110086, I HAVE CHANGED MY NAME TO POONAM

NAME CHANGE
I, MANDEEP KUMAR, S/O VIJENDER PAL SINGH, R/O FLAT NO-G-103,RAHEJA ATHARVA,PAWALA KHUSRUPUR,SECTOR-109,BAJGHERA,PO CARTERPURI,GURGAON,HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO MANDEEP KUMAR TOMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I Manish Kumar Koli S/O Vinod Kumar Koli R/O 1/10073, Gali No 3-J, West Gorakh Park Shahdara Delhi- 110032 I have Changed My Name to Manish Kumar

NAME CHANGE
I PRAMOD SINGH YADAWA, Army no - 15174250x, Rank - Hav, Presently Residing At - Surwat (Maujpur), Post-Ramgarh, Teh - Kashimabad, Dist - Ghazipur, State- Uttar Pradesh, Pin - 275201 have changed my name from PRAMOD SINGH YADAWA to PRAMOD SINGH YADAV for all future purposes, Vide affidavit dated 15/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, YASH AJIT DHOBLE S/O AJIT MADHUKAR DHOBLE R/O RZF-769/6 gali no 11 palam colony rajnagar part 2 south west delhi 110077, CHANGED MY NAME TO YASH.

NAME CHANGE
I, VANDANA GUPTA W/O GAURAV GUPTA R/O H.NO.4-B, POCKET-A, MIG FLATS, GTB ENCLAVE, DELHI-110093 HAVE CHANGED MY NAME TO VANDANA GOYAL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Simran Batra alias Simran S Batra S/O Hanwant Bir Singh Batra, R/O 707, manoranjan park, saket road, Meerut Cantt, Meerut, Uttar Pradesh - 250001, have changed my name and shall hereafter be known as Simran Batra.

NAME CHANGE
I TALHA S/O. QASIMUDDIN R/O. 1578, SUIWALAN DARYA GANJ, DELHI-110002 HAVE CHANGED MY MOHAMMAD TALHA PERMANENTLY

NAME CHANGE
I, JYOTI CHAVAN wife of No. 14681426M, Rank-NK Name- CHAVAN DEEPAK DATTATRAY, Resident of VILL-KHINDWADI, POST & TEHSIL-SATARA, DIST-SATARA, MAHARASHTRA- 415001, have changed my name from JYOTI CHAVAN to JYOTI DEEPAK CHAVAN for all future purposes vide Affidavit dated 15/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ANU GUPTA D/O VINOD KUMAR GUPTA W/o SUNIL GOEL, Residing at 11263/6, DORIWALAN, MANAK PURA, KAROL BAGH, DELHI-110005 declare that name of mine has been wrongly written as ANU GOEL in my minor daughter ANVI GOEL, aged 14 years in his school Records, The actual name of mine is ANU GUPTA, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Soniya Devi W/o Kapil Pandit R/o 162, BEECH PATTI, FATEHPUR BERI, CHANDAN HOLA, PO; CHANDANHOOLA, DIST: SOUTH DELHI DELHI-110074 have changed my name and shall hereafter be known as Dhramsheela devi

NAME CHANGE
It is for general information that I SHARIF ANSARI S/O SHAMSHAD ALI, R/O H.N. A-29/2, Shalimar Garden Main Sahibabad, Police Station Sahibabad, Tahshil Ghaziabad, Ghaziabad, UP - 201005 declare that the name of mine and my father has been wrongly written as MOHD SHARIF and SHAMSHAD in my Aadhar Card No. 4654 0073 5958. The actual name of mine and my Father are SHARIF ANSARI and SHAMSHAD ALI, Which may be amended accordingly .

NAME CHANGE
I, Jitendara S/o shivnath, R/O Bhanaira, PO: Nagla Akhu, DIST: Ghaziabad, Uttar Uttar Pradesh - 201204, have changed the name of my minor son Daksh aged 17 years and he shall hereafter be known as ABHAY.

NAME CHANGE
I, RAJU S/O JAI RAM R/O E-91, TELEPHON MOHALLA, SANJAY COLONY, BHATI MINES, CHATTAR PUR, DELHI-110074 HAVE CHANGED MY NAME TO RAJU KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJEEV KUMAR KWATRA alias RAJEEV KWATRA S/O RAJENDER NATH KWATRA R/O R-14/161, Rajnagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as RAJEEV KUMAR KWATRA.

NAME CHANGE
I, ANUP S/O DEVENDRA R/O 32, Karimpur, Garhmukteshwar, Garh Bridge Halt, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245205 have changed the name of my minor daughter namely AVNI YADAV aged 9 years and she shall hereafter be known as ANVI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VIKAS MADAAN S/o AMAR NATH ARORA R/o A-100, Ground Floor, opposite Fire Station, Sps Appartment -1, Gt Road, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201005, have changed my name and shall hereafter be known as VIKAS ARORA.

NAME CHANGE
I, Kajal Arora, W/O Jasbir Pal Singh Arora, R/o Plot No. 441, 2nd Floor, Sector-1, Vaishali, I.E.Sahibabad, PO: I.e.sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010, have changed the name of my minor son AAS ARORA aged 12 years and he shall hereafter be known as ANGAD ARORA.

NAME CHANGE
I, Ik Ram UL Haque S/O Md Rahaman, 470, Gaon- Rahimabad, Thana Town /Vill - Chawk Chakle Vaini, Anchal - Tajpur , Dist Samastipur Bihar -848130 Have Changed My Name To Md. Ekramul For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Jagatarani Devi W/O Sahdev Kamti R/O shivipatti , PO: Rajnagar, Madhubani, Bihar, 847235, have changed my name and shall hereafter be known as JAGTARAN DEVI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Munni Khatoon W/O Md Akhtar, katai barail, brahampur purvi, Barhampur, PO: Ratanpur, DIST: Darbhanga, Bihar - 847307 changed my name and shall hereafter be known as Umat Khatoon.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Jyoti Devi W/O Radharaman Jha,Ward no-02,Dat,Post-Jayantipur, Dat, Jayantipur, Darbhanga ,Alinagar, Bihar,847103, have changed my name and shall hereafter be known as JYOTI KUMARI

NAME CHANGE
It is for general information that I, REHAN MONDAL S/O SAOUL MONDAL R/O House No-8, Street No-7, Geeta Colony, Gandhi Nagar, Gandhi Nagar East, NCT Of Delhi-110031 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as SAOULL and ARCHANA in my 10th class educational documents and SAIJUL and ARCHANA in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are SAOUL MONDAL and BABY MONDAL respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto Known as RAJ KUMAR alias RAJ KUMAR SAHU S/o PRAKASH CHAND SAHU Residing at 55, 3rd Floor, Chitra Vihar, Near Ram Mandir, Gyan Park, Chander Nagar, Nirman Vihar, Shankarpur, East Delhi 110092 have changed my name and shall hereafter be known as RAJ KUMAR SAHU.

NAME CHANGE
I hitherto known as AYUSHI AGARWAL D/o BIRENDRA AGARWAL W/o SHUBHAM VAISH R/o House No.-7 ,Jain Mandir Road ,Near Shivaji Stadium ,VTC - New Delhi GPO ,New Delhi 110001 have changed my name and shall hereafter be known as AYUSHI VAISH .

NAME CHANGE
I, ROHIT KUMAR UPADHYAY son of Shri GAYA PRASAD UPADHYAY residing at 16/381, 2nd Floor, Dakshinpuri Ext., Virat Cinema, Dr. Ambedkar Nagar, Dakshinpuri Phase-II, South Delhi, Delhi-110062, have changed the name of my minor daughter APARNA aged 14 years and she shall hereafter be known as APARNA UPADHYAY.

NAME CHANGE
I, Ritika Singh W/o Amit Sharma R/o Flat No.1231, Tower 1, Floor 23, ATS Happy Trail, Sector - 10, Greater Noida West, Baidpura, PO: Vedpura, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207 have changed my name and shall hereafter be known as Ritika Sharma

NAME CHANGE
I, ARUN KUMAR S/O ASHA RAM R/O Khedi, Gautam Buddha Nagar,Uttar Pradesh-203207 have changed the name of my minor son ASHU aged 13 years and he shall hereafter be known as AVYUKT BHATI.

NAME CHANGE
I, DEEPAK SINGH S/O DHIRENDRA BAHADUR SINGH R/O I-TOWER-1102, PARK AVENUE, GAUR CITY-1, SECTOR-4,GREATER NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH-201301 have changed the name of my minor son DEVANSH DEEPAK SINGH aged 8 years and he shall hereafter be known as DEVAJ SRINET.

NAME CHANGE
I, SURESH RAI S/O RAM IQBAL RAI, R/O E-318, Chirag Delhi, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017, have changed the name of my minor son SWHETANG RAI, aged 15 years and he shall hereafter be known as SHWETANG RAI.

NAME CHANGE
I,Sajid S/O Fayyaz R/O Ward No.15,Heena Colony, Near Namra Masjid ,Dasna Dehat Ghaziabad,Dasna Uttar Pradesh -201302, have changed the name of my minor Son Mohd Azhan aged 12 years and he shall hereafter be known as Azhaan

NAME CHANGE
I Suresh S/o Prem Raj R/o 104, Suthari, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201206 have changed the name of my minor son Once aged 13 years and he shall hereafter be known as Vansh.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Manvendra S/o Ravindra Nath Singh R/o T32-1801, Nirala Estate Ph-2, Plot No. Gh-04, Techzone IV, Greater Noida West, Noida, I.a. Surajpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Vaishnavi Singh in my minor daughter Vaishnavi aged 14 years in her School Records. The actual name of my minor daughter is Vaishnavi.

Public Notice
I, HAMID, S/O SH. RAFIQ, R/O H. NO. 14/5, GROUND FLOOR, JOGABAI EXTENSION, JAMIA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare That I have disowned my son, AFTAB, his wife PARVEEN, my son JUNED, and my daughters, MS. HINA and MS. NEHA, from all my movable and immovable properties. I have also severed all my relations with them, as I have no control over their acts and conduct. That my son AFTAB, his wife PARVEEN, my son JUNED, and my daughters, MS. HINA and MS. NEHA, are acting independently and are not under my control. Therefore, I shall not be responsible or liable for any acts, deeds, conduct, liabilities, or transactions undertaken by them in their individual capacities. I have instructed my counsel to issue a press release/public notice in this regard, and I have given the aforesaid instructions voluntarily, without any coercion, undue influence, pressure, or threat, and while being of sound mind. That the contents of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge and belief. The public notice issued by my counsel on my behalf has been read over and explained to me in a language understood by me, and I have understood the contents thereof. Nothing material has been concealed therefrom.

NAME CHANGE
I Sital D/o Brajesh Dwivedi R/o Mal ka Purva, Kanpur Dehat, Uttar Pradesh-209302 have changed my name to Vaishnavi Dwivedi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/O RAMA SHANKAR R/O House No.2576, Jawahar Colony, Faridabad, Haryana-121001 have changed my name to SUNIL KUMAR TIWARI.

NAME CHANGE
I, NAHIDA BEGUM W/O JAMIL AHMAD R/O RAISIKA, RAISIKA(174), MEWAT, SOHNA, HARYANA-122103 HAVE CHANGED MY NAME TO NAHIDA BEGAM.

NAME CHANGE
I, JAMIL AHMED S/O HUSAIN KHAN R/O RAISIKA, RAISIKA(174), MEWAT, SOHNA, HARYANA-122103 HAVE CHANGED MY NAME TO JAMIL AHMAD.

NAME CHANGE
I, MOHMMED ISHA R/O VILLAGE PAHARPUR, WARD NO.3, POST MALAI, TEH HATHIN, PAHARPUR(247), PALWAL, HARYANA-121103 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ISA.

NAME CHANGE
I, Ch Firoz S/o Nasimuddin R/o H.No.K-78, Gali No.2, Near Khadde Wali Masjid, Gautam Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Firozuddin.

NAME CHANGE
I, Ajay S/o Harihar R/o H.No.K/597, Gali No.3, Gautam Vihar, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to Ajay Kumar.

NAME CHANGE
I MOHD SUHAIL SAIFI S/O RAHEES AHMED R/O. H.NO-352, STREET NO-17, A-BLOCK, BRIJPURI, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME SHOAIL SAIFI PERMANENTLY

NAME CHANGE
I RAEES AHMED SAIFI S/O WALI MOHAMMAD R/O. H.NO-352, STREET NO-17, A-BLOCK, BRIJPURI, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY RAHEES AHMED PERMANENTLY

NAME CHANGE
I hitherto known as BIRJO W/O MAHAVEER R/O Atrauli , Ghaziabad , Atrauli , Uttar Pradesh □ 245304 have changed my name and shall hereafter be known as BRIJBALA

NAME CHANGE
I, hitherto known as NITA KHURANA W/O SUBHASH KHURANA R/O H NO-B-2/231, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as ANITA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Mohammad Faizul Islam S/O Md Minhazul Islam, RZC-205, 50 Feet Road Nihal Vihar, Nangloi Dist: West Delhi Pin:110041 Have Changed My Name To Md Faizul Islam For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, TARSEM KAUR W/O. SANJIV KUMAR SHARMA R/O H.NO-C-148, VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, DELHI-110059 have changed my name to TISHA SHARMA.

NAME CHANGE
I, Laxmi W/O Devinder Singh, B-3/384, Sector -6. Rohini, North West Delhi Pin:110085 Have Changed My Name To Laxmi Devi For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Neeru Rani W/O Anuj Garg, D-55, Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar, North West Delhi Pin: 110033 Have Changed My Name To Neeru Garg For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as RATAN S/o JAGAN NATH SHAH R/o N □ 18/49 T □ Huts , L □ Block , J.J Colony Ashok Vihar , North West Delhi , Delhi □ 110052 have changed my name and shall hereafter be known as SANTAN KUMAR

NAME CHANGE
I, Priyanka Kumari W/O Baiju Kumar, Khasra No. 1258, Street No. -14, Block -J Bhatta Road, Swaroop Nagar, Libas Pur PO: Samai Pur Dist North West Delhi Pin: 110042 Have Changed My Name To Priyanka Devi For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, KHUSHBOO W/O SHAKIL AHMAD, D/O SHOKAT ALI, residing at 285 G/F OLD NO-101, BLOCK- F GALI NO-84, MAHAVIR ENCLAVE PART-3, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi - 110059, have changed my name from KHUSHBOO to KHUSHNOOR ALI for all future purposes and in my Aadhar Card No. 7436 1216 9456 my date of birth wrongly mentioned as 01/12/1986 instead of his correct date of birth as 01/12/1998,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RAJU S/o SHRI RAM R/O House No. 304, Gali No. 2, Saidulajab, Malviya Nagar SO South Delhi, Delhi - 110017 have changed the name of my minor Son MAX aged 15 years and he shall hereafter be known as PRATEEK SINGH . I have changed his name only not his religion.

NAME CHANGE
I, PARVEEN SINGH S/O DEV KARAN SINGH R/O HOUSE NO-794/35,NEAR WATER SUPPLY TANK,DAYANAND COLONY, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO PRAVEEN SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, GUDDI mother of No. 15737176F Rank- NK Name-DEEPAK Residing at GRAM-MAHENDRA SINGH KA PURA, POST-AKODA, DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477001, have changed my name from GUDDI to GUDDI DEVI for all future purposes, in my son□s service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1973 instead of my correct date of birth as 01/01/1971 Vide Affidavit dated 15/10/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Bhawna Tripathi is the purchasing Unit/Flat bearing No. A-01 on First floor Front RHS Flat without roof rights area measuring 1179 sq ft i.e. 109.5327 Built on Plot no. 02 out of Khasra no. 835 and 837 situated at Chhattarpur Extension, Tehsil Chhattarpur (formerly Saket), New Delhi from Mr. Nitin Tanwar s/o Ziley Singh Tanwar who is the owner of the above mentioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. Regd. Sale Deed Dated 26.03.1996 Vide Document No. 917, Book No. 1, Volume No. 4525, Pages 94 to 103, at Sro Ghaziabad Which executed by M/s R. R. Associates Thru its Partners Sh. Rahul Kumar Gaur 2. Sh. Rakesh Kumar Aggarwal in favour of Sh. Shyamal Kumar Ganguly pertaining to "Flat No. A-1, First Floor, With a Super Area Measuring 1050 Sq. Ft. Approx., Krishna Apartments, Phase-II, Plot No. A-38, Situated at Ashok Nagar, Village Nasirpur, Tehsil and District Ghaziabad". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller namely Smt. Jolly Ganguly who has Agreed to sell the same to Our Borrower i.e. Sh. Tanishk Juneja and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., LAXMI NAGAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She/he shall be liable for the appropriate legal action against him/ her at his/her own risk, cost and consequences.
Dated: 16.10.2026
Place: Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE
I, SHUJAUDDIN S/O Mr. MOHD. UMAR R/O 3751, STREET NAJAF, NEAR SEEMA LODGE, CHURIWALAN, DELHI-110006 state in the birth certificate Regs No. MCDOLIR-0111-005034273 of my son ATHAR SIDDIQUI under stated updations were made

S.No.	Previous DOB Certificate Details	Updated DOB Certificate Details
1.	Mohd. Athar Siddiqui	Athar Siddiqui
2.	Father□s Name : Shujauddin Siddiqui	Shujauddin
3.	Mother□s Name : Meenakshi Siddiqui	Meenakshi Kashyap

I consent to Ramjas International School Sec 4 R.K.Puram New Delhi to put the said updated details in the 10th class CBSE(LOC) of **Athar Siddiqui**

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूजा शर्मा, खाली प्लॉट नंबर त्र-176 (क्षेत्रफल 170 वर्ग गज, यानी 142.14 वर्ग मीटर), खसरा नंबर 81 आदि, ग्राम जियाउद्दीनपुर, G-ब्लॉक, गंगा विहार, गोकुल पुरी, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110094 की मालकिन हैं। इस संपत्ति के संबंध में क्रमिक रूप से निम्नलिखित दस्तावेज निष्पादित किए गए हैं- (1) श्री दौलत राम और (2) बुधन द्वारा श्री चेत राम के पक्ष में 23.07.1981 को GPA, ATS और वसीयत; श्री चेत राम द्वारा श्री राम चंद्र के पक्ष में 01.06.1982 को GPA, ATS और वसीयत; श्री चेत राम द्वारा श्री मूलचंद के पक्ष में 01.06.1982 को त्नक्क, ्नञ्जस् और वसीयत; श्री राम चंद्र द्वारा श्रीमती सुरेश कुमारी कौशिक (उर्फ श्रीमती सुरेश कुमारी) के पक्ष में 12.11.1983 को त्नक्कऔर ्नञ्जस्; श्री मूलचंद द्वारा श्रीमती सुरेश कुमारी कौशिक (उर्फ श्रीमती सुरेश कुमारी) के पक्ष में 21.05.1984 को GPA और ATS; तथा श्रीमती सुरेश कुमारी कौशिक (उर्फ श्रीमती सुरेश कुमारी) द्वारा (1) श्री राहुल कौशिक और (2) श्री उदय कौशिक के पक्ष में 18.02.2013 को पंजीकृत वसीयत निष्पादित की गई थी। श्रीमती सुरेश कुमारी कौशिक का 04.09.2018 को निधन हो गया, और उनके कानूनी उत्तराधिकारी (1) श्री राहुल कौशिक और (2) श्री उदय कौशिक हैं। अंत में, (1) श्री... द्वारा 09.04.2026 को सेल डीड (बिक्री विलेख) निष्पादित की गई। राहुल कौशिक और (2) श्री उदय कौशिक, श्रीमती पूजा शर्मा के पक्ष में (दस्तावेज़ संख्या 2026/12/I/2224, खंड संख्या 6703, पृष्ठ संख्या 109-130)। वे अपनी वास्तविक ज़रूरतों के लिए उक्त अचल संपत्ति को महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहते हैं। यदि किसी को इस गिरवी रखने की प्रक्रिया पर कोई आपत्ति है, या उक्त संपत्ति पर किसी का कोई दावा, अधिकार या हित है, तो वे 07 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें। ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि इस संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 15/10/2026
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती सत्य रंजन (पत्नी- नीलकंठ, निवासी- B2/569, JJ कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली - 110076) ने अपनी बेटी कल्पना महतो, उनके पति निमई महतो और उनके बच्चों (निवासी- B2/569, JJ कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली - 110076) से अपने सभी पारिवारिक संबंध तोड़ लिए हैं। उनके बुरे, विश्वासघाती और अपमानजनक व्यवहार के कारण, मेरी मुवक्किल ने उन्हें अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उनके सभी अधिकार समाप्त कर दिए हैं। इस संबंध में SHO, थाना कालिंदी कुंज को भी सूचित कर दिया जाएगा।
जय कुमार (अधिवक्ता)
दिल्ली उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय।
चैंबर नं. 969, पटियाला हाउस कोर्ट,
नई दिल्ली 110002

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल श्री असफाक पुत्र श्री मो. अयूब एवं उनकी पत्नी श्रीमती रबीना खातून, निवासी ग्राम कुसाहा, भवानीपुर राजधाम, जिला पूर्णियां, बिहार-854204, की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वे अपने पुत्र मो. इब्राहिम को उसके दुर्व्यवहार तथा उनका कहना न मानने के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं। आज के बाद उनके पुत्र मो. इब्राहिम से उनका तथा उनके परिवार का कोई लेना-देना नहीं रहेगा। भविष्य में यदि मो. इब्राहिम कोई गलत कार्य करता है अथवा किसी भी प्रकार से स्वयं को नुकसान पहुँचाता है, तो उसके लिए मेरे मुवक्किल तथा उनके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
ADV. NAVEEN TIWARI
Advocate
Chamber No. 821, Lawyers Block,
Saket Courts, New Delhi

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री प्रदीप सिंह और दीपा बिष्ट, श्रीमती कुसुम चौहान से उस प्रॉपर्टी का पूरा दूसरा फ्लोर (बिना छत/टेरेस के अधिकारों के) खरीदने का इरादा रखते हैं, जो स्ष्ठ नंबर 172, (पुराना नंबर 136) प्लॉट नंबर 140-B पर स्थित है। इसका एरिया लगभग 133.1/4 वर्ग गज है और यह खसरा नंबर 189/150, गांव गढ़ी झरिया मारिया, दिल्ली राज्य, दिल्ली के इलाके में स्थित है। प्रॉपर्टी/कॉलोनी को 172, दूसरी मंजिल, संत नगर, नई दिल्ली-110065 के नाम से जाना जाता है। शुरुआत में, इस प्रॉपर्टी के लिए श्रीमती उषा रानी शर्मा ने श्रीमती अरुणा चौहान और श्री विकास चौहान के पक्ष में 18.06.2002 को सेल डीड (बिक्री विलेख) निष्पादित की थी (डॉक्यूमेंट नंबर 4641)। दुर्भाग्य से, श्रीमती अरुणा चौहान का 30.06.2013 को निधन हो गया। इसके बाद, श्री विकास चौहान ने श्रीमती कुसुम चौहान के पक्ष में 12.12.2025 को गिफ्ट डीड (उपहार विलेख) निष्पादित की (रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट नंबर 2025/9/I/8399, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 4978, पेज नंबर 137 से 156, दिनांक 17.12.2025, SRO-दक्षिण पूर्व डिफेंस कॉलोनी)। प्रॉपर्टी चेन में श्रीमती अरुणा चौहान (जिनका 30.06.2013 को निधन हो गया) का स्ष्ठ और सक्सेशन लेटर (उत्तराधिकार पत्र) दोनों उपलब्ध नहीं हैं; इसलिए, केवल श्रीमती कुसुम चौहान ही उक्त प्रॉपर्टी की मालिक हैं। बताया गया है कि यह प्रॉपर्टी सभी तरह के बोझ, ग्रहणाधिकार, शुल्क, बंधक, दावों और किसी तीसरे पक्ष के हितों से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त प्रॉपर्टी के लिए बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सुभाष नगर, दिल्ली द्वारा फाइनेंस (वित्तपोषण) का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल पुत्रः** स्व0 सतीश कुमार **निवासः** B-104, टॉवर नं.-B, दिल्ली-99, सोसाईटी, भोपुरा चौक, थानाः तिल्ला मोड़, लोनी रोड़, गाजियाबाद, यूपी ने **Ex. Crl. No. 325/2024 U/s 12 DV Act., थानाः हर्ष विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राहुल** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **Ex. Crl. No. 325/2024 U/s 12 DV Act., थानाः हर्ष विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पूजा सुहाग
DP/13287/NE/2026 **जेएमएफसी, कमरा नं. 08**
(Court Notice) **दूसरा तल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली**

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीजेएम ने किया कानूनी सहायता केंद्रों का निरीक्षण

एजेंसी

करनाल। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव सब डिवीजन लीगल सर्विसेज कमेटी इन्द्री पहुंचीं। इस मौके पर अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिवीजन इन्द्री उदय प्रताप व सिविल जज जूनियर डिवीजन करनाल कुणाल मित्तल भी उपस्थित रहे। इस दौरान सीजेएम ने इन्द्री व करनाल खण्ड में स्थापित कानूनी सहायता केंद्र का निरीक्षण किया और उपस्थित पैनल अधिवक्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लोगों को कानूनी सहायता केंद्र व मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने तपन रिहैबिलिटेशन सेंटर नीलोखेड़ी में विद्यार्थियों व स्टाफ के लिए यौन उत्पीड़न अधिनियम को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया और उन्हे आंतरिक व स्थाई कमेटी के बारे में जानकारी दी। साथ ही यौन उत्पीड़न जैसे मामलों को रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया। तपन रिहैबिलिटेशन सेंटर में मानसिक रूप से कमजोर बच्चों से विशेष अध्यापक की सहायता से जागरूकता शिविर का आयोजन किया और उन्हे पोक्सो एक्ट के बारे में जागरूक किया।

खाद के साथ अन्य उत्पाद टैग करना गैरकानूनी : डॉ. चौहान

नीलोखेड़ी/करनाल। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान नीलोखेड़ी में रेडियो ग्रामोदय 90.4 एफएम के माध्यम से 'राम राम हरियाणा' ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय खाद के साथ अन्य उत्पादों की जबरन टैगिंग पर रोक और किसानों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि खाद खरीदते समय किसानों पर अन्य उत्पाद खरीदने का दबाव बनाना अनुचित है और खाद के साथ जबरन अन्य उत्पाद टैग करना गैरकानूनी है। संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि किसानों को खाद एवं कृषि संबंधी उत्पादों की खरीद के दौरान अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। खाद के साथ अन्य उत्पाद खरीदने के लिए किसानों को बाध्य करना उनके हितों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार कृषि सामग्री उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि वे बिना किसी अनावश्यक दबाव के खेती संबंधी निर्णय ले सकें। उन्होंने इस प्रकार की समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाने और किसानों की शिकायतों का उचित समाधान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत तावडू व नूंह में सेवा सेतु कैंप आयोजित

नूंह। सेवा संकल्प अभियान के तहत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से तावडू तथा नूंह में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए गए। कैंपों में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र नागरिकों के आवेदन, पंजीकरण और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया भी की गई। तावडू तथा नूंह में आयोजित सेवा सेतु कैंपों के दौरान विभिन्न विभागों को कुल 314 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 101 आवेदनों को प्रोसेस किया गया, जबकि 62 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 151 शिकायतों का समाधान किया गया। जिला समाज कल्याण कार्यालय को सर्वाधिक 155 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 52 पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया गया तथा 103 शिकायतों का समाधान किया गया। हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड को 10 आवेदन प्राप्त हुए और सभी 10 आवेदनों को प्रोसेस किया गया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग को 44 आवेदन प्राप्त हुए और सभी आवेदनों को प्रोसेस किया गया।

केंद्र और हरियाणा सरकार विकास को समर्पित सरकार : कृष्णपाल गुर्जर

पलवल। केंद्र और हरियाणा सरकार की विकास को समर्पित सोच के तहत जिला पलवल के गांव रहराना में विकास कार्यों को नई गति मिली है। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बुधवार को गांव में 43 लाख रुपए की लागत से व्यायामशाला, 15 लाख रुपए की लागत से गुर्जर चौपाल तथा 12 लाख रूपए की बारात घर की चारदीवारी के निर्माण कार्यों सहित लगभग 70 लाख रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इन विकास परियोजनाओं से गांव में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक तथा शारीरिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जनता का आशीर्वाद ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। दिल्ली की सत्ता तक पहुंचने का रास्ता जनता के आशीर्वाद, विश्वास और समर्थन से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि आज भी जनता का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है।

मुख्यमंत्री से रूस के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने की

●मुलाकात, उन्नत ड्रोन तकनीक में भारत-रूस संयुक्त उद्यमों की संभावनाओं पर हुई चर्चा

एजेंसी

हिसार। हरियाणा को ड्रोन निर्माण, एयरोस्पेस और उन्नत तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए रूस के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। बैठक में हरियाणा में निवेश, तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान तथा औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में हिसार जिले के हांसी स्थित सिसाय में एवीपीएल इंटरनेशनल द्वारा स्थापित ड्रोन सिटी हरियाणा में दो प्रस्तावित भारत-रूस संयुक्त उद्यमों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इनमें उन्नत हेलीकॉप्टर ड्रोन के निर्माण तथा भारतीय सेमीकंडक्टर चिप्स का उपयोग करते हुए जीपीएस/ जीएनएसएस संकेतों पर निर्भरता के बिना ड्रोन के संचालन एवं

नेविगेशन की तकनीक विकसित करने की योजनाएं शामिल हैं। छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में रूस के चार प्रतिनिधि तथा भारत के दो वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। रूस के प्रतिनिधिमंडल में स्कोल्कोवो फाउंडेशन के निदेशक श्री लियोनिद आर्टेमोव, प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अलेक्जेंडर जापोरोज्स्की, ओम्नीटेक एलएलसी के सीईओ श्री एलेक्सी उर्बान्स्की तथा 4जीएनएसएस एलएलसी/ओरिएंट सिस्टम्स ग्रुप के सीईओ एवं सह-संस्थापक श्री सर्गेई लेबेदेव शामिल रहे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में ड्रोन टेक मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल श्री राकेश कुमार आनंद तथा एवीपीएल इंटरनेशनल (एआईटीएमसी वेंचर्स लिमिटेड) के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री दीप सिंह सिसाय शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहयोग और प्रस्तावित संयुक्त उद्यमों के माध्यम से हरियाणा में उन्नत ड्रोन निर्माण का मजबूत औद्योगिक तंत्र विकसित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को रूस की कंपनी ओम्नीटेक एलएलसी और एवीपीएल इंटरनेशनल के बीच प्रस्तावित सहयोग की जानकारी दी। इसके तहत सिसाय स्थित ड्रोन सिटी हरियाणा में उन्नत हेलीकॉप्टर ड्रोन निर्माण इकाई स्थापित करने की योजना है। प्रस्तावित परियोजना में उन्नत मानवरहित हेलीकॉप्टर प्रणालियों के निर्माण, असेंबली, अनुसंधान, परीक्षण और तकनीकी विकास के लिए सुविधाएं विकसित करने की परिकल्पना की गई है। प्रस्ताव के अनुसार, इन हेलीकॉप्टर ड्रोनों की उड़ान क्षमता 250 किलोमीटर तक तथा भार वहन क्षमता 200 किलोग्राम तक होगी। इस परियोजना का उद्देश्य तकनीक हस्तांतरण, स्वदेशी निर्माण, अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देना है। प्रस्तावित हेलीकॉप्टर ड्रोन का उपयोग औद्योगिक लॉजिस्टिक्स, आपदा प्रबंधन, दूरदराज एवं दुर्गम क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तथा अन्य नागरिक और औद्योगिक कार्यों में किया जा सकेगा।

अम्बाला छावनी में "आजादी की पहली लड़ाई का शहीद"

स्मारक बनकर तैयार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द करेंगे उद्घाटन : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में 800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ''आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक'' पूरी तरह तैयार हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही एशिया के इस सबसे बड़े शहीद स्मारक का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के बाद इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्मारक केवल अम्बाला या हरियाणा का नहीं, बल्कि पूरे देश का राष्ट्रीय स्मारक है, जो 1857 की क्रांति के उन वीरों के बलिदान को समर्पित है, जिन्हें इतिहास में अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। विज आज चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में जिस भी व्यक्ति ने अपने घर से एक कदम भी बाहर निकालकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया, वे उन सभी वीरों को नमन करते हैं। उस समय

ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार दुनिया के बड़े हिस्से तक था, लेकिन भारत के किसानों, जवानों, महिलाओं और बच्चों सहित असंख्य देशवासियों ने स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दी। इन सभी के योगदान को सम्मान देना हमारा कर्तव्य है। विज ने कहा कि इतिहास की पुस्तकों में अक्सर यह पढ़ाया गया कि देश की आजादी की लड़ाई कांग्रेस ने लड़ी, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना वर्ष 1885 में ए.ओ. ह्यूम ने की थी। उन्होंने कहा कि इससे 28 वर्ष पहले, वर्ष 1857 में देशभर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध व्यापक सशस्त्र संघर्ष हुआ था। इसके बावजूद इस संघर्ष में शामिल अनेक वीरों की गाथाएं और उनके बलिदान लंबे समय तक लोगों के सामने नहीं आ सके। उन्होंने कहा कि उस दौर में अंग्रेजी शासन ने अनेक भारतीय वीरों को पेड़ों से बांधकर गोलियां मारीं, लेकिन उन्हें वह श्रद्धांजलि और सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। इन गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को उचित पहचान दिलाने के उद्देश्य से शहीद स्मारक की स्थापना का विचार सामने आया। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि उन्होंने पिछली सरकारों के कार्यकाल में भी इस स्मारक के निर्माण की मांग उठाई थी। उन्होंने विभिन्न विधानसभा सत्रों में तत्कालीन सरकारों के समक्ष यह विषय रखा। उनके अनुसार, तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एक अवसर पर इस प्रस्ताव पर सहमति भी जताई थी, लेकिन परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। विज ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष इस विषय से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत किए।

पीड़ितों को समय पर मिले राहत, जिम्मेदार एजेंसियों की तय होगी जवाबदेही : डीसी

एजेंसी

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय बैठक में अधिकारियों के साथ दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना के तहत दयालु-द्वितीय योजना की विस्तार से समीक्षा की। इस बीच जिला सांखिकीय अधिकारी युद्धवीर सिंह ने योजना की विस्तार से जानकारी सांझा की और बताया कि योजना के अंतर्गत छह आवेदन प्राप्त हुए हैं। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि यह योजना हरियाणा के निवासियों के लिए है। इस योजना के तहत लावारिस-आवारा/जंगली पशुओं जैसे गाय, बैल, कुत्ते, नीलगाय, भैंस आदि के काटने-चोट मारने से हुई आकस्मिक मृत्यु/ घायल होने/ दिव्यांगता की स्थिति में वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना का उद्देश्य परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के तहत पंजीकृत सभी परिवारों को कवर करना है। डीसी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अनेक प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिसमें दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना के तहत दयालु-द्वितीय योजना शुरू की है। इसमें आवारा पशुओं/पशुओं के कारण हुई दुर्घटना/घटना के संबंध में किए गए दावे के लिए भुगतान किए जाने वाले मुआवजे का निर्धारण जिला स्तरीय कमेटी द्वारा किया जाएगा। योजना का उद्देश्य पीड़ित को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु या नॉर्म अनुसार प्रतिशत दिव्यांगता होने पर एक से पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

धान खरीद में किसानों को परेशानी हुई तो होगी कार्रवाई

●श्याम सिंह राणा ने मंडियों का किया निरीक्षण

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने पानीपत जिला की विभिन्न मंडियों का दौरा कर धान खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मंडी में किसानों के लिए किए गए प्रबंधों, धान खरीद सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को मंडी में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा खरीद प्रक्रिया सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित रहे। श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसानों को अपनी धान की फसल बेचने में कोई दिक्कत न आये इस ओर विशेष तौर पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में पेयजल, साफ-सफाई, फसल खरीद, खरीदी गई फसल का समय पर उठान तथा भुगतान से संबंधित व्यवस्थाएं बेहतर रखी जाएं।

उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर किसानों एवं आढतियों से बातचीत भी की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी में खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को पहले ही आवश्यक दिशा-निर्देश सरकार द्वारा दिये जा चुके है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं तथा खरीद प्रक्रिया की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि मंडियों में पानी और सीवरेज की व्यवस्था का प्रावधान करने के लिए प्रक्रिया शुरू करें। इसके साथ-साथ जो शैड पुराने हो चुके हैं उन्हें तोडक़र नए शेड बनवाने की प्रक्रिया भी शुरू करें।

खेलो मेवात भाग-2 के तहत दूसरे दिन भी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम : अमितेज पांगती

एजेंसी

नूंह। खेलो मेवात भाग-2 के तहत राजीव गांधी खेल परिसर नगीना में दूसरे दिन भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नगीना ब्लॉक के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया।

नगीना के राजीव गांधी खेल परिसर में एथलेटिक्स सहित क्रिकेट, खो-खो और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन

एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद तथा 4म100 मीटर रिले दौड़ में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इसके अलावा क्रिकेट, खो-खो और वॉलीबॉल के मुकाबले भी आयोजित किए गए। एसीयूटी अमितेज पांगती ने कहा कि खेलो मेवात भाग-2 ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, अनुशासन सीखने और जिला एवं राज्य स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने और निरंतर अभ्यास के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया। जिला खेल अधिकारी भूषण कुमार ने बताया कि खेलो मेवात भाग-2 का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारना और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना है। प्रतियोगिताएं विद्यालय स्तर और ओपन वर्ग में आयोजित की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक खिलाड़ी इनमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी जिला स्तरीय खेलो मेवात भाग-2 प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को निर्धारित पुरस्कारों के साथ ट्रैकसूट देकर सम्मानित किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा और वे भविष्य में भी खेलों के प्रति समर्पित रहेंगे।

नायब सैनी की स्वीडन के मंत्री से मुलाकात

●5 साल में व्यापार और निवेश दोगुना करने का लक्ष्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन सरकार के अंतराष्ट्रीय विकास सहयोग एवं विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन दौसा से महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-स्वीडन द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने तथा हरियाणा में सहयोग के नए आयाम तलाशने पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा स्वीडन के साथ की गई मुलाकातों को आगे बढ़ाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने उल्लेख किया कि मई 2025 में भारत और स्वीडन ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। आने वाले पांच वर्षों में दोनों देशों ने आपसी व्यापार और निवेश को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

सैनी ने बताया कि वर्तमान में भारत में बहुत सारी स्वीडिश कंपनियां कार्यरत हैं। उन्होंने शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और ऊर्जा क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच मिलकर आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से हरियाणा में उपलब्ध 18 ड्राई पोर्ट्स का जिक्र करते हुए कहा कि इन पर स्वीडन के साथ मिलकर कार्य करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

स्वीडिश मंत्री बेंजामिन दौसा ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और हरियाणा के साथ मिलकर भविष्य की योजनाओं पर सहमति जताई। मुख्यमंत्री ने दौसा को 'हैपनिंग हरियाणा' समारोह के लिए भी आमंत्रित किया। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी साथ में उपस्थित रहे।

पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों को स्क्रैप करवाएं, प्रदूषण कम करने में सहयोग करें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एनसीआर क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशेष पहल की शुरुआत की है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों को तुरंत स्क्रैप कराने का समय आ गया है। पुराने वाहन न केवल अत्यधिक वायु प्रदूषण फैलाते हैं, बल्कि ये चलाने में अधिक खर्चीले और सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी असुरक्षित होते हैं। सरकार ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ एनसीआर और हरित भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देते हुए अपने 10 साल पुराने डीजल तथा 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को नजदीकी पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्रों (आरवीएसएफ) पर ले जाकर स्क्रैप करवाएं और नए स्वच्छ वाहनों को अपनाएं। आरवीएसएफ केंद्रों पर सुरक्षित स्क्रैपिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे कम प्रदूषण के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और वाहनों की उपयोगी सामग्री का रिसाइक्लिंग संभव हो सकेगा। प्रवक्ता ने आगे यह भी बताया कि यदि लोग अपने इन पुराने वाहनों को जल्द से जल्द आरवीएसएफ केंद्रों पर ले जाकर स्क्रैप नहीं कराते हैं, तो नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। स्वच्छ एनसीआर और हरे-भरे कल के सपने को साकार करने के लिए सरकार ने नागरिकों से अपने पुराने वाहनों को जिम्मेदारी से स्क्रैप कराने और इस मुहीम में सहयोग देने का आग्रह किया है।

हरियाणा की मंडियों में फसल खरीद की स्थिति पर सरकार की पैनी नजर: राजेश नागर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की फसल की सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह गंभीर है। सरकार के मंत्री एवं विधायक लगातार मंडियों का दौरा कर खरीद व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसानों को फसल बिक्री के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

नागर आज चंडीगढ़ में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित 'विश्व मानक दिवस-2026' समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले ही सभी जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रकों (डीएफएससी) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर विभिन्न जिलों की मंडियों में पहुंच रही फसल और खरीद व्यवस्था की समीक्षा की गई थी। अब तक उन्हें खरीद प्रक्रिया से संबंधित किसी शिकायत की जानकारी नहीं मिली है।

उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर निचले इलाकों में पानी भरने के कारण नमी की समस्या सामने आई थी, जिसे सुखाकर दूर कर लिया गया है। मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए भी आवश्यक तैयारियां की गई हैं। किसानों की शिकायतों से जुड़े सवाल पर राज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर मंडियों में फसल खरीद की स्थिति की समीक्षा की थी। बैठक में सभी मंडियों की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई और अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं किसान परिवार से संबंध रखते हैं और किसानों की समस्याओं तथा उनकी जरूरतों को भली-भांति समझते हैं। इसी के मद्देनजर सभी जिलों के उपायुक्तों और डीएफएससी को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को मंडियों में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अतिरिक्त, प्रदेश की सभी मंडियों में आईएएस रैंक के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि खरीद प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी की जा सके।

उन्होंने बताया कि किसानों और किसान यूनियनों के पदाधिकारियों के साथ उनका निरंतर संवाद बना

रहता है। हाल ही में उनके चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में भी किसानों ने उनसे मुलाकात की थी। इसके अलावा, किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी से भी फोन पर बातचीत हुई है। नागर ने कहा कि उन्हें अब तक किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है और वे स्वयं भी मंडियों का दौरा कर खरीद व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है और फसल खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जिला की ग्राम पंचायतों में विशेष वित्तीय समावेशन एवं जागरूकता अभियानः अग्रणी जिला प्रबंधक

करनाल। अग्रणी जिला प्रबंधक राजीव मिन्हास ने बताया कि वित्तीय समावेशन अभियान के तहत 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक जिला की सभी ग्राम पंचायतों में बैंकों द्वारा विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों के माध्यम से आमजन को बैंकिंग सेवाओं, केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न वित्तीय योजनाओं तथा उनके लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा। साथ ही, पात्र लोगों को मौके पर ही संबंधित सुविधाओं का लाभ प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। इस अभियान के तहत 21 अक्टूबर को कुटेल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय समावेशन कैंपों में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आधार सीडिंग, प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खाते खोलने, जन धन खातों की री-केवाईसी तथा सी-केवाईसी सहित बैंकिंग से संबंधित अन्य प्रक्रियाओं के बारे में भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री बढ़कर 4.55 लाख इकाई हुई

नई दिल्ली ।

देश में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 21.8 प्रतिशत बढ़कर 4,54,574 इकाई हो गई। उद्योग संगठन सियाम ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सितंबर 2025 में थोक बिक्री 3,73,347 इकाई रही थी। सियाम के अनुसार दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 13.5 प्रतिशत बढ़कर 24.63 लाख इकाई हो गई, जबकि सितंबर 2025 में यह 21.70 लाख इकाई थी। वहीं सितंबर में तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 98,162 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 84,635 इकाई थी।

सुनील मित्तल ने स्टारलिंक से पहले की वनवेब के लिए मंजूरी की मांग

- भारती चेयरमैन ने वनवेब के 5 साल पुराने आवेदन का हवाला दिया

नई दिल्ली ।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने भारत में सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए यूटेलसैट वनवेब (यूसीएल) को एलन मस्क की स्टारलिंक से पहले मंजूरी देने की जोरदार वकालत की है। उन्होंने तर्क दिया कि वनवेब ने पांच साल पहले आवेदन किया था और उसका जमीनी एवं उपग्रह नेटवर्क तैयार है, इसलिए उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह बयान एलन मस्क द्वारा भारतीय उद्यमियों पर स्टारलिंक के प्रवेश में बाधा डालने के आरोप लगाए जाने के कुछ ही दिन बाद आया है, जिससे भारत के सैटकॉम बाजार में एक नई बहस छिड़ गई है। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम 2026 में एक परिचर्चा के दौरान सुनील भारती मित्तल ने कहा कि वनवेब का जमीनी नेटवर्क पिछले तीन साल से और उपग्रह पिछले पांच साल से भारत के ऊपर मौजूद हैं, बावजूद इसके उन्हें अभी तक ज़रूरी अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वनवेब को स्टारलिंक से कुछ दिन पहले ही मंजूरी मिल जाएगी। मित्तल का यह बयान स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क द्वारा एक्स पर रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो पर स्टारलिंक के प्रवेश को रोकने का आरोप लगाने के बाद आया है। मस्क ने कामकाज शुरू करने के बावजूद मंजूरी में देरी पर सवाल उठाए थे। स्पेसएक्स में स्टारलिंक बिजनेस ऑपरेशंस की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन ड्रेयर ने 7 अक्टूबर को बताया था कि कंपनी ने भारत में पिछले पांच वर्षों में 20 गेटवे और सैकड़ों एंटीना के साथ अपना परिचालन तैयार कर लिया है और सेवा शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, संचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद और गलतफहमी पर आधारित बताते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी सैटकॉम कंपनी को विशेष प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। मंत्रालय ने ज़ोर दिया कि सभी कंपनियों के लिए एक निष्पक्ष और समान प्रक्रिया अपनाई जा रही है। अन्य मुद्दों पर बात करते हुए मित्तल ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के तेज़ी से विकास को देखते हुए इसके नियमन की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि सरकारें तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही हैं।

एआई से भारत की क्षमता बढ़ेगी, जीडीपी में होगा उछाल- ब्लूमबर्ग

जीडीपी में 0.9 फीसदी का इजाफा संभव; 3-5 साल में दिखेंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

ब्लूमबर्ग इकनॉमिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री टॉम ओरलिक का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत में नौकरियों को विस्थापित करने के बजाय कार्यबल की क्षमता को बढ़ाएगा। नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम में भारतीय नीति-निर्माताओं और आईटी उद्योग प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के आधार पर ओरलिक ने कहा कि एआई-संचालित उत्पादकता में वृद्धि से भारत की सालाना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में 0.9 प्रतिशत अंक तक का इजाफा संभव है। इन सकारात्मक प्रभावों से अच्छी आय वृद्धि और बढ़ी हुई खपत अगले तीन से पांच साल में देखी जा सकेगी। ओरलिक ने भारत के बड़े बाजार, युवा कार्यबल और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश जैसे मजबूत संरचनात्मक लाभों को रेखांकित किया। ओरलिक ने स्पष्ट किया कि एआई यदि लोगों की काम करने की क्षमता बढ़ाता है तो जीडीपी में वृद्धि होगी, लेकिन यदि यह कर्मचारियों की जगह लेता है तो नौकरियां घट सकती हैं। भारत अपनी आईटी कंपनियों की नई तकनीक को कारोबार में शामिल करने की विशेषज्ञता के कारण इस बदलाव के लिए बेहतर स्थिति में है। हालांकि, ईरान युद्ध से बढ़ती तेल कीमतें, अमेरिका में एआई डेटा सेंटरों में पूंजी का प्रवाह, और अल नीनो जैसे कुछ निकट अवधि के जोखिम भी मौजूद हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1533 , निफ्टी 374 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई प्रमुख क्षेत्रों के शेयरों में आज जोरदार खरीदारी रही। हालांकि, बाजार की इस समग्र उछाल के बावजूद, कई शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,533.72 अंक की बढ़त के साथ 74,315.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 374.65 अंक बढ़कर 22,997.35 के स्तर पर जा पहुंचा। बाजार की इस जोरदार रिकवरी में दिग्गज सेक्टरों ने मुख्य भूमिका निभाई। ऑटो, आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑयल एंड गैस, प्राइवेट बैंक और रियल्टी इंडेक्स में एक फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई, जिन्होंने सूचकांकों को ऊपर खींचने में अहम योगदान दिया। इन क्षेत्रों में आई खरीदारी ने बाजार के सेंटीमेंट को सकारात्मक बनाए रखा। इसके विपरीत, सभी क्षेत्रों में एक समान उत्साह नहीं दिखा। मीडिया और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1 से 1.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। वहीं, ब्रॉडर मार्केट का रुख मिला-जुला रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.3

फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 फीसदी टूटकर बंद हुए। दिन के कारोबार में, कुल 1,497 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,536 शेयरों में गिरावट आई और 148 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे स्पष्ट होता है कि तेजी कुछ चुनिंदा शेयरों तक ही सीमित थी। आज के कारोबार में टेक और बैंकिंग दिग्गजों ने सूचकांक को ऊपर खींचने में सबसे बड़ा योगदान दिया। निफ्टी के प्रमुख चढ़ने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और बीएसई लिमिटेड शामिल थे। दूसरी तरफ, नेस्ले इंडिया, ट्रेंट, अडानी एंटरप्राइजेज, जियो फाइनेंशियल और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कुछ बड़े नाम बिकवाली के दबाव के चलते लाल निशान में बंद हुए।

रुपया बढ़त पर बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारती रुपया गुरुवार को 27 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह कारोबारी दिन स्पया 31 पैसे मजबूत होकर 94.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों के मुतो बिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा बाजार में किए जा रहे संरचनात्मक हस्तक्षेप और नकदी सख्त करने के उपायों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.95 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और मजबूत होकर 94.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 19 पैसे मजबूत होकर 95.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.54 फीसदी की गिरावट के साथ 101.99 पर आ गया।

योगी सरकार का राहत भरा फैसला, अब 52 रुपये में मिलेगी चीनी

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बढ़ती चीनी की कीमतों से आम जनता को राहत दिलाने के लिए एक अहम कदम उठाया है। सरकार ने अब रियायती दर पर चीनी की बिक्री शुरू की है, जिसके तहत उपभोक्ता खुले बाजार में 65 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही चीनी को मात्र 52 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीद सकते हैं। इस पहल की शुरुआत राजधानी लखनऊ से हुई है, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जल्द ही प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को चीनी उद्योग व गन्ना विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आमजन को राहत देने का निर्देश दिया था। लखनऊ में उपभोक्ता लाल बहादुर शास्त्री गन्ना किसान संस्थान परिसर में स्थित चीनी निगम व सहकारी चीनी मिल संघ के विक्रय केंद्र से इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यहां 1 किलो और 2 किलो के पैकेट क्रमशः 52 और 102 रुपये में उपलब्ध हैं, जबकि 5 किलो का पैकेट 250 रुपये और 50 किलो का पैकेट 2500 रुपये में मिलेगा। सहकारी चीनी मिल संपूर्णानगर की चीनी थोड़ी सस्ती है, जहां 1 किलो 51 रुपये में उपलब्ध है। यह बिक्री प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। गन्ना विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों और नई चीनी की आवक में देरी के कारण दामों में तेजी बरकरार रहने की आशंका को देखते हुए यह बिक्री कुछ दिनों तक जारी रहेगी। गौरतलब है कि इससे पहले प्याज के दामों में तेजी आने पर भी सरकार ने मोबाइल वैन के जरिए 30 रुपये प्रति किलो प्याज बेचकर जनता को राहत दी थी।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में बंपर उछाल, 13.38 लाख करोड़ के पार पहुंचा राजस्व

14 अक्टूबर तक के आंकड़ों में कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट टैक्स में भी मजबूत बढ़त

नई दिल्ली ।

भारत के प्रत्यक्ष कर संग्रह ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) में 14 अक्टूबर तक 13.38 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 13.21 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है।

आयकर विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह वृद्धि देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी और बेहतर कर अनुपालन का स्पष्ट संकेत है। आयकर विभाग के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 14 अक्टूबर तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 13,37,866.98 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 11,81,786.98 करोड़ रुपए था। इस दौरान सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह भी 14.89 फीसदी बढ़कर 16,03,066.12 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 13,95,278.39 करोड़ रुपए था। हालांकि, टैक्स रिफंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में रिफंड 24.22 फीसदी बढ़कर 2,65,199.14 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 2,13,491.41 करोड़ रुपए था। रिफंड में इस तेज बढ़ोतरी के बावजूद प्रत्यक्ष कर संग्रह में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि बरकरार रही। कॉरपोरेट टैक्स संग्रह में भी बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है।

14 अक्टूबर तक शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स संग्रह 5,99,062.48 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान

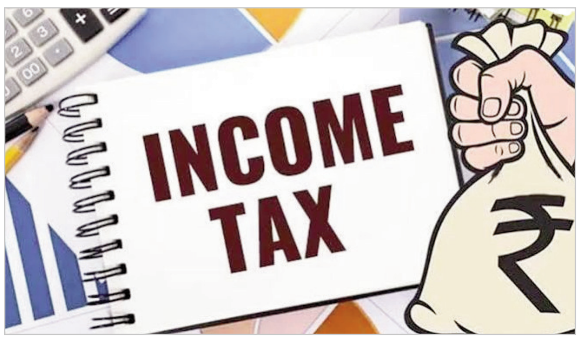

अवधि में यह 4,96,798.62 करोड़ रुपए था। इसी तरह, गैर-कॉरपोरेट टैक्स (जिसमें व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों द्वारा जमा किया गया कर शामिल है) का शुद्ध संग्रह बढ़कर 6,91,965.71 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 6,53,804.16 करोड़ रुपए था।

शेयर बाजार में लेनदेन पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में भी शानदार उछाल आया है। एसटीटी संग्रह बढ़कर 46,840.43 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 30,901.81 करोड़ रुपए था। यह दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था के सभी प्रमुख क्षेत्रों से राजस्व संग्रह में सकारात्मक वृद्धि जारी है।

अनजान कॉल पर दिखेगा असली नाम, सरकार ने कॉलर आईडी अनिवार्य की

- 1 नवंबर 2026 से लागू होगा सीएनएपी

नई दिल्ली । अगर आप भी अनजान नंबरों और फर्जी कॉल्स से परेशान हैं, तो आपके लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। भारत सरकार ने यूज़र्स के लिए कॉलर नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) सिस्टम को अनिवार्य कर दिया है। इसके तहत, 1 नवंबर से आपके फोन पर अनजान नंबर से आने वाली कॉल के साथ-साथ कॉलर का सत्यापित नाम भी दिखाई देगा, जिससे धोखाधड़ी पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। दूरसंचार विभागने टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को 1 नवंबर तक सीएनएपी लागू करने का निर्देश दिया है। यह भारत का एक वेरिफाइड कॉलर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम है, जो कॉल करने वाले का नंबर और नाम दिखाएगा। विभाग के आदेश के अनुसार, 4जी और उससे अगली पीढ़ी के मोबाइल नेटवर्क (जैसे 5जी) पर सभी यूज़र्स के लिए सीएनएपी डिफ़ॉल्ट रूप से इनेबल रहेगा। जब आपको कोई कॉल आएगी, तो स्क्रीन पर सबसे पहले कॉल करने वाले का नंबर दिखेगा। अगर नंबर आपके कॉन्टैक्ट्स में सेव नहीं है, तो घरेलू कॉल के मामले में कॉल करने वाले का वह नाम दिखाया जाएगा जो टेलीकॉम ऑपरेटर के सब्सक्राइबर डेटाबेस में दर्ज है। अंतर्राष्ट्रीय कॉल के मामले में स्क्रीन पर इंटरनेशनल कॉल लिखा हुआ दिखाई देगा। प्रत्येक टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर को सब्सक्राइबर्स के नाम और नंबरों वाला एक डेटाबेस बनाना, चलाना और मेंटेन करना होगा। कॉल प्राप्त करने वाला ऑपरेटर इस डेटाबेस से नाम प्राप्त कर यूजर को दिखाएगा। ऑपरेटर्स को सिक्योरिटी-बाय-डिजाइन दृष्टिकोण का पालन करना होगा, जिसके तहत इनकमिंग कॉल खत्म होने के बाद कॉलर का नाम सेव करके नहीं रखा जा सकेगा। जिन यूजर्स ने कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन रिस्ट्रिक्शन (सीएलआईआर) सुविधा ले रखी है, उनका नाम नहीं दिखाया जाएगा।

पारस हेल्थकेयर का आईपीओ 21 को खुलेगा

- मूल्य दायरा 660-693 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

पारस हेल्थ ब्रांड के तहत अस्पतालों का संचालन करने वाली पारस हेल्थकेयर लिमिटेड 21 अक्टूबर को अपना 1,450 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएगी। इसके लिए मूल्य दायरा 660-693 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। गुरुवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार तीन दिन का यह सार्वजनिक निर्गम 23 अक्टूबर को बंद होगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक 19 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयर और 950 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने पहले प्रस्तावित 1,800 करोड़ रुपये के मुकाबले निर्गम का आकार घटा दिया है। पारस हेल्थकेयर नए शेयर से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी। कंपनी पारस हेल्थ ब्रांड के तहत आठ अस्पतालों का संचालन करती है। इसकी मौजूदगी पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में है। कंपनी का शेयर 28 अक्टूबर को बाजार में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

बोट का श्रीलंका और भूटान में विस्तार, अंतर्राष्ट्रीय राजस्व दो गुना से अधिक बढ़ा

नई दिल्ली ।

प्रमुख ऑडियो और वियरेबल ब्रांड बोट ने श्रीलंका और भूटान में अपने कारोबार का विस्तार किया है। इस रणनीतिक कदम से कंपनी का अंतरराष्ट्रीय राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में दो गुना से अधिक हो गया है, जो व्यक्तिगत ऑडियो उत्पादों, स्मार्टवॉच और चार्जिंग समाधानों के साथ इन नए बाजारों में उसकी मजबूत पैठ को दर्शाता है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह स्थानीय उपभोक्ताओं की पसंद, संबंधित उत्पाद श्रेणियों में अवसरों और बाजार की प्रतिक्रिया के आधार पर इन देशों में अपने उत्पादों का क्रमिक विस्तार करेगी। बोट के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विस्तार का अर्थ हर बाजार में अलग तरीके से अपनी मौजूदगी बनाना, स्थानीय उपभोक्ताओं को समझना और उत्पादों को उनकी जरूरतों के अनुरूप ढालना है। यह विस्तार दक्षिण-पूर्व एशिया और खाड़ी

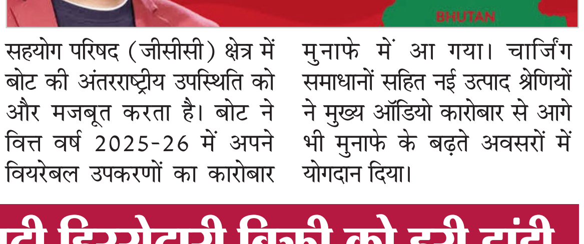

सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में बोट की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को और मजबूत करता है। बोट ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने वियरेबल उपकरणों का कारोबार मुनाफे में आ गया। चार्जिंग समाधानों सहित नई उत्पाद श्रेणियों ने मुख्य ऑडियो कारोबार से आगे भी मुनाफे के बढ़ते अवसरों में योगदान दिया।

आईडीबीआई बैंक की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री को हरी झंडी

- कनाडा इंक बनेगा रणनीतिक खरीदार, सरकार व एलआईसी बेचेंगे 52,878 करोड़ में अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के शेयरों में गुरुवार को 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा बैंक में अपनी कुल 60.72 फीसदी रणनीतिक हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी मिल गई है। फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के समर्थन वाली कनाडा इंक को बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में चुना गया है।

इस खबर के बीच आईडीबीआई बैंक का शेयर 5 फीसदी से ज्यादा लुढ़ककर 86 रुपए के नीचे आ गया। सुबह 85.90 रुपए पर कारोबार करते हुए शेयर में 5.02 फीसदी की कमजोरी दर्ज की गई। इस सौदे के तहत, केंद्र सरकार अपनी 30.48 फीसदी और एलआईसी अपनी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिससे कुल 52,878 करोड़ रुपए जुटेंगे। कनाडा इंक प्रति शेयर 81 रुपए के भाव पर ये हिस्सेदारी खरीदेगी।

सौदे के बाद, सरकार के पास आईडीबीआई बैंक में 15 फीसदी और एलआईसी के पास 19 फीसदी हिस्सेदारी बनी रहेगी। वित्त मंत्रालय ने पुष्टि की कि प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद, दो मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा आंके गए औसत 75.99 रुपए के उचित मूल्य से अधिक, 81 रुपए प्रति शेयर की सर्वोच्च बोली को स्वीकार किया गया।

सफल बोलीदाता को अब आरबीआई के सामने अपनी योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

मंत्रालय ने इस सौदे को भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बताया है।

जियो का 30,213 करोड़ का आईपीओ 21 अक्टूबर से

बाजार में भारी तेजी की उम्मीद

रिलायंस का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम, विदेशी निवेशकों की भी नजर;

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 21 अक्टूबर से निवेश के लिए खुलने जा रहा है। कंपनी का लक्ष्य इस निर्गम के जरिए 30,213 करोड़ रुपये जुटाना है। यह देश का अभी तक का सबसे बडा आईपीओ है। कंपनी ने प्रति शेयर 1,065 से 1,119 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में इस शेयर की लिस्टिंग संभावित है। जियो के आईपीओ को लेकर शेयर बाजार में उत्साह का माहौल है। रिलायंस समूह की बाजार में मजबूत स्थिति, डिजिटल कारोबार का विस्तार और विदेशी निवेशकों की भागीदारी इसे खास बना रही है। मेटा और गूगल जैसी वैश्विक कंपनियों की जियो में हिस्सेदारी पहले से ही निवेशकों के आकर्षण का प्रमुख कारण है। कंपनी को उम्मीद है, श्वआईपीओ से प्राप्त पूंजी का उपयोग कारोबार विस्तार और वित्तीय स्थिति मजबूत करने में किया जायेगा।आईपीओ से पहले बाजार में तेजी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। गुरुवार को शेयर बाजार खोलते ही मुंबई स्टाक एक्सचेंज में 1300 अंक और निफ्टी में 350 अंक से ज्यादा की तेजी देखने को मिली. निवेशकों के बीच चर्चा है, जियो की लिस्टिंग तक बाजार में तेजी का माहौल बना रहेगा। हालांकि, किसी बड़े आईपीओ का आना अपने आप में पूरे बाजार में तेजी की गारंटी नहीं है। पूर्व के इतिहास को देखें तो जब भी रिलायंस समूह का कोई भी शेयर आता है.उस समय बाजार में तेजी देखने को मिलती है. रिलायंस समूह शेयर बाजार का सबसे बड़ा खिलाड़ी है.निर्गम के प्रति निवेशकों की प्रतिक्रिया, विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां और कंपनियों के वित्तीय नतीजे आने वाले समय में बाजार की दिशा तय करेंगे। रिलायंस समूह से जुड़े बड़े निर्गमों के दौरान निवेशकों का ध्यान संबंधित शेयरों और बाजार की गतिविधियों पर बढ़ जाता है। ऐसे में जियो का शेयर आईपीओ तथा शेयर बाजार को नई गति दे सकता है।

तीन फंड हाउसों ने छह स्कीमों में आईडीसीडब्ल्यू की घोषणा की

पीजीआईएम, सुंदरम, फैंकलिन टेंपलटन की योजनाओं में भुगतान, 16 अक्टूबर तय रिकॉर्ड डेट

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए खबर है कि तीन प्रमुख फंड हाउसेस - पीजीआईएम इंडिया, सुंदरम और फैंकलिन टेंपलटन, ने अपनी कुल छह चुनिंदा योजनाओं में इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) की घोषणा की है। इन भुगतानों के लिए 16 अक्टूबर को रिकॉर्ड तारीख तय की गई है। आईडीसीडब्ल्यू, जिसे पहले लाभांश या डिविडेंड कहा जाता था, निवेशकों को फंड से समय-समय पर भुगतान की सुविधा देता है। सेबी ने अप्रैल 2021 में इसका नाम आईडीसीडब्ल्यू किया, ताकि स्पष्ट हो कि भुगतान में पूंजी का हिस्सा भी हो सकता है, सिर्फ कमाई नहीं। विभिन्न योजनाओं के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के लिए प्रति यूनिट घोषित रकम अलग-अलग है। उदाहरण के लिए, सुंदरम अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के रेगुलर प्लान में 0.210 रुपये और डायरेक्ट प्लान में 0.330 रुपये प्रति यूनिट मिलेंगे। यदि किसी निवेशक के पास इस फंड की 10,000 यूनिट हैं, तो उन्हें 2,100 रुपये (21 पैसे प्रति यूनिट) मिलेंगे। फैंकलिन इंडिया कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड के डायरेक्ट प्लान में 0.100 रुपये प्रति यूनिट मिलेगा। यह ध्यान रखना जरूरी है कि घोषित सभी रकम कर कटौती से पहले की हैं, और वास्तविक भुगतान लागू कर नियमों पर निर्भर करेगा। रिकॉर्ड डेट 16 अक्टूबर निर्धारित है, जो यह तय करती है कि कौन से निवेशक आईडीसीडब्ल्यू के हकदार होंगे।

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?

योगेश कुमार गोयल

> वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूंढ़ने के गंभीर प्रयास करें।

आज का नवाचार, कल की हर थाली में पोषण... दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विड़म्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्रवाई को संगठित करते ह्यविश्व खाद्य दिवसह्ल के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है 'आज नवाचार करें। कल का पोषण करें।'

एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में मीठे पानी के संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असीम मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो तटीय और अंतदेर्शीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं।

दुनिया से भुखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार-बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर गरीब और कमजोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। कोरोना महामारी के दौर के बाद लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलस्तीन के भीषण युद्ध जैसी विकट परिस्थितियां भी भूख की समस्या को कम करने के बजाय और विकराल बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसीलिए इस समस्या को कम करने के लिए दुनियाभर में तेज गति से गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, चरम मौसम की घटनाओं और आर्थिक झटकों के संयोजन से प्रेरित होते हैं।

आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ित हैं और स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमजोर लोगों को प्रायः मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताजे या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ित हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दूषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत भूख से ही हुई थी। हालांकि ऐसा नहीं है कि पृथ्वी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुंच और उपलब्धता है।

एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्त्रोत बनती है। चिंता का विषय है कि जीवनयापन के लिए आंशिक रूप से ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है।

बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूंढ़ने के गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के सुरक्षित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और जलीय खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी तथा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए किफायती पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के समक्ष मौजूद खाद्य चुनौतियों का मिलकर समाधान करना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

संपादकीय

भरोसे की परीक्षा

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरूआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हुई तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रोकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम में सुधार का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आखिरी समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इनोवेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है। निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, पक्षपात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

सोशल मीडिया पर रील के चक्कर में जान की बाजी

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में जान की बाजी लगाना आजकल एक बेहद गंभीर और खतरनाक ट्रेंड बन चुका है। लोग इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर चंद लाइक्स, व्यूज और वायरल होने की चाह में अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं।आज सोशल मीडिया का जमाना है और बड़ी संख्या में युवाओं पर चर्चा में आने के लिए रील बना कर सोशल मीडिया पर डालने का जुनून सवार है। सोशल मीडिया पर रातों-रात प्रसिद्ध होने और लाइक्स कटने की वजह से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

वीडियो बनाने के लिए चलती हुई ट्रेन के गेट पर खतरनाक डांस करना, डिब्बे के बाहर लटकना या रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन के सामने पोज देना सबसे आम और घातक हादसों की वजह बन रहा है। चलती हुई गाड़ियों या बाइकों पर स्टंट करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के रील बनाना। हाल ही में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक युवती को सड़क पर खतरनाक स्टंट करने के लिए ?16,000 का भारी चालान भी भुगतना पड़ा।

ऊंचे पुलों और झरनों के पास पोज खतरनाक पहाड़ों, नदियों के ऊपर बने पुलों या बाढ़ के पानी के बीच रील बनाने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

प्रशासन की कार्रवाई और चेतावनी

इस बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस और भारतीय रेलवे लगातार लोगों को आगाह कर रहे हैं। ऐसे जानलेवा स्टंट करने वालों पर भारी जुमार्ना लगाया जा रहा है और जेल की सजा का भी प्रावधान है।

आपको बता दें कि हाल ही में ऐसे कई मामलों की झड़ी लगी है जिनमे रील बनाने के चक्कर में अनेक युवा जान गंवा बैठे। 16 सितम्बर को पालघर (महाराष्ट्र) में वैतरणा नदी के किनारे मोबाइल से रील शूट करने के दौरान गीतेश पाटिल और मानव राठौड़ नामक 2 दोस्तों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

4 अक्तूबर को फरीदाबाद (हरियाणा) में सिरोही झील के निकट रील बनाने के दौरान मोबाइल फोन के डैमेज होने को लेकर 2 दोस्तों में विवाद इस हद तक बढ़ गया कि आपसी हाथापाई में उनमें से एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मुफीद उर्फ मन्नू को गिरफ्तार कर लिया।

8 अक्तूबर को पश्चिम चंपारण (बिहार) के मझौलिया गांव में अपने बड़े भाई हीरामन के रील बनाने के शौक से नाराज उसके छोटे भाई विश्वनाथ ने उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया और इसी झगड़े के दौरान जान बचाने के लिए भागे हीरामन की जमीन पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो जाने के कारण मौत हो गई।9 अक्तूबर को बौध जिला (ओडिशा) के खोरधा-बोलांगीर रेलवे ट्रैक पर लेट कर मीडिया के लिए रील बना रहा एक लड़का अचानक आई तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई

9 अक्तूबर को ही जहरीले सांपों को रैस्क्यू करने और उनके साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के लिए प्रसिद्ध तपन कुमार प्रधान (28) को पुरी (ओडिशा) के कंथापुर गांव में एक कोबरा ने आक्रामक होकर उंगलियों, कोहनी और बाजू के ऊपरी हिस्से पर कई बार डस लिया जिससे उसकी मौत हो गई। वह अपने घर के बरामदे में बैठ कर एक खतरनाक कोबरा के साथ इंस्टाग्राम के लिए रील बना रहा था।

10 अक्तूबर को आगरा (उत्तर प्रदेश) के बसई अरेला क्षेत्र में एक छात्र निमार्णाधीन मकान में रखी शिकारी एयर गन को पकड़ कर उसके साथ रील बनाने लगा। इसी दौरान अचानक बंदूक से फायर हो गया और छर्रे लगने से युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। 11 अक्तूबर को पारादीप (ओडिशा) के समुद्र तट पर रील बनाने के दौरान बेगूसराय (बिहार) से घूमने आए तीन युवक तेज लहरों की चपेट में आ जाने के परिणामस्वरूप बह गए।

उपरोक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि पिछले कुछ समय के दौरान रील बनाने के रुझान और इससे होने वाली दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। इस संबंध में हम युवाओं को यही सलाह देंगे कि वे अपनी जान जोखिम में डाल कर इस प्रकार के करतब न करें क्योंकि उनकी इस तरह की भूलें उनके परिवारों को जिंदगी भर की पीड़ा दे सकती है। युवाओं को लगता है कि एक रील वायरल होते ही वे रातों-रात स्टार बन जाएंगे।

पीछे छूट जाने का डर दूसरों को रील बनाकर लोकप्रिय होते देख, युवा भी बिना सोचे-समझे उसी अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।स्क्रीन पर दिखने वाले लाइक और हार्ट युवाओं के दिमाग में एक अस्थायी खुशी पैदा करते हैं, जिसकी उन्हें लत लग जाती है।

इस जानलेवा सनक को कैसे रोका जाए?माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनका बच्चा सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर रहा है और किस तरह के वीडियो बना रहा है।

पुलिस और प्रशासन को खतरनाक जगहों पर रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त जुमार्ना और जेल की सजा का प्रावधान मजबूत करना होगा।

स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को यह समझाने की जरूरत है कि जान है तो जहान है, कोई भी रील आपकी जिंदगी से ज्यादा कीमती नहीं हो सकती।

विदेशी फंडिंग का आरोप : सनसनी से नहीं, सबूतों से तय होनी चाहिए सच्चाई

सौरभ वार्ष्णेय

बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाना लोकतंत्र, राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक विश्वसनीयता के लिए कितना उचित? यह सवाल अपने आप में ही प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के अनेक देशों में राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी प्रक्रियाओं और जन आंदोलनों पर बाहरी प्रभाव को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन किसी आशंका को प्रमाणित तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना और किसी राजनीतिक दल पर विदेशी धन लेकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाना दो अलग-अलग बातें हैं। यही अंतर जिम्मेदार पत्रकारिता, निष्पक्ष राजनीतिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद है।

हाल ही में अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन के नाम से सोशल मीडिया के जरिये सामने आए एक बयान में भारत में सक्रिय एक राजनीतिक दल को अमेरिका से भारी वित्तीय सहायता मिलने का आरोप लगाया गया है। इस दावे में यह भी कहा गया है कि विदेशी धन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक शांति को प्रभावित करने, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने और केंद्र सरकार के कामकाज में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। आरोपों के समर्थन में कुछ व्यक्तियों और कथित वित्तीय समूहों का भी उल्लेख किया गया है।

ऐसे गंभीर आरोप सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत क्या हैं? क्या किसी बैंक खाते का विवरण सामने आया है? क्या किसी वित्तीय लेन-देन का दस्तावेज उपलब्ध है? क्या संबंधित एजेंसी ने कोई जांच की है? क्या किसी विश्वसनीय जांच रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज में इन आरोपों की पुष्टि हुई है? यदि इन सवालों के जवाब उपलब्ध नहीं हैं, तो ऐसे बयानों को प्रमाणित समाचार की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

किसी राजनीतिक दल को विदेशी धन मिलने का आरोप सामान्य राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। यह एक गंभीर आरोप है, जिसका संबंध देश की संप्रभुता, राजनीतिक पारदर्शिता और कानून के पालन से जुड़ा है। यदि किसी दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तपोषण प्राप्त हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच से पहले ही किसी संगठन को देशविरोधी गतिविधियों में शामिल घोषित कर देना न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। राजनीति में आरोप लगाना आसान है, लेकिन उन्हें प्रमाणित करना कठिन। इसलिए यह आवश्यक है कि आरोप लगाने वाला व्यक्ति अपने दावों के समर्थन में विश्वसनीय दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड या अन्य सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रस्तुत करे। केवल सोशल मीडिया पोस्ट, राजनीतिक बयान अथवा किसी विदेशी नागरिक की टिप्पणी अपने आप में किसी गंभीर आरोप का प्रमाण नहीं बन जाती। यहां यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उपलब्ध विवरण के आधार पर मैरी मिलबेन के नाम से प्रसारित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं मानी जा सकती। जब तक विश्वसनीय साक्ष्य सामने नहीं आते, तब तक इन्हें आरोप या दावा ही कहा जाना चाहिए, स्थापित तथ्य नहीं।

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को अपनी विचारधारा रखने, सरकार की नीतियों की आलोचना करने और जनता के सामने अपना पक्ष रखने का अधिकार है। यही लोकतंत्र की शक्ति है। लेकिन जब राजनीतिक विरोध को विदेशी साजिश, देशविरोधी गतिविधि या राष्ट्रीय सुरक्षा के संकट से जोड़ दिया जाता है, तब यह देखना जरूरी हो जाता है कि ऐसा निष्कर्ष किन तथ्यों के आधार पर निकाला गया है। यदि किसी राजनीतिक दल को बदनाम करने के उद्देश्य से अपुष्ट आरोपों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, तो इससे जनता के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, यदि वास्तव में विदेशी वित्तपोषण के जरिए गैरकानूनी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, तो उनकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती। इसलिए न तो हर आरोप को राजनीतिक षड्यंत्र कहकर खारिज करना उचित है और न ही हर आरोप को सच मान लेना।

भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक देश है। यहां राजनीतिक गतिविधियों, संगठनों और विदेशी अंशदान से संबंधित मामलों में कानून लागू होते हैं। विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पात्र संस्थाओं के विदेशी अंशदान पर नियमन और निगरानी की व्यवस्था है। किसी विशिष्ट मामले में कौन-सा कानून लागू होगा, यह संबंधित संस्था, धन के स्त्रोत, प्राप्तकर्ता और लेन-देन की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि किसी विदेशी संस्था या व्यक्ति द्वारा भारतीय कानूनों का उल्लंघन करके धन उपलब्ध कराने के प्रमाण मिलते हैं, तो सक्षम एजेंसियों को जांच करनी चाहिए। लेकिन विदेशी नागरिकों की राजनीतिक टिप्पणियों को अपने आप विदेशी फंडिंग का सबूत नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार, किसी राजनीतिक दल की सरकार विरोधी गतिविधि मात्र से यह निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता कि उसके पीछे विदेशी धन है।

भारत की संप्रभुता की रक्षा करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि इस विषय का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप लगाने के लिए न किया जाए। मैरी मिलबेन पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रुख और बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया द मोदी क्वेश्चनइ को लेकर उनकी टिप्पणियां सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रही हैं। लेकिन किसी व्यक्ति का पहले किसी सरकार का समर्थन करना या किसी नीति के पक्ष में बोलना, उसके नए आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता।

राजनीतिक समर्थन और तथ्यात्मक प्रमाण दो अलग-अलग विषय हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय पहचान या किसी नेता के प्रति उसकी प्रशंसा के आधार पर उसके प्रत्येक दावे को सही नहीं माना जा सकता। उसी तरह, किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचारों से असहमति होने के कारण उसके प्रत्येक कथन को गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। हर दावे की जांच उसके प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए।आज सोशल मीडिया के दौर में सनसनीखेज दावे तेजी से फैलते हैं। कई बार किसी बयान को आकर्षक शीर्षक देकर इस तरह प्रसारित किया जाता है कि पाठक आरोप और सच्चाई के बीच का अंतर भूल जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित होता है और समाज में अनावश्यक अविश्वास पैदा हो सकता है।

समाचार माध्यमों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी गंभीर आरोप को प्रकाशित करने से पहले उसके स्त्रोत, संदर्भ और प्रमाणों की पड़ताल करें। संबंधित राजनीतिक दल या व्यक्ति का पक्ष लें, आधिकारिक रिकॉर्ड की जांच करें और जहां पुष्टि उपलब्ध न हो, वहां स्पष्ट रूप से लिखें कि दावा स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हुआ है। पाठकों को भी चाहिए कि वे किसी सनसनीखेज पोस्ट को तुरंत सच मानने या आगे प्रसारित करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जांचें। राष्ट्रहित का अर्थ केवल किसी सरकार या राजनीतिक दल का समर्थन करना नहीं है इसका अर्थ सत्य, कानून, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति प्रतिबद्धता भी है।

यदि भारत में किसी राजनीतिक दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तीय सहायता मिलने का ठोस प्रमाण है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए और कानून के अनुसार जांच होनी चाहिए। लेकिन यदि आरोप केवल बयानबाजी और अपुष्ट दावों पर आधारित हैं, तो उन्हें तथ्य के रूप में प्रचारित करना जनता को भ्रमित करने जैसा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों को अपने नेता के पक्ष में विचार रखने का पूरा अधिकार है। विपक्षी दलों को सरकार की आलोचना करने का भी समान लोकतांत्रिक अधिकार है। दोनों के लिए एक ही कसौटी होनी चाहिए तथ्य और प्रमाण।

भारत की प्रतिष्ठा किसी सनसनीखेज बयान से न तो बनती है और न ही बिगडी चाहिए। देश की प्रतिष्ठा मजबूत होती है निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था, स्वतंत्र पत्रकारिता और न्यायपूर्ण कार्रवाई से। इसलिए विदेशी फंडिंग के इस कथित मामले में भी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय प्रमाण सामने लाने की मांग की जानी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाना अधिकार हो सकता है, लेकिन आरोप को सच मानने से पहले प्रमाण मांगना जनता का अधिकार और पत्रकारिता का दायित्व है।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज़ स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान में तनातनी

दुबई / वाशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग 'होर्मुज़ स्ट्रेट' को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जुबानी जंग और सैन्य टकराव चरम पर पहुंच गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने अमेरिकी नौसैनिक बेड़े पर सीधे हमले की चेतावनी दी है, जिसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कड़ा पलटवार करते हुए ईरान के दावों को खारिज कर दिया है। 'अमेरिकी बेड़े के आने का इंतजार कर रहे हैं'। आईआरजीसी नौसेना के कमांडर ने कड़ा रुख अपनाते हुए बयान जारी किया कि वे होर्मुज़ स्ट्रेट में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े की मौजूदगी का इंतजार कर रहे हैं ताकि उस पर हमला कर उसे समुद्र में डुबोया जा सके। इसके साथ ही रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने यह दावा भी दोहराया कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील इस समुद्री मार्ग पर पूरी तरह से ईरान का नियंत्रण स्थापित है। ईरान की इस सीधी चेतावनी के फौरन बाद अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर तीखा जवाब दिया।

मेक्सिको में तूफान साइमन और रेचेल से आई बाढ़ में छह लोगों की मौत

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको के प्रशांत तट पर भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तूफान साइमन और रेचेल के कारण ये हालात बने हैं। तूफान साइमन मेक्सिको के प्रशांत तट की तरफ श्रेणी-1 के तूफान के रूप में धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। इसके कारण नायरित और सिनालोआ राज्यों में भारी बारिश हो रही है। नदियों का जलस्तर बढ़ने और बाढ़ को देखते हुए अधिकारी सतर्क हैं। सप्ताहांत में इस तूफान के कारण दक्षिणी राज्य गुएरेरो में भी भारी बारिश हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हालांकि, सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर में बाजा कैलिफोर्निया राज्य के तटीय शहर एनसेनाडा में हुआ, जहां रेचेल तूफान के कारण आई बाढ़ में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। राज्य के अभियोजन कार्यालय ने बताया कि मृतकों में 13 वर्षीय एक लड़की शामिल है, जिसका शव रविवार को मिला था। इसके अलावा, 30 और 35 वर्ष की दो महिलाओं तथा चार साल के एक लड़के के शव सोमवार को बरामद किए गए। मंगलवार को एक जलधारा के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। बाजा कैलिफोर्निया में पांच अन्य लोग अब भी लापता हैं। इनमें से तीन एनसेनाडा के हैं। इसके अलावा, एक पिता और पुत्र भी लापता हैं, जो शनिवार को कैलिफोर्निया की खाड़ी के तट पर स्थित सैन फेलिप में मछली पकड़ने गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। राज्य के नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को करीब 300 सैन्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों और बचावकर्मियों ने एनसेनाडा की एल पिपिला जलधारा के आसपास तलाशी अभियान चलाया। इस बीच, मैक्सिकन नौसेना लापता मछुआरों की तलाश में जुटी रही। बाढ़ के पानी में वाहन बह गए, मकानों को नुकसान पहुंचा और कुछ समुदायों का संपर्क कट गया।

ग्रीस में अमेरिकी राजदूत लेती थीं रिश्वत, हटाया

एथेंस, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विवादों में घिरीं ग्रीस में अमेरिकी राजदूत किम्बर्ली गिलफॉयल से इस्तीफा मांग लिया है। उन पर पैसे, उपहार और अन्य फायदों के बदले ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों तक पहुंच उपलब्ध कराने और ग्रीस सरकार को धमकाने के गंभीर आरोप लगे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया ने मंगलवार को उनके इस्तीफा मांगे जाने की पुष्टि की। पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह अच्छा काम कर रही थीं, लेकिन जो कुछ मीडिया में सामने आ रहा था, वह हमें पसंद नहीं आया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कारोबारी एरिक डिटर्स ने दावा किया कि राजदूत ने ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों से मिलाने के बदले उनका एक लाख डॉलर का क्रेडिट कार्ड बिल भरने की मांग की थी।

अरामको पर हूतियों का हमला : सना पर सऊदी की एयरस्ट्राइक, रियाद तक मिसाइलों की धमक

काहिरा, एजेंसी। सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनियों में शामिल अरामको के परिसर को निशाना बनाया गया। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, परिसर की एक प्रशासनिक इमारत में सीमित आग लग गई। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव बढ़ रहा है।

यमन की राजधानी सना में सऊदी गठबंधन ने हमला क्यों किया : सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मंगलवार को यमन की राजधानी सना में हवाई हमले किए। सना पर हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले प्रसारक अल मसिरा और स्थानीय लोगों ने हमलों की जानकारी दी। हमले से पहले गठबंधन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शहर में कई घंटे बाद भी तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इससे पहले गठबंधन ने सना के पश्चिम में स्थित सुबाहा ईंधन केंद्र को निशाना बनाया था।

सऊदी गठबंधन ने तेल भंडारण केंद्र पर क्या आरोप लगाए : सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मलिकी ने आरोप लगाया कि हूती विद्रोही मिसाइलों और ड्रोन के अपने हथियारों के भंडार के लिए यमन ऑयल कंपनी की सुविधा और उसके भूमिगत ईंधन डिपो का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह केंद्र राजधानी सना के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित है। गठबंधन ने नागरिकों से यमन ऑयल कंपनी के परिसर और आसपास के भंडारण क्षेत्रों को खाली करने को कहा था।

क्या पश्चिम एशिया में बिगड़ेंगे हालात : फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यमन में मंगलवार को किया गया हमला सैन्य कार्रवाई बढ़ाने का संकेत था या रियाद के हवाई अड्डे पर हाल में हुए जानलेवा हमलों के जवाब में सीमित कार्रवाई। हालांकि, अरामको परिसर पर हमले, सना में हवाई हमलों और रियाद की ओर मिसाइलों के खतरे ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। आने वाले समय में हालात किस दिशा में जाएंगे, यह अभी साफ नहीं है।

हूती मिसाइलों का मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस ने कहा कि नष्ट किए गए दो हूती मिसाइलों का मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा, जिससे चार लोग घायल हो गए और 15 घरों को नुकसान पहुंचा. हूती द्वारा चलाए जा रहे ब्रॉडकास्टर अल मसीरा और निवासियों ने बताया कि सऊदी अरब के नेतृत्व में यमन में सेनाओं के गठबंधन ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के कब्जे वाली यमन की राजधानी पर नए हवाई हमले किए. ये हमले तब हुए जब गठबंधन के प्रवक्ता ने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए इलाका खाली करने की अपील की. ?लोगों ने बताया कि शहर के पश्चिम में सुबाहा फ्यूल फैसिलिटी पर गठबंधन के हमले के कुछ घंटों बाद सना में जोरदार धमाके सुने गए. इससे पहले एक खास बयान में गठबंधन ने हूती-नियंत्रित राजधानी में आम लोगों से कहा था कि वे यमनी ऑयल कंपनी की साइट और पास के स्टोरेज एरिया को खाली कर दें. गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने हूती पर आरोप लगाया कि वे इस जगह और इसके अंडरग्राउंड फ्यूल डिपो का इस्तेमाल अपनी मिसाइलों और ड्रोन के हथियारों के जखीरे के लिए कर रहे हैं.

तेल कंपनी ने कहा- स्टोरेज खाली थी : ऐसा लगता है कि हूतियों को हमले का अंदाजा था. तेल कंपनी ने कहा कि उसकी स्टोरेज की जगहें खाली थी और सऊदी हमले से तेल के भंडार या लोगों के लिए सप्लाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा. फिर भी शहर में मौजूद लोगों ने कमी के डर से कुछ गैस स्टेशनों पर पहुंचे जिससे कारों की लाइनें लग गई.

मिसाइलों के लिए अलर्ट जारी किया : चेतावनी के कुछ ही समय बाद हूती मिलिट्री के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने टेलीग्राम पर कहा कि सना पर किसी भी सऊदी हमले का सऊदी राजधानी रियाद में कड़ा और दर्दनाक जवाब दिया जाएगा. कुछ घंटों बाद सऊदी अरब ने रियाद और पूर्वी प्रांत की ओर आ रही मिसाइलों के लिए अलर्ट जारी किया, लेकिन जल्दी ही कहा कि खतरा टल गया है. गठबंधन ने कहा कि उसने रियाद और दक्षिणी प्रांत वादी अल-दावसिर समेत देश के कई इलाकों में हूती की लॉन्च की गई बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को रोका दिया. रियाद के लोगों ने तेज धमाकों की आवाज सुनने की बात कही. इंश्योरेंस कंपनियों और सरकारी अधिकारियों की सलाह पर एयरलाइंस ने मंगलवार को अपने कई प्लेन रियाद से हटा लिए क्योंकि और हमलों का खतरा था।

जर्मनी में यौन उत्पीड़न मामले में रोबोट पर एक्शन, 16 साल की लड़की से छेड़छाड़ का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

कोलोन , एजेंसी। क्या कोई रोबोट किसी महिला का यौन उत्पीड़न कर सकता है? जर्मनी के कोलोन शहर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां स्थानीय पुलिस से एक रोबोट को 16 वर्षीय लड़की के साथ कथित छेड़छाड़ के मामले में जप्त किया है। आरोप है कि रोबोट ने रेस्टोरेंट में आई लड़की के निजी अंगों को छुआ और यौन उत्पीड़न जैसी हरकतें कीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोलोन पुलिस ने बताया कि, घटना का आरोपी रोबोट एक मानव नियंत्रित रोबोट है। पुलिस ने बताया कि रोबोट को दो युवक नियंत्रित कर रहे थे। पुलिस इस बात की जांच कर रहे हैं कि घटना में दोनों युवक भी शामिल थे या नहीं। दोनों युवकों पर अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है, लेकिन उन्हें संदिग्ध माना जा रहा है।

लड़की के साथ गलत हरकत करने का आरोप : पुलिस के मुताबिक, शनिवार और रविवार की दरमियानी रात यह घटना हुई। आरोप है कि दो युवकों द्वारा नियंत्रित रोबोट ने 16 वर्षीय लड़की के निजी अंगों को छुआ और यौन उत्पीड़न जैसी हरकतें कीं। युवकों पर घटना का वीडियो बनाने, उसे लाइव स्ट्रीम करने और ऑनलाइन टिप्पणियां करने का भी आरोप है। पुलिस अब वीडियो और अन्य सबूतों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि रोबोट को पहले से प्रोग्राम किया गया था या उसे रिमोट के जरिए उसी समय नियंत्रित किया जा रहा था। इस तरह की घटना पुलिस के लिए नया अनुभव है। जांच के दौरान रोबोट की तकनीकी कार्यप्रणाली और घटना में उसकी भूमिका को समझने की कोशिश की जा रही है।

कार की डिक्की से मिला रोबोट : पुलिस ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि एक फास्ट-फूड रेस्टोरेंट के पास घटना की सूचना मिलने पर आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची। वहां एक कार की डिक्की में रोबोट मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। अधिकारियों ने रोबोट के साथ दोनों युवकों के मोबाइल फोन भी अपने कब्जे में लिए हैं। इन उपकरणों की जांच से घटना की रिकॉर्डिंग और ऑनलाइन गतिविधियों से जुड़ी जानकारी मिलने की उम्मीद है।

जानकारी के मुताबिक, रोबोट का मालिक 16 साल का है, जबकि उसके साथ मौजूद दूसरा युवक 19 वर्ष का बताया जा रहा है। रोबोट की लंबाई करीब 120 सेंटीमीटर यानी लगभग 3 फीट 11 इंच है। जर्मनी की पुलिस ने सोशल मीडिया पर रोबोट की तस्वीर भी साझा की है। तस्वीर में रोबोट लाल और सुनहरे रंग का दिखाई दे रहा है। उसने सफेद टैंक टॉप, काले ट्रैक पैंट, गले में सोने की चेन और धूप का चश्मा पहन रखा है।

सीजेपी को अमेरिका से मिल रही फंडिंग : मैरी मिलबेन का आरोप, कहा- भारत में अशांति फैलाने की रची जा रही साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने बुधवार को सीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में कॉकरोच जनता पार्टी को डोनर्स से फंडिंग मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है।भारत के सभी युवा देशभक्तों से अपील की कि वे आगे आएं और इस संगठन की विनाशकारी सोच के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। मिलबेन ने ये बातें तब कहीं जब विपक्षी पार्टियों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थक नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वे वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। 41 साल के गायिका ने कहा कि सीजेपी नेता अभिजीत दिपके और उनकी पार्टी को अमेरिका में मौजूद ऐसे डोनर्स से फंडिंग मिल रही है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व में आपके भविष्य के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है और भारत के सभी बेहतरीन युवा देशभक्तों से अपील की कि वे आगे आएं और विनाशकारी ताकतों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। पोस्ट में लिखा था, मेरे युवा देशभक्तों, डरो मत। आपके प्रधानमंत्री, जिन्होंने 25 साल तक भारत की सेवा की है। 12 साल प्रधानमंत्री के तौर पर और लगातार तीन बार चुने गए। वे मेरे देश की विनाशकारी ताकतों के सामने झुकने वाले नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'इन चुनिंदा दानदाताओं का दुनिया भर में एक ही तरीका है। रूढ़िवादी वैश्विक नेताओं को निशाना बनाना, उस देश से अमेरिका में पढ़े-लिखे व्यक्ति को ढूंढना। उन्हें कट्टरपंथी बनाना, उन्हें वापस देश भेजना और उन्हें अराजकता और तबाही फैलाने के लिए फंड देना। इनमें से कोई भी सफल नहीं हुआ है, लेकिन देश के विकास और शासन पर असर जरूर डाला है। अमेरिकी गायिका ने कहा कि लोकतंत्र और आजादी को बनाए रखने के लिए हमेशा एक जवाबी आंदोलन होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत में एक नई आवाज के लिए यह समय है। वह आगे आए, संगठित हो और 'कॉकरोच पार्टी' की विनाशकारी सोच के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करे। उठो, युवा देशभक्तों उठो।

मुस्लिम आबादी 96%, सेकुलर देश... हिजाब बैन के बाद अजरबैजान में सिस्टम वर्सेज स्टूडेंट!

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान की आबादी लगभग 100 फीसदी मुस्लिम है. लेकिन संविधान सेकुलर. सरकार के आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध नहीं है. लेकिन कानून कहता है कि वैसे लिबास न पहने जाए जिससे देश का सेकुलर कैरेक्टर प्रभावित हो. हालांकि नियम लागू होने के बाद हिजाब पहनकर स्कूल आने वाली छात्राओं को टोका जा रहा है.

'अगर क्लास में आना है तो हिजाब नहीं पहनना पड़ेगा.' जिस देश की आबादी की 96 फीसदी जनता मुस्लिम हो अगर वहां की सरकार ऐसे नियम निकाले तो थोड़ा चौंकना लाजिमी है. लेकिन सेंट्रल एशिया के देश अजरबैजान में ऐसा ही हुआ है. यहां की सरकार ने देश के सेकुलर कैरेक्टर का हवाला देते हुए क्लास रूम में लड़कियों के लिए हिजाब पहनने पर रोक लगा दिया है. अजरबैजान

की लगभग 96 प्रतिशत आबादी खुद को मुस्लिम मानती है. लेकिन वहां का संविधान देश को धर्मनिरपेक्ष बताता है और साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी भी देता है. लेकिन यहां की सरकार ने देश के सेकुलर फ्रेमवर्क को आधार मानते हुए सरकारी स्कूलों में ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई, जो निर्धारित यूनिफॉर्म के अनुरूप नहीं हैं या शिक्षा के धर्मनिरपेक्ष चरित्र के खिलाफ माने जाते हैं. इस आदेश में हिजाब का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया, लेकिन कई स्कूलों में इस नियम को हिजाब पहनने वाली छात्राओं के खिलाफ लागू किया गया. यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि अजरबैजान की आम जनता पर हिजाब पहनने की मनाही नहीं है. इसके बाद अजरबैजान में हंगामा शुरू हो गया है. मुस्लिम बहुल इस देश में स्कूलों के नए ड्रेस कोड को लागू करने के तरीके ने विरोध की लहर पैदा कर दी है. हिजाब पहनीं छात्राएं कह रही हैं कि उन्हें क्लास में नहीं जाने दिया जा रहा है, दूसरी छात्राएं उनके समर्थन में क्लास का बहिष्कार कर रही हैं और पुलिस ने प्रदर्शनों के सिलसिले में 37 लोगों को गिरफ्तार किया है. इस विवाद का सबसे अहम पहलू यह है कि अजरबैजान की सरकार ने अपने आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध लगाने की बात नहीं लिखी है. लेकिन धर्मनिरपेक्ष शिक्षा और एक समान स्कूल यूनिफॉर्म के नाम पर बनाए गए नियमों की वजह से कई स्कूलों में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को स्कूलों में रोका जा रहा है. यही वजह है कि विवाद अब सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और राज्य की सीमाओं पर सवाल उठा रहा है।

पोप लियो को लंग कैंसर की पुष्टि: रोम के अस्पताल में सफल रही फेफड़े की सर्जरी

वेटिकन सिटी / रोम, एजेंसी। ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु 71 वर्षीय पोप लियो को फेफड़ों का कैंसर (लंग एडेनोकार्सिनोमा) होने का पता चला है। वेटिकन द्वारा जारी आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार को रोम के जेमेली अस्पताल में उनकी सफल सर्जरी की गई, जिसके तहत उनके दाहिने फेफड़े के निचले हिस्से को सुरक्षित निकाल दिया गया है।

90 मिनट चली सर्जरी, हालत स्थिर : वेटिकन ने स्पष्ट किया कि करीब 90 मिनट तक चले इस ऑपरेशन में किसी भी प्रकार की जटिलता सामने नहीं आई। प्रक्रिया पूरी तरह सफल रही और ऑपरेशन के बाद पोप सामान्य रूप से होश में आ गए। कुछ समय गहन निगरानी में रखने के बाद उन्हें अस्पताल के निजी कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है।

उनके लगभग एक सप्ताह तक अस्पताल में ही स्वास्थ्य लाभ लेने की संभावना है।

नियमित जांच में सामने आई थी गांठ : वेटिकन के अनुसार, इस गांठ का पहली बार पता नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान चला था। एहतियात के तौर पर और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई अवशेष न बचे, डॉक्टरों ने उनके दाहिने फेफड़े के पूरे निचले हिस्से को निकालने का निर्णय लिया। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, वेटिकन सूत्रों ने पुष्टि की है कि कैंसर के शरीर के अन्य हिस्सों में फैलने की आशंका की जांच के लिए आगे के चिकित्सकीय परीक्षण किए जा रहे हैं।

अस्पताल के बाहर उमड़ी भीड़, पोप ने हाथ हिलाकर स्वीकारा अभिवादन : अस्पताल पहुंचने से पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालु घंटों बाहर खड़े रहे और उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हुए नारे लगाए। पोप ने अपनी कार की पिछली खिड़की से मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। अस्पताल पहुंचने पर जब स्वास्थ्यकर्मियों ने उनके प्रति सहानुभूति जताई, तो पोप ने मुस्कुराते हुए सहज भाव से उनका हौसला बढ़ाया। अमेरिका में जन्मे पहले पोप लियो ने रविवार को बताया था कि नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान उनके फेफड़े में एक गांठ का पता चला है। चिकित्सकों ने इसे हटाने की सलाह दी थी। पोप के अनुसार, गांठ का पता शुरुआती चरण में ही चल गया था और वह एक सीमित हिस्से में थी। हालांकि, वेटिकन ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि गांठ कैंसरयुक्त थी या नहीं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, फेफड़े में गांठ को हटाने की ऐसी सर्जरी आमतौर पर कम चीर-फाड़ वाली प्रक्रिया से की जाती है और इनमें जटिलताओं का जोखिम कम रहता है। फेफड़े के रोगों के विशेषज्ञ डॉ. मैथ्यू ट्रिपलेट ने बताया कि ऐसे ऑपरेशन के बाद मरीजों को सामान्यतः कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ता है। इसके बाद वे घर पर स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं।

पाकिस्तान में रेल हादसा, पटरी से उतरी पूरी ट्रेन, छह यात्रियों की मौत

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार को एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतर गई. इस रेल हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन हादसा सुबह 5.15 बजे के आसपास हुआ और ट्रेन कराची से पेशावर जा रही थी.अधिकारियों ने बताया कि 'रहमान बाबा एक्सप्रेस' के सभी 14 डिब्बे मुल्तान में शेरशाह पुल के पास पटरी से उतर गए. पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता बाबर अली ने बताया कि ट्रेन में लगभग 500 यात्री सवार थे. उन्होंने लोको पायलट के बयान के हवाले से बताया कि जब ट्रेन मुल्तान के शेरशाह स्टेशन से गुजर रही थी, तो उसे अचानक एक झटका महसूस हुआ जिसके बाद उसने ब्रेक लगाए. उन्होंने कहा, 'जब ट्रेन रुकी, तो उसके लगभग 14 डिब्बे पटरी से उतर चुके थे. प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जबकि राहत और बचाव दल ने पटरी से उतरे डिब्बों से यात्रियों को निकालने का अभियान शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा, 'एक यात्री के डिब्बे के भीतर फंसे होने की सूचना है और बचावकर्मी उस तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं.' पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई है और 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं. राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए मुल्तान से एक राहत ट्रेन और मेडिकल वैन दुर्घटनास्थल के लिए रवाना की गई. वहीं, रेल हादसे के बाद अप और डाउन दोनों लाइन पर रेल यातायात निलंबित कर दिया गया, जिससे इस मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हुई. मुल्तान के आयुक्त आमिर करीम खान ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया. उन्होंने प्रभावित यात्रियों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया. एक यात्री ने मीडिया को बताया कि दुर्घटना से पहले रोहरी के पास कर्मचारियों ने बोगी नंबर-नौ के नट-बोल्ट की मरम्मत की थी. 'जियो न्यूज' के अनुसार, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यह भी अभी स्पष्ट नहीं है कि इस मरम्मत का ट्रेन के पटरी से उतरने से कोई संबंध था या नहीं. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रेल हादसे पर दुख व्यक्त किया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने और घायलों को बिना किसी देरी के बेहतर मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

ट्रंप की हूती लड़ाकों को चेतावनी: कहा- याद रखें चुनाव के बाद भी मैं ही सत्ता में रहूंगा; ईरान पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों पर सऊदी अरब को निशाना बनाने और तेल की कीमतें बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने कहा कि हूती विद्रोही एक साल पहले अमेरिकी बमबारी के बाद शांत हो गए थे, लेकिन अब फिर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने इसके पीछे ईरान का हाथ होने की आशंका भी जताई। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि हूती विद्रोही बहुत खराब व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी हमलों के बाद हूती विद्रोहियों ने खुद रुकने का अनुरोध किया था और लंबे समय तक शांत रहे थे। अब वे संभवतः ईरान के कहने पर फिर सामने आए हैं।

ट्रंप ने ईरान पर लगाया क्या आरोप : डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कमजोर राष्ट्र बताते हुए उसकी नौसेना, वायुसेना और अर्थव्यवस्था पर भी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि हूती विद्रोही जानबूझकर तेल की कीमतें बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, संभवतः अमेरिकी चुनावों से पहले। ट्रंप ने कहा कि उन्हें यह समझाया जाना चाहिए कि वह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और भारी अंतर से जीत पहले ही हासिल कर चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव के बाद वह इस घटना को नहीं भूलेंगे।

सऊदी अरब में तेल ठिकानों और हवाई अड्डों को खाली करने की चेतावनी यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब में तेल ठिकानों के आसपास मौजूद कर्मचारियों और नागरिकों से वहां से निकलने को कहा। समूह ने इन ठिकानों को वैध निशाना बताया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने यह चेतावनी सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से यमन की राजधानी सना में हूती नियंत्रण वाले इलाके में स्थित यमनी ऑयल कंपनी के अल-सबाह केंद्रीय स्टेशन को खाली कराने के आदेश के बाद दी। गठबंधन के आदेश के कुछ ही समय बाद सना में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। हूती समर्थक मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि सऊदी समर्थित बलों ने राजधानी के अल-सबाहा इलाके में एक तेल प्रतिष्ठान पर हवाई हमले किए। अल जजीरा के संवाददाता यूसुफ मावरी ने कहा कि उन्होंने सना में यमनी ऑयल के अल-सबाह केंद्रीय स्टेशन पर सऊदी अरब के हमले के दौरान विस्फोट की आवाज सुनी। मावरी के अनुसार, सऊदी अरब ने रास ईसा बंदरगाह पर यमनी तेल भंडारण टैंकों और हूती नियंत्रण वाले होदेइदा प्रांत में एक तेल स्टेशन को भी निशाना बनाते हुए दो अन्य हवाई हमले किए।

बताए गए विस्फोटों के बाद याह्या सरी ने कहा कि हूती लड़ाके सना में सऊदी समर्थित बलों का मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गठबंधन ने सना पर हमला किया, तो सऊदी राजधानी रियाद में इसका कड़ा और दर्दनाक जवाब दिया जाएगा। सरी ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि यदि सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन सना पर हमला करता है, तो हूती उन ठिकानों को निशाना बनाएंगे जिन्हें खाली करने का आदेश दिया गया है। इस चेतावनी में सऊदी अरब के दमाम स्थित अरामको कंपनी के मुख्यालय, किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और रियाद में अरामको से जुड़े एक रिफाइनरी परिसर को खाली करने की बात कही गई। अल जजीरा के संवाददाता ने कहा कि अंसार अल्लाह हूती समूह ने अभी तक कोई हमला नहीं किया है, लेकिन जवाबी कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हुई और 300 से अधिक लोग घायल हुए।

क्या आप जानते हैं दूध के दांतों से जुड़ी ये बातें

जन्म के छह माह बाद बच्चे का पहला दांत आता है और ढ़ाई साल की उम्र तक बीस दांत आ जाते हैं। सात साल की उम्र में दांत टूटने शुरू होते हैं और बारह साल की उम्र तक दूध सभी दांत टूट जाते हैं। एक साल की उम्र के बाद भी बच्चा मां का दूध पी रहा है तो दांतों में सड़न की तकलीफ होती है। ऐसे में इस समस्या से बचाव के लिए एक साल की उम्र के बाद मां का दूध नहीं पिलाना चाहिए।

छह साल की उम्र में बच्चे की पहली पक्की दाढ़ आ जाती है। जिन बच्चों के दांत टेढ़े मेढ़े आते हैं उनका इलाज नौ साल की उम्र में शुरू हो जाना चाहिए। मायो फंक्शनल टेक्नीक से इसका बेहतर इलाज संभव है। बच्चों का दूध का दांत किसी वजह से अचानक टूट जाए तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए। टूटे हुए दांत से दूसरे दांत को संक्रमण होने का खतरा रहता है।

बार-बार मुंह में अंगुली न लगाने दें

बच्चों के जब दांत निकलने लगते हैं तो वे अपनी अंगुली बार-बार मुंह के भीतर ले जाते हैं। बार-बार मुंह में अंगुली ले जाने से दांत में संक्रमण का खतरा बढ़ने के साथ का आकार बदल सकता है। कई बार बच्चे दांत को अंगुली से कसकर दबाते हैं जिससे दांत की बनावट पर फर्क पड़ता है। ऐसे में दांत निकलने पर बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि वे बार-बार अंगुली न लगाए। इससे बचाव के लिए रबर की माउथ कैप आती है जिसे लगाया जा सकता है।

बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस खतरनाक

चार से छह साल की उम्र के बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस की समस्या भी पाई जाती है। इसमें दांत में तकलीफ की वजह से बच्चे को 104-105 डिग्री तेज बुखार रहता है। बच्चे के होंठ और मसूड़ों पर लाल चकते बनने लगते हैं। भूख लगनी बंद होने के साथ उल्टी, दस्त के साथ मुंह के भीतर छाले बन जाते हैं।

क्यों दूध दांत महत्वपूर्ण हैं

पहले वर्ष के दौरान एक बच्चे के विकास के स्थलों में से एक छोटे सफेद मोती का विस्फोट है। पहला दांत मुंह में टूट जाता है, कहीं छह महीने से एक वर्ष के जीवन के बीच। पूरे सेट को लगभग 20 महीने तक बच्चे के मुंह में जगह पर रखा गया है। यद्यपि पर्णपाती दांत कहा जाता है क्योंकि वे एक निश्चित अवधि के बाद गिर जाते हैं। दूध के अंतिम दांत 12 से 14 वर्ष तक मुंह में रहते हैं।

दूध दांतों के महत्व को रेखांकित करने वाले कुछ बिंदु नीचे सूचीबद्ध हैं। यह महत्व मानता है, कि कई बार, माता-पिता इस धारणा के साथ चोट या क्षय को अनदेखा करते हैं कि ये वैसे भी अस्थायी हैं और बाद में एक नया सेट होगा।

भोजनः दूध दांतों के प्राथमिक कार्यों में से एक चबाने या मास्टिकेशन और पाचन में सहायता करना है। हालांकि, उनके स्थाई समकक्ष के रूप में उतना मजबूत नहीं है। वे चबाने और भोजन को पचाने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। खराब दांत वाले बच्चे, विशेष रूप से मोलर्स, (गायब या क्षीण) के परिणामस्वरूप गरीब पोषण हो सकता है।

बोलने का विकासः बोलने की क्षमता के विकास में दूध दांत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और बोलने की असामान्यताओं को लोगों में देखा जा सकता है, जिनके पास दूध दांतों का प्रभावी सेट नहीं होता है। उन बच्चों को देखना आम बात है जिनमें दूध सेट में सामने वाले दांत ठीक से तैनात नहीं होते हैं। वहां लिपिंग जैसी बोलने की समस्याएं हो सकती हैं।

सौंदर्यशास्त्रः कहने की जरूरत नहीं है, सफेद, मोटे दांतों का एक अच्छा सेट एक बच्चे की मुस्कुराहट की सुंदरता में जोड़ता है। यह स्वीकृति और आत्मविश्वास के स्तर सहित बच्चे के सामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

अंतरिक्ष रखरखावः दूध के दांत उनके उत्तराधिकारी के लिए आवश्यक स्थान को बनाए रखते हैं और संरक्षित करते हैं। यदि खोया दांत प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है, तो स्थान स्थायी व्यक्ति के विस्फोट के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है और यह स्थाई व्यक्ति को विस्फोट से भी रोक सकता है। नतीजा एक रिक्त स्थान हो सकता है। जहां अंतरिक्ष की कमी के कारण मुंह में उत्तराधिकारी के बिना दूध दांत खो जाता है।

या दूध या पर्णपाती दांतों की अच्छी देखभाल

- नियमित भोजन ओरल स्वच्छता दिनचर्या को लागू करें, जिसमें प्रत्येक भोजन या स्नैक्स के बाद धोने, दिन में दो बार ब्रश करना, फ्लॉसिंग और माउथवाश का उपयोग करना शामिल है।
- ओरल प्रोफेलेक्सिस नियमित सफाई के लिए दंत चिकित्सक के लिए एक दोहरी यात्रा। यदि आवश्यक हो तो फ्लोराइड पेस्ट आवेदन के बाद, इससे दंत क्षय की शुरुआत भी कम हो जाएगी। इन यात्राओं के दौरान प्रारंभिक क्षरणों की पहचान की जा सकती है और दर्द की शुरुआत से पहले इलाज किया जा सकता है।
- रासायनिक सीलेंट का उपयोग किया जा सकता है यदि दांतों पर गड्ढे गहरे हैं और आसानी से क्षीण हो सकते हैं।
- इन मोतियों को बनाए रखने के लिए और अधिक जानने के लिए नियमित रूप से अपने दंत चिकित्सक पर जाएं।

रेसिपी

एग बोट

सामग्री

■ हॉट डॉग्स- 4 ■ अंडे- 4 ■ हरी शिमला मिर्च- 1/2 कप (बारीक कटी) ■ लाल शिमला मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ धनिया पत्ती- बारीक कटी ■ नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- स्वादानुसार ■ ऑलिव ऑयल मेयोनीज- 4 चम्मच

विधि

ओवन को 18 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट कर लें। हॉटडॉग बन्स के बीच में खाली जगह बना लें। अब एक बाउल में अंडा तोड़कर डालें। उसमें हरी, लाल शिमला मिर्च, प्याज, धनिया पत्ती, नमक और काली मिर्च डाल अच्छे से फेंटे। अब बन में खाली किए जगह पर ऑलिव ऑयल मेयोनीज लगाएं और इसके ऊपर अंडे वाला मिक्सचर डालें। अब इसे 15-20 मिनट प्रीहीट ओवन में रख बेक करें। तैयार है आपके एग बोट।

पनीर सिगार्स

सामग्री

■ हरे मटर- 1 कप (उबले और मसले हुए) ■ पनीर- 1/2 कप ■ तेल- 2 छोटे चममच तलने के लिए ■ हरा प्याज- 1/4 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच ■ मैदा- 1 बड़ा चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार ■ भुना जीरा- 1 छोटा चम्मच ■ प्रोसेस्ड चीज- 1/4 कप (कसा हुआ)

विधि

एक नॉन स्टिक पैन में तेल गरम करें। उसमें हरे प्याज डालकर मध्यम सुनहरा होने तक भुनें। अब अदरक-हरी मिर्च पेस्ट भी डाल दें। इसके बाद इसमें हरी मटर, पनीर, नमक और भूना जीरा डालकर अच्छे से मिलाएं और लगभग 2-3 मिनट तक पकाएं। सबसे बाद में चीज डालें और उसे पूरी तरह पिघलने दें। आंच से उतारकर थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। एक बाउल में मैदा डालें, उसमें थोडा पानी डालकर गाढा घोल बनाएं। अब समोसा पट्टी के बीच में ये मटर-पनीर का मिक्सचर रखें, उसे रोल का आकार दें। मैदे के घोल से उसे सील करें। एक कढ़ाई में आवश्यकतानुसार तेल गरम करें। फिर गरम तेल में तैयार किए ये रोल डालकर सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। हरी चटनी या सॉस के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2618

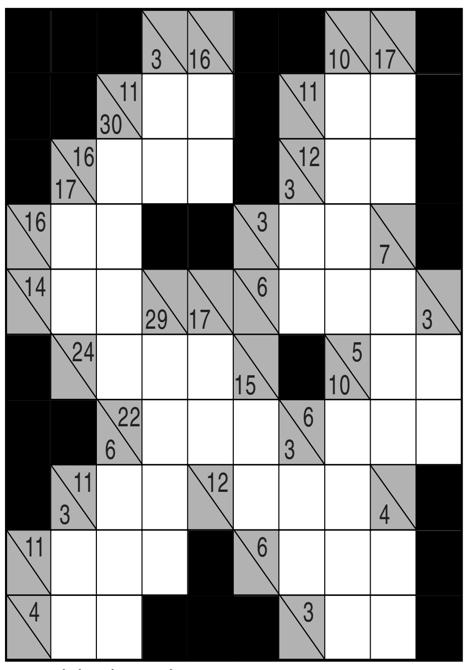

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

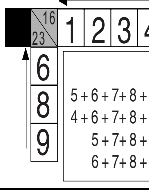

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2617 का हल

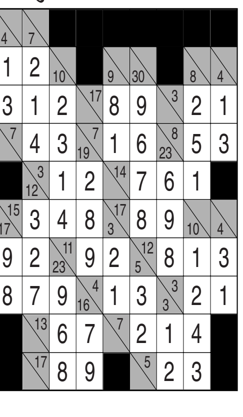

लॉफिंग जोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

फिल्म वर्ग पहेली - 2618

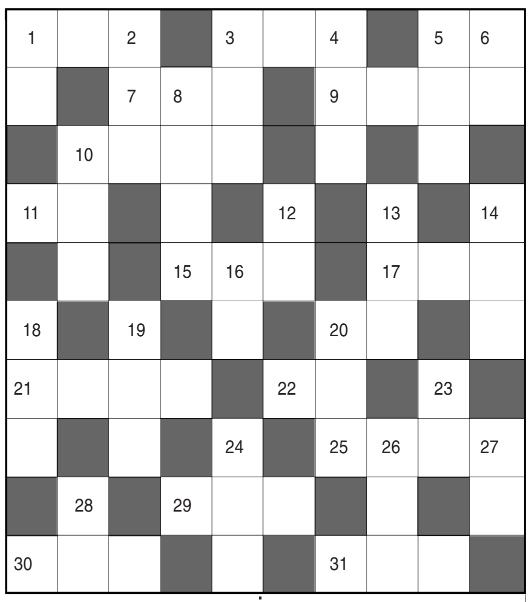

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2617

शि	ल्पा		अ	स	श	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	श	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
पा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

सूडोकु -2618

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2617 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 2618

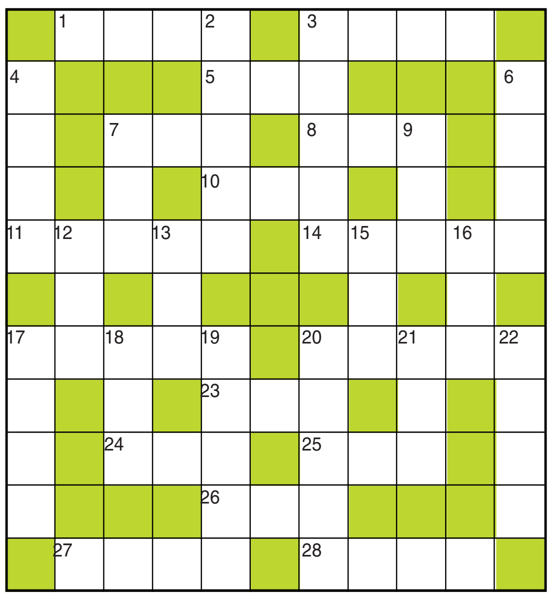

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 2617 का हल

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

एनआईए कोर्ट ने पाकिस्तान में रहने वाले आतंकवादी को 'घोषित अपराधी' करार दिया

एजेंसी

राजौरी। एनआईए की एक स्पेशल कोर्ट ने पाकिस्तान में रहने वाले एक आतंकवादी को 2022 के एक मामले में 'घोषित अपराधी' करार दिया है। यह मामला अल-हुदा एजुकेशन ट्रस्ट से जुड़ी कथित टेरर-फंडिंग गतिविधियों और प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी की गैर-कानूनी गतिविधियों से संबंधित है। राजौरी जिले की दरहाल तहसील के थानामंग गांव के रहने वाले मुश्ताक अहमद मीर ने 1995-96 में आतंकवाद में शामिल होने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार की थी। माना जाता है कि वह अभी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से अपनी गतिविधियां चला रहा है। एनआईए कोर्ट के स्पेशल जज प्रेम सागर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 84 के तहत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की अर्जी पर सुनवाई करते हुए मीर को घोषित अपराधी करार दिया। कोर्ट ने गौर किया कि उसके खिलाफ पहले भी गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे, लेकिन 'घोषित अपराधी' की कार्यवाही और अखबारों में नोटिस छपने के बावजूद न तो उसे गिरफ्तार किया गया और न ही वह कोर्ट के सामने पेश हुआ।

देवगढ़ में सड़क सुरक्षा और बुनियादी ढ़ांचे के विकास के लिए धर्मेंद्र प्रधान ने गडकरी को लिखा पत्र

भुवनेश्वर। ओडिशा के संबलपुर से सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने देवगढ़ जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर बढ़ते यातायात, जाम और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। उन्होंने राजमार्ग पर सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए फ्लाईओवर, सर्विस रोड, अंडरपास और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सहित जरूरी बुनियादी सुविधाएं विकसित करने का आग्रह किया है।धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पत्र में कहा कि एनएच-49 पर अंतरराज्यीय मालवाहक वाहनों और तेज रफ्तार यातायात के साथ स्थानीय लोगों की आवाजाही भी होती है। इससे सड़क सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ रही हैं। उन्होंने देवगढ़ के लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तीन प्रमुख स्थानों पर आवश्यक संरचनात्मक सुधार करने की जरूरत बताई। सांसद ने देवगढ़ बाईपास के प्रारंभ में अंबेडकर चौक के पास स्थित वाई-जंक्शन पर एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाने का प्रस्ताव रखा है।

पश्चिम बंगाल: ममता बनर्जी ने सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अतिक्रमण के आरोप में सीजेपी के नेताओं सौरभ दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने सीजेपी के आंदोलन के साथ हमेशा खड़े रहने का संकल्प लिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि हम और हमसे पहले की कई पीढ़ियों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए मजबूती से संघर्ष किया है। हमें ऐसा करना जारी रखना चाहिए। मैं सीजेपी के आशुतोष और सौरभ की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती हूं। ये पल हम सभी के लिए अपनी महान लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर लड़ने का संकल्प लेने और खड़े होने का समय है। यह पूरी पीढ़ी को डराने और चुप कराने का प्रयास है। यह अस्वीकार्य है। हमें अपने संवैधानिक अधिकारों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि देश के कई हिस्सों में 'लोकतंत्र की हत्या' हो रही है।

ध्रुव राठी को गुरुग्राम आवास पर नए सिरे से नोटिस, 8 साल पुराने मामले में 17 अक्टूबर को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ आपराधिक मानहानि के एक पुराने मामले में नए सिरे से समन जारी करने का आदेश दिया है। यह मामला विकास सांकृित्यायन उर्फ विकास पांडे की ओर से दायर किया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि ध्रुव राठी के 'बीजेपी आईटी सेल पार्ट-2' वीडियो को लेकर यह मामला दर्ज कराया गया था। अदालत ने समन की तामील के लिए दस्ती सेवा की अनुमति भी दी है। मामले में अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। जानकारी के अनुसार, अदालत ने 12 अक्टूबर को पारित आदेश में ध्रुव राठी के गुरुग्राम स्थित आवास पर समन भेजने की प्रक्रिया नए सिरे से आगे बढ़ाने की अनुमति दी। साथ ही शिकायतकर्ता को प्रोसेस सर्वर के साथ जाने की इजाजत दी गई, ताकि समन की तामील कराई जा सके। शिकायतकर्ता पक्ष के मुताबिक, ध्रुव राठी को अब उनके आवास पर समन की भौतिक रूप से तामील करा दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट से एडवोकेट सुशांत कुमार ने ध्रुव राठी के घर पहुंचकर ये नोटिस दिया।

विकसित भारत के लिए तकनीक और नवाचार में सक्षम बनना जरूरी: राजनाथ सिंह

'जब किसी संस्थान का ज्ञान और नवाचार विभिन्न क्षेत्रों तथा पीढ़ियों तक पहुंचता है, तो राष्ट्र निर्माण में उसका योगदान कई गुना बढ़ जाता है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल बड़ी अर्थव्यवस्था बनना नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसा राष्ट्र बनाना है, जो तकनीकी रूप से सक्षम, आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धी, नवाचार में अग्रणी और अपना भविष्य स्वयं तय करने में आत्मविश्वासी हो। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में आत्मनिर्भर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत को केवल दूसरे देशों में विकसित ज्ञान और तकनीक का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों और ज्ञान के निर्माण में योगदान देने वाला राष्ट्र बनना होगा। राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आईआईटी कानपुर के 'ग्रेटर दैन अस' अभियान में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश की सीमाओं के भीतर अधिक उत्पादन करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ अपनी सोचने, अभिकल्प तैयार करने, निर्माण करने और नवाचार करने की क्षमता विकसित करना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य में

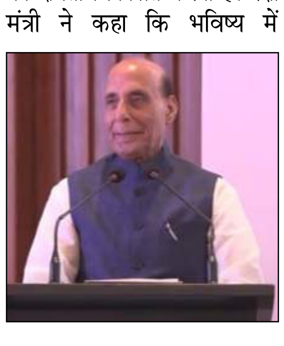

औद्योगिक विकास केवल बुनियादी ढांचे, निवेश और विनिर्माण क्षमता पर निर्भर नहीं रहेगा। इसमें तकनीक, नवाचार, उत्पादकता और कुशल मानव संसाधन की भूमिका लगातार बढ़ेगी। ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों, शोधकर्ताओं और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। उन्होंने कहा कि आईआईटी कानपुर वैज्ञानिक शोध और औद्योगिक उपयोग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बन सकता है। यह संस्थान उभरती तकनीकों को उद्योगों तक पहुंचाने के साथ युवाओं की आकांक्षाओं और बदलती अर्थव्यवस्था में पैदा हो रहे अवसरों के बीच भी सेतु का काम कर सकता है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के आईआईटी संस्थानों का उद्देश्य केवल इंजीनियर और वैज्ञानिक तैयार करना नहीं रहा है। उनका व्यापक लक्ष्य मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना है। आईआईटी से निकली पीढ़ियों ने अपने ज्ञान, प्रतिभा और उद्यमशीलता के माध्यम से देश की प्रगति से जुड़ी अनेक चुनौतियों का समाधान करने में योगदान दिया है। रक्षा मंत्री ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन संस्थानों से जुड़े नवाचार और उद्यमशीलता का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। अगस्त 2025 तक आईआईटी से जुड़े तंत्र ने 6,000 से अधिक नवोद्यमों को सहयोग दिया था। इसी तंत्र से 56 यूनिकॉर्न सामने आए और लगभग 5,000 पेटेंट दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां बताती हैं कि आईआईटी अब केवल शिक्षा देने वाले संस्थान नहीं रह गए हैं। वे नवाचार, उद्यमशीलता और तकनीकी क्षमता के विकास के प्रमुख केंद्र भी बन रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आईआईटी कानपुर जैसे संस्थान के योगदान का आकलन केवल वहां से पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थियों या प्रकाशित होने वाले शोधपत्रों की संख्या से नहीं किया जा सकता। इसका वास्तविक प्रभाव उन तकनीकों में भी दिखाई देता है, जिन्हें वहां के पूर्व विद्यार्थी विकसित करते हैं, उन उद्यमों में भी दिखता है जिन्हें वे खड़ा करते हैं, और उन समस्याओं के समाधान में भी नजर आता है, जिनसे दूसरे लोगों के लिए नए अवसर पैदा होते हैं।

धन के लिए धर्म नहीं त्यागूंगा, छिड़ गया युद्ध तो बम-गोले भी दागूंगा: सीएम योगी

'गोरखपुर से प्राप्त आध्यात्मिक प्रेरणा को स्वामी प्रणवानंद ने पूरे देश में राष्ट्र जागरण का माध्यम बनाया।'

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'याद रखना, एक संन्यासी के जीवन का ध्येय ही होना चाहिए कि धन के निमित्त धर्म नहीं त्यागूंगा। धन के निमित्त धर्म नहीं त्यागूंगा और छिड़ गया युद्ध तो बम-गोले भी दागूंगा।' उन्होंने कहा कि देश और धर्म के लिए किया गया हर त्याग महान है। शांति के समय धर्म का स्वरूप संयम, सौहार्द और लोककल्याण है, लेकिन राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर संघर्ष के लिए भी तैयार रहना चाहिए। भारत सेवाश्रम संघ ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। राष्ट्रोन्नति को आत्मोन्नति का माध्यम बनाकर संस्था ने आध्यात्मिक साधना को राष्ट्र जागरण और लोककल्याण से जोड़ा है। सीएम योगी वाराणसी में भारत सेवाश्रम संघ की काशी

शाखा के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वामी प्रणवानंद महाराज के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर आरती की। मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना भी की। संघ के प्रधान सचिव स्वामी विश्वात्मानंद ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1926 में स्थापित काशी शाखा ने सेवा और राष्ट्र जागरण की अपनी परंपरा के सौ वर्ष पूरे किए हैं। यह संस्था भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में सनातन मूल्यों और ऋषि परंपरा को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब राष्ट्र संकट में होता है तो उसकी आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत भी संकट में पड़ जाती है। उन्होंने सवाल किया कि विदेशी आक्रांता सफल नहीं होते तो क्या काशी विश्वनाथ मंदिर को अपवित्र और क्षतिग्रस्त करने का दुस्साहस होता। क्या राम जन्मभूमि पर पांच सौ वर्षों तक गुलामी का कलंक रहता या श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर ऐसा संकट खड़ा होता। उन्होंने कहा कि आपसी बंटवारे का दुष्परिणाम देश को भुगतना पड़ा। इसी पाप के परिमार्जन के लिए संतों ने आध्यात्मिक साधना को राष्ट्रीय जागरण का माध्यम बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण इसी राष्ट्रीय चेतना और संकल्प का परिणाम है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद महाराज का गोरक्षपीठ से गहरा संबंध रहा है। वर्ष 1912-13 में वह गोरखपुर पहुंचे और सिद्ध योगी बाबा गंभीरनाथ के सान्निध्य में साधना की। उन्होंने स्वामी प्रणवानंद के बचपन का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि लगभग 12-13 वर्ष की आयु में वह अपने शिक्षक के साथ गुरु की खोज में गोरखपुर पहुंचे थे।

आईएएस जयवर्धन गृह मंत्रालय में उप सचिव नियुक्त

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2014 बैच के आईएएस अधिकारी एस. जयवर्धन को केंद्रीय गृह मंत्रालय में केंद्रीय स्टाफिंग योजना के तहत उप सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पद का कार्यभार संभालने की तारीख से चार साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक प्रभावी होगी।

भारत सरकार की ओर से इस संबंध में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को भेजे गए ई-मेल में आईएएस एस. जयवर्धन को तुरंत उनके कर्तव्यों से मुक्त कर गृह मंत्रालय, दिल्ली में अपना नया कार्यभार संभालने कहा गया है। इस संबंध में आज आदेश भी जारी किया गया है। निर्देशों के अनुसार, अधिकारी को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का आदेश नियुक्ति जारी होने की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर पद संभाल लेना चाहिए। ऐसा न करने पर केंद्रीय स्टाफिंग योजना से डिबार (अयोग्य घोषित) करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। केंद्रीय स्टाफिंग योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था है। जिसके तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा और अन्य अखिल भारतीय व केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों को केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

केंद्र में काम करने की अवधि आमतौर पर 3 से 5 वर्ष की होती है (जैसे उप सचिव के लिए 4 वर्ष)। इसके बाद अधिकारियों को वापस अपने मूल राज्य कैडर में लौटना होता है। इस योजना के तहत सभी नियुक्तियां का प्रबंधन कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा किया जाता है और अंतिम मंजूरी कैबिनेट की नियुक्ति समिति देती है, जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं।

जवानों के लिए पौष्टिक और सुरक्षित भोजन, खाद्य मानकों में सुधार पर मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली। आपातकालीन स्थिति में विमान से गिराए जाने वाले भोजन से लेकर दुर्गम इलाकों तक पहुंचने वाले राशन की गुणवत्ता पर सेना ने बड़ा मंथन किया है। दरअसल दुर्गम पहाड़ों में तैनात जवानों समेत हर एक परिस्थिति में सैनिकों तक सुरक्षित और पौष्टिक भोजन पहुंचाना भारतीय सेना की प्राथमिकता है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए सेना ने अपने खाद्य मानकों की व्यापक समीक्षा की है। यहां खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, लंबे समय तक सुरक्षित रखने और कठिन परिस्थितियों में उनकी उपयोगिता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। सेना की क्वार्टर मास्टर जनरल शाखा के तत्वावधान में आयोजित खाद्य पदार्थों से संबंधित तकनीकी मानकीकरण समिति की बैठक में 276 विषयों पर विचार किया गया। इनमें रक्षा खाद्य मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण के मानकों से जुड़े विषय शामिल थे। बैठक में केवल भोजन की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि यह भी देखा गया कि कठिन मौसम, लंबी दूरी के परिवहन और चुनौतीपूर्ण भंडारण के दौरान भोजन की पौष्टिकता तथा उपयोगिता कैसे बरकरार रखी जाए। खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग, संरक्षण, स्वाद और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखने वाली तकनीकों पर भी चर्चा हुई। विशेष रूप से विमान से गिराकर पहुंचाए जाने वाले और जवानों द्वारा अपने साथ ले जाए जाने वाले राशन की जरूरतों पर ध्यान दिया गया। सेना की आपूर्ति एवं परिवहन व्यवस्था के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा ने बताया कि हाल के वर्षों में सैनिकों के राशन की गुणवत्ता सुधारने के लिए कई पहल की गई हैं। इनमें 'भारत चावल' की उपलब्धता, अग्निवीरों के लिए अतिरिक्त राशन और कठिन परिचालन परिस्थितियों में तैनात जवानों के लिए विशेष राशन शामिल हैं। अब सेना खाद्य सामग्री के संरक्षण, भंडारण और प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता पर मैदानी परीक्षण कर रही है। इनका उद्देश्य ऐसी तकनीकों की पहचान करना है, जो कठिन जलवायु वाले क्षेत्रों में भी राशन को सुरक्षित रखने में मदद करें।

अखिलेश का बागी विधायकों पर तंज, बोले-

दूसरे इस्तेमाल कर लेते हैं उसका कंधा, वर्षों बाद भी सदस्यता की पर्ची से ज्यादा कुछ नहीं मिला

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) के तीन बागी विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन पर तीखा तंज कसा। उन्होंने शायराना अंदाज में दलबदल करने वाले नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस दल के लिए उन्होंने वर्षों तक इंतजार किया, वहां भी उन्हें सदस्यता की पर्ची से अधिक कुछ नहीं मिला। अखिलेश ने संकेतों में कहा कि ऐसे नेताओं को दूसरे दल में भी राजनीतिक सम्मान और उम्मीदवारी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अपने कबीले से जो दगा करता है बंदा, चलता उसके मान पर अपमान का

रंदा। कार्यकर्ता बनकर उठाना पड़ता है झंडा, दूसरे इस्तेमाल कर लेते हैं उसका कंधा। सिर झुकाकर करना पड़ता काला धंधा, चुराना पड़ता उसको दान-चढ़ावा-चंदा। अब तक जो कमाया वो नाम होता गंदा।' उन्होंने आगे लिखा कि वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भी सदस्यता की पर्ची से अधिक कुछ नहीं मिला। जिस दल में गए हैं, उसके पुराने दावेदार कह रहे हैं कि ऐसे लोग तो आते-जाते रहते हैं। सपा प्रमुख ने तंज कसते हुए कहा कि जिस दल से जीते, उसके नहीं हुए तो जिस दल के सदस्य बनने में सालों लग गए, वहां 'प्रत्याशी' नहीं, बल्कि 'प्रतीक्षार्थी' बनकर ही कई साल रहेंगे। बता दें कि समाजवादी पार्टी के तीन बागी विधायक औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए।

बीएल संतोष ने विस्तारकों और प्रभारियों को दिया बूथ जीतने का मंत्र

2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर

एजेंसी

काशीपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने पार्टी के विधानसभा विस्तारकों और प्रभारियों से आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को अधिक सक्रिय बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव केवल जीत हासिल करने का माध्यम नहीं है बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए जनता का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर

भी है। इसके लिए जनता का विश्वास दोबारा हासिल करना जरूरी है। काशीपुर में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय विधानसभा विस्तारक एवं प्रभारी कार्यशाला के दूसरे दिन बीएल संतोष ने संबोधित कर रहे थे। दो दिवसीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश प्रभारी राम माधव, सह प्रभारी अरविंद मेनन, बांसुरी स्वराज,प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य महेंद्र भट्ट और प्रदेश महामंत्री संगठन फणींद्रनाथ शर्मा सहित वरिष्ठ नेताओं ने विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठनात्मक मजबूती, क्षेत्रवार राजनीति और सामाजिक समीकरणों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा हुई। बीएल संतोष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करना होगा। उन्होंने विस्तारकों और प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान देने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। प्रदेश प्रभारी राममाधव ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार के कार्यों के अनुरूप 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को प्रभावी बनाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा विस्तारकों और प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर पर पार्टी का संदेश घर-घर तक पहुंचाना होगा।

कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता, शुरुआती पहचान और समय पर उपचार जरूरी: राधाकृष्णन

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने प्रख्यात शास्त्रीय नृत्यांगना, लेखिका और भारतीय रेल यातायात सेवा की पूर्व अधिकारी डॉ. आनंदा शंकर जयंत की प्रेरणादायक संस्मरण पुस्तक 'डांसिंग विद जॉय' का उपराष्ट्रपति भवन में विमोचन किया। उन्होंने कहा कि कैंसर से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जागरूकता, बीमारी की शुरुआती पहचान और समय पर उपचार बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर राधाकृष्णन ने कहा कि यह पुस्तक केवल नृत्य और आनंद की कहानी नहीं है, बल्कि जुनून, कड़ी मेहनत, दृढ़ता और अपनी प्रतिभा को पहचानने तथा निखारने से मिलने वाली असाधारण शक्ति का प्रेरक वृत्तांत है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में लेखिका की कैंसर से जूझने की यात्रा केवल बीमारी की कहानी नहीं, बल्कि कैंसर के बाद भी जीवन को नए सिरे से जीने की कहानी है।उपराष्ट्रपति ने कहा कि

वर्षों के अनुशासन, सीखने और समर्पण से साधा गया नृत्य डॉ. आनंदा की सबसे बड़ी ताकत बना और उन्हें जीवन की कठिन चुनौतियों का सामना करने में मदद मिली। पुस्तक का संदेश है कि 'डांसर' यानी नर्तकी के अंग्रेजी शब्द में 'डी' ने लेखिका को 'कैंसर' के 'सी' पर विजय पाने की ताकत दी। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली विपरीत परिस्थितियां आत्मचिंतन और नई संभावनाओं की खोज का अवसर भी बन सकती हैं। राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता और शुरुआती जांच को मजबूत किया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसी पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि राज्यों में कैंसर उपचार सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को उनके नजदीक विशेषज्ञ चिकित्सा उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। उन्होंने बताया कि देश में 700 से अधिक जिला क्लीनिक और 500 डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, 19 राज्य कैंसर संस्थानों और 20 तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्रों को संचालन के लिए मंजूरी दी गई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

एनएसए डोभाल की ईरान के अपने समकक्ष से हुई थी बात, भारतीय नाविकों की सुरक्षा का उठाया मुद्दा - रणधीर जायसवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और ईरानी सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा समिति) सचिव मोहसिन रेजाई के बीच 12 अक्टूबर को बात हुई थी। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बातचीत में भारतीय नाविकों और जहाजों की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। पाक्षिक मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल के जवाब में एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया, 'राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने 12 अक्टूबर को ईरान के अपने समकक्ष, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसिन रेजाई से बात की थी। उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों, क्षेत्रीय हालात और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान भारतीय नाविकों और भारतीय टैंकरों की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।' वहीं, नई दिल्ली में हुए बिम्सटेक बैठक को लेकर जायसवाल ने कहा,

'बिम्सटेक गृह मंत्रियों की बैठक की मेजबानी भारत के गृह मंत्री ने की। इसमें बिम्सटेक के सभी देशों ने हिस्सा लिया और बातचीत व बैठक के बाद 'दिल्ली घोषणापत्र' को भी अपनाया गया। इसमें आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई, नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के उपाय और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ सहयोग समेत कई क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने के लिए बिम्सटेक के सभी सदस्य देशों ने प्रतिबद्धता जताई।' रूस और अमेरिका के बीच हुए तेल समझौते को लेकर पूछे गए सवाल पर एमईए प्रवक्ता ने कहा कि वे कमर्शियल समझौतों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। हम ग्लोबल एनर्जी मार्केट में स्थिरता का समर्थन करते हैं। इससे पहले सऊदी अरब पर हो रहे हमलों को लेकर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए जायसवाल ने कहा, 'सऊदी अरब पर कई हमले हुए हैं। अरामको मुख्यालय पर भी हमला हुआ। हम सऊदी अरब में आम लोगों के बुनियादी ढांचों पर हुए ऐसे सभी हमलों की निंदा करते हैं। हमारा मानना है कि ये हमले तुरंत बंद होने चाहिए। ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं। हम सऊदी अरब की संप्रभुता की रक्षा के लिए वहां की जनता और सरकार के साथ खड़े हैं, और हमें उम्मीद है कि इस इलाके में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल होगी।

संक्षिप्त समाचार

फीफा-ई फाइनल्स टला, सऊदी अरब पर हमला बना वजह

नई दिल्ली । फीफा और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसे एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के आयोजक ने एक बयान में कहा, 'यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है। 'इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी। बयान में कहा गया, 'फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन की सफल मेजबानी के आधार पर किया है।'

ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीकाः ग्रीन के दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 18 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट से पहले मुश्किलें बढ़ गई है। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का चोट की वजह से दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार है। डरबन टेस्ट में जीत के बाद कोच मैकडोनाल्ड ने ग्रीन की स्थिति पर अपडेट दिया। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि ग्रीन बल्लेबाज के तौर पर बेशक फिट हो जाएं, लेकिन इस सीरीज में उनके गेंदबाजी करने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने कहा, ग्रीन अच्छी प्रोग्रेस कर रहे हैं। अगले तीन-चार दिनों में उन्हें कुछ टेस्ट से गुजरना है। सॉफ्ट टिश्यू इंजरी है, इसलिए इसमें तेजी से सुधार भी हो सकता है। जोश ने इस टेस्ट के दौरान लंच टाइम में नेट्स के पीछे कुछ शॉट्स खेले और वह ठीक रहा। अब यह देखना है कि स्प्लिंट के साथ उसे कितना आराम है। गकेबरहा में उनके सेशन होंगे, तब हमें ज्यादा जानकारी मिलेगी। अगर ग्रीन गकेबरहा या केप टाउन टेस्ट के लिए उपलब्ध होते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के सामने मध्य क्रम का संयोजन तलाशने की चुनौती होगी। इसका असर ब्यू वेबस्टर पर पड़ सकता है, जिन्हें अपनी जगह बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। मालूम हो कि अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में ग्रीन ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल बल्लेबाज थे। ग्रीन की चोट के कारण ही डरबन में ऑस्ट्रेलिया को बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ा था। मैट रेनशॉ को नंबर 5 पर भेजा गया और निक मैडिनसन को ट्रेविस हेड के साथ ओपनिंग कराई गई, जिसका फैसला कप्तान पैट कमिंस ने लिया था।

विश्वजीत ने जीता सिल्वर मेडल

लास वेगास । भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता। अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारुमिद्जे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे। उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे ने एक 'फोर-पॉइंटर थ्रो' (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें 8-1 से हरा दिया। रूस के मलिक गिगिएव के खिलाफ सेमीफाइनल भी काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों पहलवानों को 'चैलेंज' (रेफरी के फैसले को चुनौती देने का मौका) का फायदा मिला। अंत में मोरे ने 6-4 से जीत दर्ज की। मोरे फाइनल में इस लक्ष्य के साथ उतरे थे कि वह अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप की ग्रीको-रोमन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बनेंगे। हालांकि, वह फाइनल में जॉर्जिया के पहलवान से हार गए और उनका गोल्ड जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। जॉर्जियाई पहलवान ने भी फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में किर्गिस्तान के बार्सबेक असनकोझोएव को कड़े मुकाबले में हराया था। हालांकि, इससे पहले भारत के अभियान को एक प्रशासनिक बाधा का सामना करना पड़ा था। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (लास वेगास) के लिए भारत के नौ पहलवानों (ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती कैटेगरी से) को वीजा नहीं मिला, क्योंकि वे 20 साल से कम उम्र के थे और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

बिग बैश में फिर साथ खेलेंग रिशाद और जम्पा

नई दिल्ली । होबार्ट हरिकेंस ने बिग बैश लीग 16 के लिए बांग्लादेश के लेग-स्पिनर रिशाद हुसैन को टीम के साथ बरकरार रखते हुए अपनी स्पिन गेंदबाजी को मजबूत किया है। टीम उन्हें ऑस्ट्रेलियाई एडम जम्पा के साथ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। हुसैन को दोबारा साइन करने से मौजूदा टीम को नए सीजन में एक मजबूत स्पिन कॉम्बिनेशन मिल गया है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग के अपने पहले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। होबार्ट के लिए, जम्पा को शामिल करने के बावजूद हुसैन को वापस लाना एक प्राथमिकता थी। हरिकेन्स के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मेंस सैलियन बीम्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी में लौटने के लिए स्पिनर के उत्साह ने एग्रीमेंट को आसान बनाया। उन्होंने कहा, 'रिशाद ने हमें यह बिल्कुल साफ कर दिया था कि उन्हें पिछले सीजन में होबार्ट में बिताया गया समय बहुत पसंद आया और वे वापस आना चाहते थे। यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत मायने रखता था। एडम जम्पा के शामिल होने से हमारी लिस्ट थोड़ी अलग हो गई थी, लेकिन जब रिशाद जैसी क्वालिटी का खिलाड़ी हरिकेन्स में लौटने के लिए इतना पक्का इरादा रखता है, तो हम ऐसा करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहते थे।'

मारेस्का बोले-हार से सबक लेगी मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर । एंजो मारेस्का का कहना है कि यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से मिली 4-2 की हार से मैनचेस्टर सिटी सबक लेगी। मैनचेस्टर सिटी को आठ मैचों में पीएसजी के खिलाफ यह पहली हार मिली है। मैनचेस्टर सिटी ने मारेस्का के हवाले से कहा, 'हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। भले ही हम यूरोप की सबसे अच्छी टीम के खिलाफ दो गोल खा लें, हमें सही चीजें करने की जरूरत है। मैं खिलाड़ियों से सीखता रहता हूं, क्योंकि मैं तीन महीने पहले ही यहां आया हूं। हम पहला गोल खा लेते हैं और फिर एक मिनट बाद इस तरह की टीम के खिलाफ दूसरा गोल खा लेते हैं। जब आप 0-0 पर हों, तो यह पहले से ही मुश्किल होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'दो मिनट में आप दो गोल खा लेते हैं और हमने थोड़ा संतुलन खो दिया, खिलाड़ियों के बीच दूरी रही। हमने संघर्ष किया, लेकिन फिर दूसरे हाफ में हमने बदलाव किए, कुछ एडजस्ट किया और हम बहुत बेहतर थे। सच कहूं तो मुझे पीएसजी के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। दूसरे 45 मिनट में शानदार कोशिश के बावजूद, पहले 45 मिनट में हुए नुकसान ने विजिटर्स को पॉइंट दिलाए। 'मारेस्का ने कहा, 'वे बहादुर हैं, मुझे पता है कि वे कैसे दबाव बनाना चाहते हैं। बॉल पर वे डायनेमिक हैं।

क्वार्टर फाइनल से हटे आर्थर, सेमीफाइनल में पहुंचे फोकिना

शंघाई । शंघाई मास्टर्स में आर्थर गेया का बेहतरीन प्रदर्शन चोट की वजह से अचानक रुक गया। गुरुवार को एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल में फोकिना का मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव और एलेक्स डी मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। फोकिना के खिलाफ मैच शुरू होने के महज 22 मिनट बाद ही गेया को बाहर होना पड़ा। वह दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे थे और उन्होंने फिजियो को बुलाया, जिसके बाद उन्हें तीन मिनट का मेडिकल टाइमआउट मिला। इसके बाद उन्होंने केवल तीन और प्वाइंट खेले और फिर 1-4 से पीछे रहने पर मैच छोड़ने का फैसला किया। फ्रांस के 21 वर्षीय खिलाड़ी गेया ने मंगलवार को दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी जैकब मेन्सिक को 7-6(4), 6-4 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले, उन्होंने बेन शेल्टन को हराया था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, जुलाई के बाद से गेया ने अपने पिछले 15 टूर-लेवल मैचों में से 13 में जीत हासिल की है।

गेया अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में हिस्सा ले रहे थे और इस समय दुनिया के 56वें ??नंबर के खिलाड़ी हैं, जो उनके करियर की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। 2026 में उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। अगस्त में उन्होंने लॉस काबोस में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था और इसके बाद वह 'लकी लूजर' के तौर पर यूएस ओपन के चौथे राउंड तक पहुंचे थे। वहीं, पुरुष डबल्स में जैकब श्नाइटर और मार्क वालनर की जोड़ी ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने टॉप सीड क्रिश्चियन हैरिसन और नील स्कुपस्की को 7-6(5), 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

रियल मैड्रिड की शानदार जीत, एएस रोमा को 4-3 से हराया

रोम । जोस मोरिन्हो की रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्पी, एंड्रिक और रुडिगर ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली। मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोर्टोइस को हर्मोसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बढ़त ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बढ़त सिर्फ 5 मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉन्ग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छाती से गेंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्स्ट्रा टाइम में बेलिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया। दूसरे हाफ में रोमा ने फिर पकड़ बनाई। 51वें मिनट में मालेन ने गोल कर रोमा को 2-1 से आगे कर दिया और 58वें मिनट में उसी मालेन ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया।

67वें मिनट में एमबाप्पे ने एक और गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन मामूली ऑफसाइड के कारण वीएआर ने उसे खारिज कर दिया। इसके बाद मोरिन्हो की टीम ने ऑल-आउट अटैक शुरू कर दिया। 83वें मिनट में पहला ब्रेकथ्रू मिला। अर्दा गुलर के कॉर्नर पर एंड्रिक ने हेडर मारा, गोलिनी ने उसे रोका, लेकिन रिबाउंड पर एस्पी ने गेंद को जाल में डाल दिया। स्कोर 3-2 हो गया। चार मिनट बाद फिर वही कॉम्बिनेशन-गुलर का कॉर्नर, एंड्रिक का हेडर-इस बार सीधा गोल में चला गया और स्कोर 3-3 हो गया। रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुकी। 90वें मिनट में गुलर के एक और कॉर्नर पर एंटोनियो रुडिगर ने एक्रोबैटिक स्ट्राइक से गोल कर दिया। 1-3 से पिछड़ने के बाद मोरिन्हो की टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

इतिहास रचने के करीब मंधाना

133 रन बनाते ही बनाएंगी कीर्तिमान

रायपुर, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के दौरान इतिहास रच सकती हैं। मंधाना इस टी20 सीरीज से कप्तान के तौर पर नई जिम्मेदारी शुरू करेंगी, लेकिन इस दौरान उनके पास बड़ा कीर्तिमान बनाने का भी मौका होगा। भारतीय सलामी बल्लेबाज मंधाना टी20 क्रिकेट में पांच हजार रन पूरे करने से महज 133 रन दूर हैं। यह ऐसी उपलब्धि होगी जिसे महिला क्रिकेट में अब तक कोई हासिल नहीं कर सका है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज शुक्रवार से शुरू होगी। यह पहला अवसर है जब भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीम द्विपक्षीय सीरीज में एक-दूसरे का सामना करेंगी। यह सीरीज जिम्बाब्वे के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उसकी टीम ने हाल में वेस्टइंडीज को वनडे मैच में हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई है। टीम की कप्तानी जोसेफिन नकोमो करेंगी। टी20 मैचों के बाद दोनों टीमें वडोदरा में तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मुकाबले 16, 18 और 20 अक्तूबर को रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद 23, 25 और 28 अक्तूबर को वडोदरा में तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

कैसा रहा है मंधाना का टी20 करियर

साल 2013 में अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से मंधाना ने 179 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 31 की औसत और 127.47 के स्ट्राइक रेट से 4,867 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की इस सीरीज के दौरान बाएं हाथ की इस बल्लेबाज के पास इस ऐतिहासिक मुकाम को हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने में शीर्ष क्रम पर मंधाना की निरंतरता बेहद अहम होगी। मंधाना ने हरमनप्रीत कौर से कमान संभाली है, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में आची-नागोया एशियाई खेलों में भारत को सफलतापूर्वक स्वर्ण पदक जिताने के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। नई कप्तान अपने साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का नेतृत्व करने का अनुभव लेकर आ रही हैं, जिन्हें उन्होंने दो महिला प्रीमियर लीग के खिताब जिताए हैं। भले ही यह भारत की पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर मंधाना पहली सीरीज होगी, लेकिन वह इससे पहले अंतरिम तौर पर भी राष्ट्रीय टीम की कमान संभाल चुकी हैं।

248 रन भी नहीं बना पाए भारतीय बल्लेबाज! गावस्कर ने बताई टीम इंडिया की कमजोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 24 रन से मिली हार के बाद भारतीय टीम की बल्लेबाजी पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करते समय अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। संजू सैमसन की शानदार शुरुआत के बावजूद भारतीय टीम 248 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। गावस्कर ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन पर भी अपनी राय रखी।

गावस्कर के अनुसार, भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेकर खेलना होगा, तभी टीम को सफलता मिल सकती है। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, 'भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। भारतीय बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर बल्लेबाज जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे तो भारतीय टीम को सफलता नहीं मिलेगी।'

उन्होंने लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम से उसी अंदाज में दबदबा बनाने की उम्मीद जताई। गावस्कर ने कहा, 'भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह से दबदबा बनाना होगा जैसा कि लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को करना चाहिए लेकिन इस मैच में इसकी जरा सी भी झलक देखने को नहीं मिली।' भारतीय टीम को संजू सैमसन ने तेज अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरुआत दिलाई थी। उन्होंने 56 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से बल्लेबाज इस शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके। गावस्कर ने इसी बात पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, 'संजू ने भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन बाकी बल्लेबाज इसका बिल्कुल भी फायदा नहीं उठा पाए। अभिषेक शर्मा ने खराब पारी खेली। उनके स्तर के हिसाब से यह स्वीकार्य नहीं है। ईशान किशन भी कीमो पॉल के जाल में पूरी तरह फंस गए। श्रेयस अय्यर शतक बनाने के बाद लय बरकरार नहीं रख पाए हैं।' गावस्कर की इस टिप्पणी से साफ है कि उनके अनुसार, बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय सिर्फ एक या दो बल्लेबाजों का योगदान पर्याप्त नहीं है। शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को अपनी भूमिका निभानी होगी।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 247 रन बनाए। हालांकि, गावस्कर ने भारतीय गेंदबाजों को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराने से परहेज किया। उनका मानना है कि टीम के गेंदबाज अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव हासिल कर रहे हैं और इस तरह के मुकाबलों से उन्हें सीखने का मौका मिलेगा। गावस्कर ने कहा, 'मैं जानता हूं कि गेंदबाजी खराब रही है, लेकिन ये गेंदबाज अनुभवी नहीं हैं। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नए हैं और उन्हें इसी तरह से सीख मिलेगी।'

अर्शदीप हुए चोटिल

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चोटिल हो गए थे। अर्शदीप के कंधे पर गेंद लगी थी और वह बल्लेबाजी भी जारी नहीं रख सके थे। अब विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने उनकी फिटनेस पर अपडेट दिया है। पांच मैचों की सीरीज अभी 2-2 से बराबरी पर है और बंगलूरू में होने वाले सीरीज के निर्णायक मुकाबले के लिए सैमसन ने कहा है कि भारतीय टीम पूरी तरह से जोश से भरी हुई है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि अर्शदीप समय पर फिट हो जाएंगे बुधवार को भारत की पारी के आखिरी ओवर में शमार जोसेफ की एक तेज शॉर्ट-पिच गेंद सीधे अर्शदीप के कंधे पर आ लगी। इस जोरदार प्रहार से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को काफी दर्द हुआ, जिसके बाद फिजियो को तुरंत मैदान पर आकर उनकी स्थिति की जांच करनी पड़ी। भारत को अंतिम ओवर में जीत के लिए आखिरी विकेट शेष रहते 35 रनों की दरकार थी। इस ओवर में जोसेफ ने अर्शदीप के खिलाफ बाउंसरों की झड़ी लगा दी। इनमें से एक गेंद उनके बाएं कंधे पर जा लगी। कई लोगों का मानना था कि जोसेफ का यह रवैया खेल भावना के विपरीत था, क्योंकि अर्शदीप के लिए उन रनों को बना पाना नामुमकिन था।

शाई होप भारत के लिए बन रहे हैं परेशानी

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने चौथे टी20 में सीरीज का अपना दूसरा शतक लगाया और टीम की जीत की नींव रखी। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी उनकी बल्लेबाजी की तारीफ की। पुजारा के अनुसार, होप जोखिम कम लेते हुए तेजी से रन बनाने में सफल रहे हैं। पुजारा ने कहा, 'सीमित ओवरों की इस सीरीज में होप भारत के लिए बड़ा सरदर्द रहे हैं। उनकी विशेषता यह है कि वह अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करते हैं और मौके का फायदा उठाते हैं। यही कारण है कि वे ज्यादा जोखिम उठाए बिना इतनी तेजी से रन बनाते हैं।' भारत के लिए अब चुनौती अपनी बल्लेबाजी की गलतियों को सुधारने और होप जैसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों के खिलाफ बेहतर रणनीति बनाने की होगी।

मनीष पॉल ने खोले बॉलीवुड के राज

मनीष पॉल अब इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने छोटे पर्दे पर होस्टिंग कर अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद मनीष ने बॉलीवुड में हाथ अजमाया और 'मिकी वायरस' के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। अपने करियर में होस्ट और अभिनेता ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों के साथ स्टेज शेयर किया। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया और शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव बताया।
मनीष ने बताया कि उन्होंने करण जौहर के साथ काम किया है, उनके साथ मजाक करते हैं, लेकिन निर्माता-निर्देशन ने कभी उनकी बातों का बुरा नहीं माना। मनीष बोले, 'करण सर मेरे साथ काम करने वाले सबसे शानदार को-होस्ट हैं। शाहरुख खान सर और सलमान सर इतने बड़े सितारे हैं, लेकिन उनमें दूसरों को सहज महसूस कराने की खासियत है। वे इतने बड़े नाम हैं कि चाहें तो इस बात को लेकर सोच सकते हैं कि कहीं मनीष उनसे ज्यादा न बोलने लगे। लेकिन वे ऐसा कभी नहीं करते।' मनीष ने आगे कहा, 'मैं करण सर का काफी मजाक उड़ाता हूं और हम साथ में खूब मस्ती करते हैं। भगवान का शुक्र है कि लोगों को भी यह पसंद आता है। करण सर ने मेरी किसी भी बात का कभी बुरा नहीं माना। मैंने उनके साथ कई बार मजाक किया है। यह मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे पता है कि कब रुकना है। मैं अपनी हद पार नहीं करता।'

शाहरुख को लेकर बोले मनीष

मनीष पॉल ने शाहरुख खान के साथ एक इवेंट होस्ट करने का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि

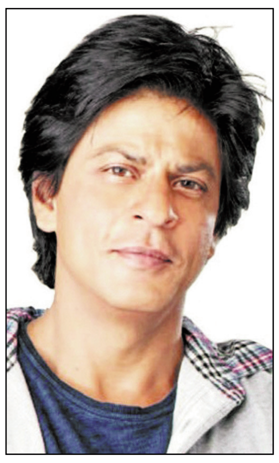

जब वह नए थे, तब शाहरुख के साथ काम करते हुए काफी घबराते थे। ऐसे में शाहरुख ने उन्हें सहज महसूस कराया। मनीष ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने शाहरुख खान के साथ मुंबई पुलिस के कई शो होस्ट किए थे। उस समय मैं नया था और काफी नर्वस रहता था। एक बार उन्होंने मुझे अपने वैनिटी वैन में बुलाया। जब मैं अंदर गया तो उन्होंने बहुत गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया।' मनीष के मुताबिक, फिर शाहरुख सर ने स्क्रिप्ट देखी और पाया कि सभी डायलॉग और जोक्स उनको ही दे दिए थे।
मनीष के लिए कुछ नहीं था। ऐसे में किंग खान ने सवाल उठाया कि अगर सारे डायलॉग और जोक्स मुझे ही देने थे, तो फिर यह यहां खड़ा क्या कर रहा है?' मनीष के मुताबिक, शाहरुख ने आगे कहा, 'यह यहां सिर्फ खड़े रहने के लिए नहीं आया है।' इसके बाद किंग ने मनीष से कहा, 'मनीष, मेरे ऊपर भी दो-चार जोक्स करो।'

मनीष ने की सलमान की तारीफ

मनीष पॉल ने सलमान खान के होस्टिंग स्टाइल की भी तारीफ की। उन्होंने खास तौर पर पैपराजी की आलोचना करते हुए सलमान की हालिया टिप्पणी का समर्थन किया। मनीष ने कहा, 'यह बहुत शानदार था और इसकी काफी जरूरत थी। भगवान का शुक्र है कि उन्होंने ऐसा किया। मुझे लगता है कि वह अकेले ऐसे शख्स हैं, जिनकी बात लोग सुनेंगे। अब लोग उनकी बात सुन भी रहे हैं। जब भाई कुछ कहते हैं, तो फिर बात वहीं खत्म हो जाती है।'

रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और सबसे बड़ी सपोर्टर

अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने जीवन में रकुल के साथ होने के लिए आभार व्यक्त किया और उनके प्रति अपना प्यार जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें देखकर मैं अब भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाता कि मैं कितना भाग्यशाली हूं। मेरी ताकत, मेरी एकमात्र समर्थक और मेरे जीवन के प्यार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। तुम्हारी गर्मजोशी, तुम्हारी असीम ऊर्जा और हमारे घर को सबसे खुशहाल जगह बनाने के लिए धन्यवाद। सपनों को पूरा करने और साथ में खूबसूरत यादें बनाने का एक और साल मुबारक हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं।' तस्वीर में रकुल और जैकी एक-दूसरे के करीब खड़े होकर कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने साथ में बिताए कुछ और खुशनुमा पलों की तस्वीरें भी साझा कीं।
दरअसल, रकुल और जैकी ने अक्टूबर 2021 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया था। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की घोषणा करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक गुप्त रखा था। कुछ वर्षों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इस जोड़े ने 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी कर ली। उनकी शादी के समारोह में दोनों परिवारों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए रस्में निभाई गईं। इस जोड़े ने अक्टूबर 2021 में सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाया और 21 फरवरी 2024 को गोवा में सिख और सिंधी दोनों परंपराओं का सम्मान करते हुए शादी की।

15 साल बाद आएगा द डर्टी पिक्चर का सीक्वल

एकता कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात करते हुए यह कन्फर्म कर दिया है कि वह 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म से जुड़ी कई चीजें शेयर की।

साल 2011 में आई फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' को लोगों ने काफी पसंद किया था। मिलन लुथरिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। इसमें विद्या बालन ने लीड रोल प्ले किया था। वहीं, उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, इमरान हाशमी और तुषार कपूर भी नजर आए थे। अब फिल्म की निर्माता एकता कपूर ने हाल ही में इसके सीक्वल को लेकर बात की और बताया कि वह जल्द ही 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की कहानी से जुड़ा भी अपडेट शेयर किया।
एकता ने कहा कि वह काफी समय से फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' के सीक्वल के बारे में सोच रही थीं। अब उन्हें ऐसी कहानी मिल गई है, जिसे वह दर्शकों को सुनाना चाहती हैं। निर्माता ने यह भी बताया कि पहली फिल्म की तरह नई फिल्म भी किसी एक व्यक्ति की जिंदगी पर आधारित होगी। हालांकि, इस बार कहानी किसके इर्द-गिर्द घूमेगी, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। एकता कपूर ने कहा, 'मैं एक बहुत बड़ी फिल्म बना रही हूं, जिसका नाम 'द डर्टी पिक्चर 2' है। मैं 15 साल बाद इसकी योजना बना रही हूं। इस बार मुझे लगता है कि मेरे पास एक ऐसी कहानी है, जिसे मैं बताना चाहती हूं।'

पहली फिल्म को लेकर क्या बोलीं एकता

एकता ने पहली फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि 'द डर्टी पिक्चर' सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। यह एक ऐसी महिला की कहानी थी, जिसे अपनी यौन स्वतंत्रता को खुलकर स्वीकार करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। एकता के मुताबिक, उन्होंने सिल्क स्मिता को कभी पीड़ित के रूप में नहीं देखा, बल्कि एक ऐसी महिला के तौर पर देखा, जिसने अपनी यौन स्वतंत्रता को अपनाया और उसका जश्न मनाया। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। बता दें कि फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी से प्रेरित थी और इसमें दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में उनके संघर्ष, सफलता और निजी जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया था।

सिल्क स्मिता ने कितनी फिल्मों में किया काम

सिल्क स्मिता ने अपने करीब 18 साल के करियर में 450 से अधिक फिल्मों में काम किया था। फिर 35 साल की उम्र में सिल्क स्मिता ने अपने चेन्नई स्थित घर पर आत्महत्या कर ली थी। बता दें कि फिल्म में सिल्क स्मिता का किरदार निभाने वाली विद्या बालन को उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

सलमान खान ने लॉन्च अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान'

सलमान खान ने अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान' लॉन्च किया है। इस चैनल के जरिए फैंस उनके सफर को दोबारा देख सकेंगे और उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को जान सकेंगे। चैनल में एक्टिंग, बॉडी लैंग्वेज और सलमान के खास अंदाज पर ध्यान दिया गया है। इसमें मजेदार तरीके से दिखाया गया है कि पर्दे पर सलमान का अंदाज कैसे उनकी पहचान बना। हाल ही में सलमान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चैनल का लिंक शेयर किया और फैंस को इसे देखने के लिए कहा। आमतौर पर सेलिब्रिटी अपने यूट्यूब चैनल पर निजी जिंदगी या फिल्मों की शूटिंग के पीछे के पल शेयर करते हैं। लेकिन सलमान का यह चैनल कुछ अलग है। इसमें स्क्रीन पर सलमान के दो रूप नजर आते हैं। एक अनुभवी एक्टिंग और पर्सनैलिटी कोच के रूप में है, जबकि दूसरा एक स्टूडेंट है, जो एक्टिंग सीख रहा है। सलमान ने 22 सितंबर को 'बीइंग द सलमान खान' चैनल लॉन्च किया था। अब तक इस पर 10 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं। कई वीडियो में कोच के रूप में नजर आने वाले सलमान, स्टूडेंट को बॉडी मूवमेंट, डायलॉग बोलने के तरीके और अपने खास अंदाज के बारे में सिखाते हैं। इन वीडियो के जरिए दर्शकों को सलमान की स्क्रीन पर पहचानी जाने वाली खूबियों की मजेदार झलक देखने को मिलती है। चैनल का लिंक शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, 'शुरू से शुरू करते हैं। मेरा ऑफिशियल यूट्यूब चैनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।'

2020 में आया था ये चैनल

यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने यूट्यूब पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इससे पहले उन्होंने 2020 में 'सलमान खान फिल्म म्यूजिक' चैनल शुरू किया था। इस चैनल पर करीब 30 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। यहां उनकी फिल्मों के गानों के साथ-साथ अलग से रिलीज किए गए म्यूजिक भी मौजूद हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान सलमान ने गायकी में भी हाथ आजमाया था। इस दौरान उन्होंने 'प्यार करोना' और 'तेरे बिना' जैसे गाने रिलीज किए थे। इससे एक्टिंग के अलावा उनके काम का एक और पहलू सामने आया। अब नए चैनल के जरिए वह अपने सफर को नए अंदाज में पेश कर रहे हैं और पर्दे पर बनी अपनी छवि के साथ भी प्रयोग कर रहे हैं।

हर कमेंट को दिल पर लेने की जरूरत नहीं

'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रहीं टीवी एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय ने वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे से पहले मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें, जरूरत पड़ने पर ब्रेक लें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। आईएएनएस से बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, ''लोग अक्सर अपनी परेशानियों को छिपाकर सबके सामने सामान्य दिखने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वह किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, तो लोग उन्हें जज करेंगे या गलत समझेंगे। ऐसा सोचने के बजाय अपनी भावनाओं को स्वीकार करना चाहिए। कई बार बेहतर महसूस करने की शुरुआत यहीं से होती है।'' काम और पब्लिक लाइफ के दौरान मिलने वाले कमेंट्स पर बात करते हुए अद्रिजा ने कहा, ''हर बात को दिल पर लेना सही नहीं है। हर व्यक्ति की आपके बारे में अपनी राय हो सकती है, लेकिन खुद को आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। मैं कोशिश करती हूं कि अपना ध्यान उन लोगों और चीजों पर रखूं, जो सच में मेरे लिए मायने रखते हैं और बाहरी लोगों की हर राय को अपनी मानसिक शांति पर हावी न होने दूं।''
उन्होंने आगे कहा, ''जब इंसान शारीरिक और मानसिक रूप से इतना थक जाए कि हर काम बोझ या जिम्मेदारी जैसा लगने लगे, तब रुककर खुद को समय देना जरूरी है। कुछ समय के लिए ब्रेक लेना आलस नहीं है। कई बार खुद को थोड़ा धीमा करना जरूरी होता है, ताकि इंसान दोबारा पूरी ताकत के साथ वापस आ सके। मेरा मानना है कि लगातार काम करते रहने को ही मजबूती समझना सही नहीं है। शरीर और दिमाग दोनों को आराम की जरूरत होती है।''
एक्ट्रेस ने कहा, ''दूसरों की उम्मीदों का बोझ इस कीमत पर मत उठाओ कि वह आपकी मानसिक शांति पर ही असर डाल दें। मैं हमेशा खुद को याद दिलाती हूं कि हर किसी को हर समय खुश रखना संभव नहीं है। मैंने धीरे-धीरे अपनी सीमाएं तय करना और जरूरत पड़ने पर 'नहीं' कहना सीखा है। शुरुआत में यह आसान नहीं था, लेकिन समय के साथ मुझे समझ आया कि अपनी शांति को बचाना स्वार्थी होना नहीं है।'' उन्होंने आगे कहा, ''जिंदगी का हर दौर गुजर जाता है। हो सकता है कि किसी परेशानी के दौरान हमारे पास सभी सवालों के जवाब तुरंत न हों, लेकिन ऐसे समय में खुद पर भरोसा रखना और खुद को समय देना जरूरी है।

जॉब पर वे बातें
जो आपको कोई नहीं बताएगा...

पढ़ाई खत्म करने के बाद जब आप किसी कंपनी में काम करने जाते हैं तो शुरू के कुछ साल आपको बिजनस एथिक्स समझने में लग जाते हैं। पर कंपनियां यह सोचती हैं कि आपको ये एथिक्स पहले से पता होना चाहिए। ये बातें आपको अपने कार्यस्थल पर कोई नहीं बताएगा, लेकिन हम आपकी मदद कर सकते हैं।

1. पहली नौकरी आपको कई अनुभव देती है। याद रखिए कि अब आप एक प्रोफेशनल बन चुके हैं और आपकी पहली नौकरी आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। तो अपने कार्यस्थल पर हद से ज्यादा गपशप और देर से आना और बहाने देना अब अच्छा नहीं होगा।
2. कार्यस्थल पर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप आदि सोशल नेटवर्किंग का उपयोग न के बराबर ही करें। इनका अत्यधिक उपयोग आपकी काम में अरुचि को दर्शाता है, इसलिए कई कंपनियां इन साइट्स को ब्लॉक कर देती हैं। अच्छा होगा कि बातचीत करने के लिए लंच ब्रेक का प्रयोग करें।
3. अपने सीनियर से बहस न करें। अपनी गलती मानें और उसे समझें और दोबारा न दोहराने की बात कहें, क्योंकि वे आपके बॉस हैं कई सालों से काम करते हुए उन्हें काम का खासा अनुभव है। आपका ज़रा-सा गलत रवैया बॉस की नज़रों में आपकी इमेज गिरा सकता है।
4. कार्यस्थल एक ऐसी जगह है जहां अलग-अलग प्रकार के, अलग विचारों के लोग एकसाथ काम करते हैं। कभी-कभी किसी बात पर मतभेद भी हो जाता है, तो याद रखें कि मतभेद को मनभेद में परिवर्तित ना होने दें।
5. खुलेआम अपने सहयोगी की बुराई न करें। लोगों की बुराई से ज्यादा अच्छाई देखें।
6. अपना काम हमेशा ईमानदारी से करते रहें। अगर कोई काम समझ नहीं आ रहा है तो अपने सीनियर या सहयोगियों से पूछने में हिचकें नहीं।
7. अगर आप ओवरवर्कड महसूस कर रहे हैं तो अपने सीनियर से अपनी समस्या पर बात करें।
8. कार्यस्थल पर हमेशा विनम्र बने रहें।

बेरोज़गारी का भी मजा लीजिए

कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद ज़रूरी नहीं है कि आपको जॉब मिल ही जाए। आपमें काबिलियत है इसमें कोई शक नहीं लेकिन कभी-कभी समय अनुकूल नहीं होता। जीवन के इस पॉइंट पर जब आपके ज्यादातर दोस्त जॉब पर लग चुके हैं और आप बेरोजगार हैं तो आपको अपने आप को अयोग्य या अनसक्सेसफुल महसूस करने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा तो बिलकुल नहीं है कि भविष्य में आपको जॉब नहीं मिलेगा। आप बेरोज़गार हैं तो इसका भी मज़ा लीजिए और अपने इस खाली समय का सदुपयोग करें। हम बता रहे हैं कैसे-

अपनी हॉबी को समय दें - आप अपने इस खाली समय का उपयोग अपने शौक को पूरा करने के लिए कर सकते हैं। ऐसी चीज़ें करें जो आप करना चाहते थे लेकिन पढ़ाई और दूसरे कामों के चलते आप उसके लिए समय नहीं निकाल पाए। वो डांस सीखना, सिंगिंग क्लास जाना, कोई इंसट्रुमेंट बजाना सीखने से लेकर कुछ भी हो सकता है। खुद के लिए उस समय का भरपूर उपयोग करें।

रिश्तों को नयापन दें - ये खाली समय अपने परिवार और दोस्तों को दें। ऐसे दोस्तों से मिलें जिनसे मिले आपको सालों हो गए हैं। अपनी सोशल लाइफ को ट्रैक पर लाएं और चाहें तो नए दोस्त बनाएं। इस खाली समय का आप इस तरह अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

छुट्टियों पर निकल जाएं - अभी आप किसी के अंडर काम नहीं कर रहे हैं। आपके पास ना 9 से 5 की बंधी हुई दिनचर्या है ना बॉस की झिक-झिक है। एक बार ये सब शुरू हो गया तो आप इससे निकल नहीं पाएंगे तो मान कर चलें कि ये आपकी जिंदगी का सबसे अच्छा समय है जो आप अपने लिए खर्च कर सकते हैं जैसे आप चाहें। एक वेकेशन प्लान करें, वीडियो गेम खेलें, स्पा का मज़ा लें आदि।

डॉक्टर बनने का बेहतर प्लेटफॉर्म

एक पुरानी चीनी कहावत हैकि सबसे बेहतर डॉक्टर वह है , जो बीमारी के आने से पहले ही उसे दूर कर देता है। इसके बाद वे चिकित्सक आते हैं,जो किसी बीमारी को आने पर उसे और बढने से रोकता है। सबसे निचले स्तर पर वे आते हैं, जो बीमारी का इलाज करते हैं। आज मेडिकल के प्रोफेशन में हर कदम पर यह कहावत खुद को चरितार्थकरती है। सालों पहले जब मेडिक ल सुविधाओं का विकास इतना नहीं हुआ था, तब हम हर बीमारी को अपना प्रारब्ध या प्रकृति का न्याय माना करते थे। लोग बीमारी से लडना तो दूर रहा, उसके नाम से ही घबराया करते थे। ऐसे में अमूमन साधारण बीमारियां भी जानलेवा हुआ करती थीं। लेकिन आज ऐसा नहीं है। पिछले सौ सालों में मेडिकल सांइस में हुई तेज तरक्की ने लोगों की पुरानी धारणा को तो बदला ही है, लोगों को जीने का हौसला भी दिया है। इस हौसले को अपनी क्षमताओं और गहरे समर्पण के बूते आधुनिक धन्वंतरि और भी आसान बना रहे हैं। यदि आपमें भी दर्द झेल रही मानवता के कष्टों के बरक्स अपनी जिम्मेदारी का अहसास है तो चिकित्सक बनकर अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी पूरा कर सकते हैं। ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्टयानि एआईपीएमटी इस क्षेत्र में आपकी राह प्रशस्त कर सकता है।

क्यों खास है एआईपीएमटी

डॉक्टर की पृथ्वी के ईश्वर के रूप में पूजा की जाती है। लोग इस पेशे को सम्मानित नजरिए से देखते हैं। यही कारण है कि डॉक्टर बनने का स्वप्न हर युवा देखता है। अभिभावक भी चाहते हैं कि उसका बेटा चिकित्सक बनकर देश की सेवा करे और प्रसिद्धि पाए। लेकिन यह सपना उसी का पूरा हो पाता है, जो सिस्टमेटिक पढाई करता है। यदि आपने सीबीएसई द्वारा आयोजित एआईपीएमटी के माध्यम से एमबीबीएस तथा बीडीएस की पढाई करने का स्वप्न देखा है तो एआईपीएमटी में अच्छी रैंक लाकर सपने को हकीकत में बदल सकते हैं।

संस्थान चयन के फार्मूले

एआईपीएमटी में स्टूडेंट्स को रैंकिंग के आधार पर मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाते हैं। कभी विकल्प भी मांगे जाते हैं। यदि ऐसा अवसर मिले तो शीर्ष संस्थानों को प्रथम वरीयता दें। प्रयास करें होम स्टेट के मेडिकल कॉलेज को सर्वप्रथम वरीयता दें। यदि आप ऐसा करते हैं तो इससे भाषा या इससे संबंधित प्रांतीय समस्याएं सामने नहीं आएंगी।

बारहवीं में बायोलॉजी है अनिवार्य

अखिल भारतीय प्री-मेडिकल/प्री-डेंटल प्रवेश परीक्षा देने के लिए वही कैंडिडेट्स योग्य हैं, जिनकी उम्र 31 दिसम्बर को 17 से 25 वर्ष के बीच हो और 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी यानि पीसीबी के साथ 10+ 2 उत्तीर्ण हों या फिर 2012 में परीक्षा दे रहा हों।

जानिए प्रारंभिक परीक्षा का पैटर्न

एआईपीएमटी की प्रारंभिक परीक्षा में एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें 200 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे। समयावधि तीन घंटे की होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले सभी प्रश्न फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जुलॉजी से होंगे। प्रारंभिक परीक्षा की तरह फाइनल परीक्षा में भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी (जुलॉजी और बॉटनी) के प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें भी केवल एक प्रश्नपत्र होगा, जिसमें 120 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे।

क्या है मीडियम आफ क्वैश्चन

एआईपीएमटी परीक्षा का मीडियम अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाएं होंगी। आप जिस भी भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उसके लिए फार्म भरते समय संबंधित कॉलम में टिक करना जरूरी है। आवेदन फार्म भरने के बाद भाषा बदलना संभव नहीं होगा।

तैयारी के मंत्र

कडी मेहनत के साथ यदि तैयारी में बेहतर गाइडेंस व पुख्ता रणनीति का रंग मिला दें तो यहां कामयाबी काफी कुछ सहज हो सकेगी। 12वीं के सिलेबस से क्लियर होगा फंडा एआईपीएमटी में पूछे जाने वाले प्रश्न दसवीं व बारहवीं स्टैंडर्ड के होते हैं। स्टूडेंट्स यदि दसवीं से ही इस प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर दे तो वे आसानी से अच्छी रैंक ला सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे छात्र जो अपनी बारहवीं की पढाई में संजीदा रहते हैं, उनके लिए इस परीक्षा के भंवर को पार करना थोडा आसान रहता है। ऐसे में आवश्यक है कि स्टूडेंट्स फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के बेसिक्स पर ज्यादा ध्यान दें और उससे भी पहले सिलेबस को अच्छी तरह समझ लें।

प्रैक्टिस का नहीं है अल्टरनेटिव

लगातार प्रैक्टिस इस परीक्षा में कामयाबी का मंत्र है। चूंकि इस परीक्षा का नेचर ऑब्जेक्टिव टाइप होता है, इसलिए इसकी प्रैक्टिस बहुत जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि कैंडिडेट्स पिछले वर्षो के प्रश्नों पर ध्यान दें। घर में ही परीक्षा जैसा महौल बनाएं। कि स चेप्टर से कितने प्रश्न पूछे गए हैं , को भी दिमाग में रखना अहम होगा। ऐसा बार-बार करने से विषय में पकड मजबूत होगी व तैयारी भी बेहतर होगी।

और भी हैं डाक्टर बनने की राह

यदि आपने मेडिकल में सुनहरे कल की इबारत लिखने का

संकल्प लिया है तो आने वाले समय में कई संभावनाएं हैं। एसोचैम रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2015 तक भारतीय दवा उद्योग करीब 20 अरब डॉलर होने की संभावना है। अनुमान है कि इस समयावधि में ही देश का दवा बाजार दुनिया के शीर्ष 10 दवा बाजारों में शामिल हो जाएगा। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के आंकडे बताते हैं कि देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में निजी अस्पताल कारोबार में बढोत्तरी के मद्देनजर इस सेक्टर के अगले तीन साल में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। देश में मेडिकल प्रोफेशनल के लिए आज एआईपीएमटी के अलावा भी कई विकल्प हैं।

कौन-कौन सी प्रवेश परीक्षाएं

एआईपीएमटी के अलावा कईसंस्थान राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर मेडिकल परीक्षा आयोजित करते हैं, जिसमें आ?र्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे (एएफएमसी), बीएचयू एमबीबीएस इंट्रेंस एग्जामिनेशन , एमजीआईएमएस वर्धा एमबीबीएस प्रमुख हैं। इसके अलावा सीपीएमटी, पीएमटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं की मेरिट में आकर भी डॉक्टर बनने का सपना आबाद कर सकते हैं। भारत में मेडिकल की कई शाखाएं हैं, जिसमें कई तो बेहद परंपरागत और प्राचीन समय से चली आ रही हैं। ऐलोपैथ, आयुर्वेद (बीएएमएस), होम्योपैथ (बीएचएमएस) तथा यूनानी (बीयूएमएस) मेडिकल की कुछ ऐसी ही उपशाखाएं हैं। इन सभी में इंट्री के लिए आपको बायोग्रुप से बारहवीं होना अनिवार्य है, वहीं बीयूएमएस के लिए उर्दू का ज्ञान होना जरूरी है।

सफलता सिर्फ एक बार हासिल करने की चीज नहीं है

सफलता की विशेषताओं के बारे में जानना एवं विशेषण करना सरल है, परंतु इनको अपने व्यक्तित्व में समाहित करना एक वास्तविक चुनौती है। सफलता की विशेषताओं में सकारात्मक सोच, स्वयं पर विश्वास, साहस, लक्ष्य के प्रति समर्पण, कुशल समय प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन आदि गुण सम्मिलित होते हैं। इनसे एक सजग व्यक्ति भली-भांति परिचित होता है। हर व्यक्ति इन गुणों को स्वयं में उतारने एवं बनाए रखने का इच्छुक होता है। किंतु जब उसका वास्तविकता से सामना होता है, तो पता चलता है कि इनका अभ्यास करना कठिन है। ऐसा आकांक्षा एवं इच्छाशक्ति के बीच एक बड़ा अंतर होने की वजह से होता है। सफलता के कारकों की सूची काफी लंबी हो सकती है, यदि इनको विभिन्न शीर्षकों-उपर्शीषकों में रखा जाए, परंतु सरल बनाने के क्रम में उनको चार शीर्षकों के अंतर्गत रखना पसंद करता हूं। जिनको सफलता के पहिए की चार तीलियां कहा जा सकता है। ये हैं-मस्तिष्क, समय, ऊर्जा एवं मानवीय संबंध। ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्रदान किए गए इन चार बेशकीमती उपहारों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर आप जीवन की किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सफलता की शुरुआत आप के स्वयं की पहचान के साथ होती है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता, शांति एवं प्रसन्नता हासिल करने एवं उसका अभिवर्धन हासिल करने की असीम क्षमता के साथ ईश्वर का एक अद्वितीय सृजन होता है। स्वयं की क्षमता एवं अद्वितीयता की समझ एवं पहचान एक अद्भुत अनुभव है। मैक्स लुकाडो कहते हैं-आप एक दुर्घटना नहीं हो सकते। आप थोक में पैदा नहीं हुए। आप जैसे तैसे पुर्जों को जोड़कर बनाए गए उत्पाद नहीं हैं। आप सर्वशक्तिमान स्त्रष्टा द्वारा जानबूझकर नियोजित, विशिष्ट उपहार में दिए गए तथा बड़े प्यार से इस धरती पर उतारे गए हैं। हममें से हरेक व्यक्ति का इस धरती पर आने का एक उद्देश्य होता है और हर व्यक्ति में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ अद्वितीयता होती है।

सफलता की कला वास्तव में हमारे मस्तिष्क के दक्षतापूर्ण संचालन की एक कला है। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि साक्षरता एवं शिक्षा में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक व्यक्ति बिना साक्षर हुए भी पूर्ण रूप से शिक्षित हो सकता है। अकबर महान इसका एक सर्वोत्तम उदाहरण हैं। बहुत से संत महात्मा एवं धार्मिक गुरु निरक्षर थे, किंतु वे काफी ज्ञानी थे। दूसरी ओर, हमारे देश में या विश्व में कहीं भी साक्षर और उच्च डिग्री प्राप्त लोगों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन उन लोगों की संख्या काफी कम होती है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा इस विश्व को कुछ अर्थपूर्ण योगदान दे जाने के लिए वास्तविक रूप से स्वयं को शिक्षित होने का दावा करते हैं। सच्चे अर्थ में शिक्षा का सीधा संबंध आत्मबोध से होता है। अकादमिक शिक्षा हमें साक्षर और सूचनाओं एवं ज्ञान से समृध्द बना सकती है, लेकिन उनका इस्तेमाल एवं अर्थवत्ता हमारी वास्तविक शिक्षा की शक्ति पर निर्भर करती है। गैलीलियो का कहना है कि आप व्यक्ति को कुछ भी नहीं सिखा सकते। आप उसे स्वयं के अंदर ढूंढ़ने में केवल सहायता कर सकते हैं। ईश्वर ने पहले से ही हमारे मस्तिष्क को शक्ति प्रदान कर रखी है, हमें सिर्फ इस बात की खोज करनी है कि हम अधिकतम लाभ के लिए उसका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है, जो अपने विद्यार्थी के मस्तिष्क की मौलिकता को मारे नहीं, बल्कि उसे आत्मानुभूति करने में सहायता प्रदान करे। मैं इस संबंध में गौतम बुध्द के दर्शन में काफी विश्वास करता हूं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज पर तब तक विश्वास मत करो, जब तक कि वह तुम्हारे अपने विवेक एवं अपनी सहज बुध्दि को स्वीकार्य न हो, चाहे जहां से तुमने उसे पढ़ा हो, या जिसने भी कहा हो, यहां तक कि मैंने भी कहा हो।